शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

www.lagatar.in | रविवार, 10 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 13, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 (कटा हुआ) ● वर्ष : 1, अंक : 232 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

* * * *

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	25.4	17.3
जमशेदपुर	27.7	16.0
डालटनगंज	27.2	15.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

सुर्खियां

इंटरनेशनल
- इजराइल की हमास के खिलाफ गाजा में बमबारी जारी
- जलवायु कार्रवाई का आधार जलवायु न्याय होना चाहिए
- राजनीतिक विरोधियों के पाक में आंतकवादियों से हैं संबंध
- रूसी विपक्षी दलों ने भी चुनाव लड़ने का संकल्प लिया

नेशनल
- नतीजों से साफ है कि 'मोदी की गारंटी' में दम है : मोदी
- पीएम मोदी को चुनौती देने वाराणसी जाएंगे नीतीश
- भाजपा के विधायक भड़के शपथ लेने से इनकार किया
- कन्नड़ अभिनेत्री लीलावती को दी गई श्रद्धांजलि

स्टेट
- झारखंड की नदियों के 100 मिली. पानी में 1600 बैक्टीरिया
- बिजली की बिलिंग में गढ़वा जिला बना अव्वल
- मुख्यालय में 143 शिकायतें लंबित, रांची के सर्वाधिक मामले
- नक्सलियों को विस्फोटक पहुंचाने वाला गिरफ्तार

स्पोर्ट्स
- डब्ल्यूपीएल : सबसे महंगी अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी बनी काशवी
- भारत और द. अफ्रीका के बीच टी-20 मुकाबला आज
- 21 दिसंबर को होगा कुश्ती महासंघ का चुनाव
- बंगाल व केरल हजारे ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में

किसने क्या कहा

- 14 साल तक जब लूट नहीं सके, तो डबल इंजन की सरकार ने राज्य को लूटा. **हेमंत सोरेन**
- इलाहाबादी अमरूद का नाम 'प्रयागराजी अमरूद' करने का फ़ैसला कब? **अखिलेश यादव**
- महुआ का निष्कासन मोदी सरकार के अंदर का डर है. **-सुप्रिया श्रीनेत्र**

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,400
चांदी (किलो)	77,000

ब्रीफ खबरें

महिलाएं विभाजनकारी राजनीति से रहें दूर: मोदी

नयी दिल्ली। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को महिलाओं को 'विभाजनकारी राजनीति' से आगाह किया और कहा कि वे एक बड़ी 'जाति' हैं, जो किसी भी चुनौती का मिल कर सामना कर सकती हैं. उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा महिलाओं यानी आधी आबादी को आगे काम करती रही है.

छत्तीसगढ़ में भाजपा विधायकों की बैठक आज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधायक दल का नेता चुनने के लिए भाजपा के नवनिर्वाचित 54 विधायकों की रविवार को बैठक होगी. यह जानकारी पार्टी के वरिष्ठ नेता रमन सिंह ने दी. उन्होंने बताया कि पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा इस बैठक में मौजूद रहेंगे. कृषि मंत्री बाद में अपनी रिपोर्ट केंद्रीय नेतृत्व को सौंपेंगे.

गाजा में संघर्ष विराम प्रस्ताव पर वीटो

संयुक्त राष्ट्र। अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में इजराइल-हमास संघर्ष पर एक प्रस्ताव के मसौदे पर वीटो कर दिया जिसमें गाजा में तत्काल मानवीय संघर्ष विराम और हमास आतंकवादी समूह द्वारा बंधक बनाए सभी बंधकों की तुरंत और बिना शर्त रिहाई की मांग की गयी थी.

2025 में 5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनेंगे हम

देहरादून। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि भारत 2025 के अंत तक 5,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा. उन्होंने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार नई ऊंचाइयां छू रहा है. देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह पटरी पर है, जो दिख भी रही है.

छग में 20 नक्सलियों ने किया सरेंडर

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में पांच महिला नक्सली समेत 20 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने सरेंडर कर दिया. अधिकारियों ने बताया कि 5 महिलाओं समेत 20 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है.

पीएम ने कविता के जरिए की बात

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को समाचार एजेंसी पीटीआई के दफ्तर पहुंचे. वहां उन्होंने एक कविता के माध्यम से 'आचार, विचार और समाचार' की बात की. पीएम ने आगंतुक पुस्तिका में कविता के जरिए अपनी भावना व्यक्त की. उन्होंने ने लिखाः आचार, विचार और अब समाचार अस्तित्व का, आत्मतत्व का ऐसा संघर्ष है, जिसमे जीना भी है और जीतना भी है, उत्तम अस्त्र, शस्त्र है, आचार और विचार... पीएम ने कर्मियों के साथ संवाद कर कामकाज,उनके अनुभव के बारे में जाना. एक घंटे से तक रुकने के दौरान उन्होंने काम करने वालों के साथ बातचीत की.

बड़ी कार्रवाई : कांग्रेस सांसद धीरज साहू के ठिकानों पर आयकर की छापेमारी व नोटों की गिनती जारी

₹500 करोड़ से ज्यादा जब्त

20 पेटी कैश बरामद हुए हैं धीरज साहू के मैनेजर के पास

बरामद रुपयों को स्टेट बैंक की स्थानीय शाखा में जमा कराया

सौरभ सिंह। रांची

कांग्रेस सांसद धीरज प्रसाद साहू के ओडिशा, झारखंड समेत बंगाल के लगभग 10 ठिकानों चौथे दिन शनिवार को भी छापेमारी जारी रही. हालांकि चौथे दिन धीरज साहू के लोहरदगा स्थित पुश्तैनी मकान से आयकर की टीम बैग में नकदी सहित चल-अचल संपत्ति से संबंधित दस्तावेज जब्त कर ले गयी है. लोहरदगा में छापेमारी की कार्रवाई पूरी हो चुकी है, जबकि ओडिशा के आवास, कार्यालय सहित झारखंड की राजधानी रांची में रेडियम रोड स्थित सुशीला निकेतन में छापेमारी जारी रही. छापेमारी में मिले नोटों की गिनती जारी है. अबतक लगभग 500 करोड़ रुपये बरामद हो चुके हैं.

पहले दो-तीन दिनों की छापेमारी में 300 करोड़ से अधिक बरामद हुए थे. चौथे दिन ओडिशा में सांसद धीरज साहू के मैनेजर के घर से 200 करोड़ से अधिक की बरामदगी की बात सामने आयी है. कुल मिलाकर आयकर विभाग के चार दिनों की छापेमारी में 500 से भी अधिक कैश मिले हैं. सूत्रों ने बताया कि सांसद धीरज साहू के ठिकानों से जितने नोटों बरामद हुए हैं और हो रहे हैं, उनकी पूरी गिनती होने पर आंकड़ा 800- 1000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है. वैसे साहू के ठिकानों से मिले नोटों की गिनती जारी है.

ओडिशा में मैनेजर के पास से 20 पेटी में 200 करोड़ मिले : सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार को आयकर टीम को ओडिशा में कांग्रेस सांसद धीरज साहू के मैनेजर के पास से भी 20 पेटी कैश बरामद हुए हैं. बरामद रुपयों को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की स्थानीय शाखा में जमा कराया गया है, जहां नोटों की गिनती की जा रही है.

-शेष पेज 13 पर

देश भर में ट्रेंड कर रहे धीरज साहू

आयकर विभाग की टीम ने कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू से जुड़ी कंपनियों के ठिकानों से 300 करोड़ से अधिक नकद बरामद की है. इस खबर के बाद धीरज साहू सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पूरे भारत में ट्रेंड कर रहे हैं. सबसे खास बात यह है कि अबतक 38 हजार से अधिक यूजर्स ने इस पर एक से बढ़कर एक कमेंट किये हैं. इतना ही नहीं पॉलिटिक्स में आईटी रेड भी ट्रेंडिंग पर है.

लोहरदगा आवास पर छापेमारी पूरी हुई

सांसद धीरज साहू के लोहरदगा स्थित आवास पर आयकर विभाग की छापेमारी समाप्त हो गयी. आईटी की टीम छापेमारी पूरी होने के बाद लौट गयी. टीम अपने साथ कई बैग लेकर निकली है, जिसमें नोटों की गड्डी के अलावा कई महत्वपूर्ण दस्तावेज हैं. हालांकि ओड़िशा में आईटी की कार्रवाई अभी भी जारी है. नोटों की गिनती चल रही है.

साहू के ठिकानों से मिले नोटों पर ईडी की भी नजर

धीरज साहू के रिश्तेदारों व कंपनियों के ठिकानों पर जिस तरह से करोड़ों रुपये मिल रहे हैं, उस पर प्रवर्तन निदेशालय की टीम भी नजर रखा रही है. आयकर की छापेमारी पूरी होने के बाद पता लग सकेगा कि साहू व उसकी कंपनियों के ठिकानों पर कुल कितनी राशि मिली है .आयकर विभाग की कार्रवाई पूरी होने के बाद ईडी की टीम केस टेकओवर कर सांसद साहू सहित उनकी कंपनी के निदेशकों से पूछताछ कर सकती है.

धीरज के यहां छापा

तीन राज्यों में हार से ज्यादा नुकसान

सुरजीत सिंह

यह ठीक है कि कांग्रेसी सांसद धीरज प्रसाद साहू खानदानी कारोबारी हैं. यह भी ठीक है कि जितनी रकम (अब तक 300 करोड़) बरामद हुई है, वह सिर्फ सांसद होने की वजह से नहीं हो सकती. पर, सवाल यह है कि इस बात को आम जनमानस को समझाएगा कौन. आयकर विभाग की इस छापेमारी को लेकर भाजपा जिस तरह

टिप्पणी

हमलावर है, जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर तमाम भाजपा नेता-कार्यकर्ता इसे लेकर सवाल उठा रहे हैं, कांग्रेस के लिए जवाब देना मुश्किल होगा. कांग्रेस की मजबूरी है कि इस मामले को लेकर यह भी नहीं कह सकती कि जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर केंद्र सरकार फंसा रही है. सारा पैसा धीरज साहू या उनके परिवार के ठिकानों से मिला है. कुछ लोग कह रहे हैं कि बरामदगी की राशि 1000 करोड़ रुपए तक की हो सकती है. वैसे 300 करोड़ भी कम नहीं हैं. हर तरफ थू-थू हो रही है और सवाल उठाए जा रहे हैं.

कुल मिला कर धीरज साहू का मामला कांग्रेस को मिली तीन राज्यों में हार से भी अधिक नुकसान पहुंचाने वाला है. क्योंकि भाजपा इस मामले को अब लोकसभा चुनाव तक छोड़ने नहीं वाली. एक सांसद, जो कारोबारी भी है, उसकी वजह से कांग्रेस पार्टी को पूरे चुनाव में बैकफुट पर रहना होगा. जो दूसरा रास्ता है, उस पर कांग्रेस कभी चली ही नहीं. और वह यह कि पार्टी खुद धीरज साहू पर कार्रवाई करे. पार्टी से बाहर करे और तमाम नाता तोड़ ले. लेकिन संकट यह है कि कांग्रेस पार्टी अपने धनकुबेर नेताओं पर कार्रवाई करने में हमेशा संकोच करती रही है. इसलिए यह उम्मीद ही बेमानी है.

सांसद धीरज साहू चुप हैं. आयकर विभाग ने भी अभी तक जानकारियों को सार्वजनिक नहीं किया है. पर, भाजपा इस मामले को कांग्रेस पार्टी से जोड़ रही है. कह रही है कि इस पैसे का इस्तेमाल मध्य प्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ में विधायकों की जोड़-तोड़ में करने की योजना के तहत रखा गया था.

-शेष पेज 13 पर

बाबा नगरी में सीएम ने भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शनिवार को बाबा की नगरी देवघर पहुंचे और बैद्यनाथ मंदिर में माथा टेका. सीएम ने विधि-विधान से वैदिक मंत्रोचार के साथ भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की. सीएम ने बाबा बैद्यनाथ से झारखंड की उन्नति, अमन-चैन, सुख-शांति और समृद्धि की कामना की. उन्होंने राज्यवासियों की खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की भी मन्नत मांगी.

राज्य सरकार 60 लाख 30 हजार लोगों को दे रही पेंशन

5000 स्कूल खोलने की तैयारी

प्रमुख संवाददाता। देवघर/रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि हम सभी बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगजनों को प्रति माह एक हजार रुपए पेंशन देते हैं. बिहार में सिर्फ 400 रुपए मिलते हैं. ओडिशा में 500 रुपया पेंशन मिलती है. छत्तीसगढ़ में 350 रुपया पेंशन मिलती है. सीएम शनिवार को देवघर में आयोजित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि पहले भारत सरकार पेंशन मद में 250 रुपए देती थी. शेष राशि राज्य सरकार देती थी. 2020 तक 15 लाख लोगों को पेंशन मिलती था. अब 60 लाख 30 हजार लोगों को राज्य सरकार पेंशन दे रही है. एक घर में पांच-पांच लोग पेंशन ले रहे हैं. सीएम ने कहा कि पहले चरण में 80 उत्कृष्ट विद्यालय बनाए हैं. उन स्कूलों को प्राइवेट स्कूलों के स्तर का बनाया जा रहा है. यहां गरीब होनहार बच्चों को मुफ्त शिक्षा दी जा रही है. ऐसे 5000 और विद्यालय खोलने की तैयारी है. पोस्ट छात्रवृत्ति की राशि बढ़ा कर 1 लाख रुपए कर दी गई है. प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति में भी तिगुना इज़ाफ़ा किया गया है. बच्चियों की पढ़ाई न छूटे, इसके लिए उन्हें सावित्रीबाई किशोरी समृद्धि योजना का लाभ दिया जा रहा है. वहीं प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी से लेकर विभिन्न कोर्सेस को करने के लिए भी सरकार आर्थिक सहायता दे रही है. दूसरी तरफ यहां के नौजवानों के हुनर को निखारने के लिए अब प्रखंड स्तर पर सरकार द्वारा प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की गई है. हमारा मकसद है कि यहां के बच्चे किसी भी मामले में अन्य बच्चों से पीछे न रहें.

-शेष पेज 13 पर

सीएम ने दी सौगात
- 255 करोड़ की 64 योजनाओं का किया शिलान्यास
- 5721 लाभुकों के बीच बांटी 7 करोड़ 96 लाख की परिसंपत्ति
- पोस्ट छात्रवृत्ति की राशि बढ़ा कर की गई है एक लाख
- डबल इंजन की सरकार ने दोनों हाथों से लूटा

3 साल में 20 लाख किसानों को केसीसी

सीएम ने कहा कि 2021 में अभियान शुरू हुआ. पहले चरण में 35 लाख आवेदन आए. 2022 में 55 लाख आवेदन आए. 2023 में 23 नवंबर से शिविर शुरू किया गया है, जो (29 दिसंबर) तक लगाई जाएगी. हमारी सरकार बनने के बाद तीन साल में करीब 20 लाख किसानों को केसीसी कार्ड से जोड़ा है. सीएम ने कहा पूरे राज्य में सड़कों का जाल बिछाने की कवायद चल रही है.

गैस सिलिंडर गरीब के घरों में कचरे के ढेर में पड़ा

सीएम ने कहा कि कभी 400 रुपए में गैस सिलिंडर मिलता था, जो दस साल में बढ़कर 12 सौ रुपए हो गए. सीएम ने कहा कि इन लोगों ने मुफ्त में सिलिंडर देने का ढोंग रचा था. अब वो सिलिंडर गरीब के घरों में कचरे के ढेर में पड़ा है. नमक, दाल, चावल, तेल महंगा हो गया है. बच्चों की पढ़ाई का सारा सामान महंगा हो गया है. ये लोग बड़ी चतुराई से गरीबों की जेब से पैसे निकाल रहे हैं.

पुलिस वर्दी में जेल पहुंचे थे युवती समेत 4 लोग

शुभम संदेश एक्सक्लूसिव

- जेल में प्रेम प्रकाश के साथ हुई की घंटों बातचीत

विनीत उपाध्याय/ सौरभ सिंह। रांची

पावर ब्रोकर के नाम से मशहूर प्रेम प्रकाश का जलवा जेल की सलाखों के पीछे भी बरकरार है. करीब एक साल से जेल में बंद प्रेम प्रकाश ने जेल में अपना नया साम्राज्य बना लिया है. जहां उसे न सिर्फ सभी सुख-सुविधाएं मिल रही हैं, बल्कि वह जब जिससे चाहे मिलता और बातचीत करता है. ईडी के हलफनामे में इस बात का जिक्र है कि प्रेम प्रकाश को जेल के अंदर एक युवती से मुलाकात करवायी गयी और इस मुलाकात में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार के तत्कालीन अधीक्षक हामिद अख्तर और जेलर नसीम खान की महत्वपूर्ण भूमिका थी. इस मुलाकात के दौरान वहां तीन और लोग भी मौजूद थे. किसी को इस मुलाकात की भनक न लगे, इसलिए मुलाकात करने आये सभी लोगों ने पुलिस की वर्दी पहनी हुई थी.

जूस की बोतल में शराब जेल में पहुंचायी जाती थी

बता दें कि प्रेम प्रकाश को जेल के अंदर इन तमाम सुख-सुविधाएं मुहैया कराने में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार के तत्कालीन जेल सुपरिटेंडेंट हामिद अख्तर और जेलर नसीम खान का अहम रोल है. जेलर और जेल सुपरिटेंडेंट की मदद से प्रेम प्रकाश को मोबाइल, शराब और हर वो सुविधा दी गयी, जो किसी आम कैदी को कभी नसीब नहीं होती. प्रेम प्रकाश को उसके मनचाहे ब्रांड की शराब जूस के बोतल में भरकर पहुंचायी जाती थी.

पहाड़ों पर बर्फबारी और शीतलहर शुरू

नयी दिल्ली। देश के उत्तरी राज्यों में अगले हफ्ते से कड़ाके की सर्दी पड़ने की संभावना है. इसको लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है. पूरी घाटी में बर्फबारी और शीत का लहर जारी है. देशभर में सभी राज्यों में सर्दी अपना असर दिखने लग गई है. भारतीय मौमव विज्ञान विभाग ने ठंड को लेकर ताजा अपडेट जारी किया है. मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले दिनों में उत्तर भारत में ठंड बढ़ने वाली है. दिल्ली, यूपी, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, बिहार, झारखंड, सहित कई राज्यों में तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी. पहाड़ों पर बर्फबारी और शीतलहर का दौर जारी है.

सांसद दानिश अली बसपा से हुए निलंबित

लखनऊ। बसपा ने यूपी के अमरोहा से सांसद दानिश अली को पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण शनिवार को पार्टी से निलंबित कर दिया. बसपा महासचिव सतीश चंद्र मिश्र ने इसकी जानकारी दी. मिश्र ने सांसद को पत्र लिख कर उन्हें निलंबन की जानकारी दी, जिसकी एक प्रति मीडिया को भी जारी की गयी. पत्र में कहा गया है, आपको अनेक बार मौखिक रूप से कहा गया कि आप पार्टी की नीतियों, विचारधारा एवं अनुशासन के विरुद्ध जाकर कोई भी बयानबाजी या कृत्य आदि नहीं करें, परंतु इसके बाद भी आप लगातार पार्टी के खिलाफ जाकर कृत्य करते आ रहे हैं. इसमें कहा गया है, आपको यह भी अवगत कराना उचित होगा कि कर्नाटक में सन 2018 के विधानसभा चुनाव में बसपा और जद (एस) के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ा गया था. सांसद हाल ही में तब चर्चा में आए थे, जब भाजपा के सांसद रमेश बिधूड़ी ने लोकसभा में दानिश अली के खिलाफ कथित आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल किया था.

गोगामेड़ी हत्याकांड में हो गई पहली गिरफ्तारी

जयपुर। राजस्थान चुनाव रिजल्ट के बीच चर्चा में आए सुखदेव सिंह गोगामड़ी हत्याकांड में राजस्थान पुलिस को पहली कामयाबी मिल गई है. पुलिस ने इस केस में शूटर नितिन फौजी के सहपाठी रामवीर को अरेस्ट किया है. बताया जा रहा है कि रामवीर ही दोनों शूटर नितिन फौजी और रोहित राठौड़ को अपनी बाइक पर बैठा कर बगरू टोल प्लाजा से आगे रोडवेज की बस में बैठा कर वहां से फरार हो गया था. जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि गिरफ्तार किया गया आरोपी 23 वर्षीय रामवीर पुत्र सतवीर हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के पिलानिया थाना इलाके के सुरेती गांव का रहने वाला है. वह हमलावर नितिन फौजी का सहपाठी रहा है और दोनों के गांव आसपास ही हैं. दोनों अच्छे दोस्त हैं. गोगामेड़ी की हत्या करने वाले हमलावरों के जयपुर में ठहरने और फरार करने में रामवीर ने मदद की थी.

अच्छी पहल : राष्ट्रीय लोक अदालत में 88 हजार 691 विवादों का किया गया निपटारा

धनबाद में 12 अरब 43 करोड़ की हुई रिकार्ड वसूली

संवाददाता। धनबाद

शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत में रिकार्ड तोड़ 12 अरब 43 करोड़ रुपए की वसूली हुई. इस दौरान 88 हजार 691 विवादों का निपटारा किया गया. ये वसूली और विवादों का निपटारा झारखंड में एक रिकार्ड है. इस अदालत में बड़ी संख्या में विवादों निपटान से कोर्ट का बोझ कम हुआ. प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम शर्मा के आदेश पर 14 बेंच का गठन किया गया था. इनके द्वारा विभिन्न तरह के सुलहनीय विवादों का निपटारा हुआ.

ये थे मौजूदः प्रधान जज तौफीकुल हसन, अपर प्रधान जज एसएन मिश्रा, जिला जज सुजीत सिंह, अखिलेश कुमार, लेबर जज प्रेम लता, राजीव त्रिपाठी, प्रज्ञेश निगम, शिवम चौरसिया, एंजेलिना जॉन पूनम कुमारी आदि मौजूद थे.

व्यापक पैमाने पर विवादों का निपटारा

अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार निताशा बारला ने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से व्यापक पैमाने पर मुकदमों का निष्पादन किया जा रहा है. जिसमें समय की बचत के साथ-साथ वादकारियों को विभिन्न कानूनी पचड़ों से मुक्ति मिल रही है. अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार निताशा बारला ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में 88 हजार 691 विवादों का निपटारा कर दिया गया तथा कुल 12 अरब 43 करोड़ रुपए की रिकवरी की गई है.

ऐसी अदालतें जनता के लिए फायदेमंद

नालसा के निर्देश पर इस वर्ष के अंतिम नेशनल लोक अदालत का उद्घाटन शनिवार को धनबाद को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा के चेयरमैन राम शर्मा ने किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमारा संविधान हर लोगों को सामाजिक, आर्थिक एवं सस्ता सुलभ न्याय की गारंटी देता है.नेशनल लोक अदालत संविधान के परिकल्पना को पूरी करने के दिशा में एक कदम है. प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि लोक अदालत में महीनों कोर्ट का चक्कर लगाने और पैसे की बर्बादी से बचा जा सकता है. इससे लोगों को मानसिक शांति भी मिलती है. इसके साथ ही प्रेम और सौहार्द आपस में बना रहता है.

ज्यादा मामले बैंक रिकवरी के

उन्होंने बताया कि नेशनल लोक अदालत में बैंक लोन रिकवरी के 587, अपराधिक मामले 174,बिजली विभाग के 340 लेबर एक्ट के 01, दांपत्य जीवन से संबंधित 53 वाद एन आई एक्ट के 111,मोटरयान दुर्घटना के 25 , सिविल केस 12 विवादों, सर्विस से संबंधित विवाद 8 हजार 567, अन्य विभिन्न तरह के 76 हजार 114 विवादों का निपटारा किया गया . उन्होंने सभी वादकारी, न्यायिक पदाधिकारियों विभाग के अधिकारियों एवं अधिवक्ताओं का सहयोग के लिए आभार प्रकट किया.

मैंने खुद भी किया 85 से 90 घंटे तक काम : नारायण मूर्ति

एजेंसी। बेंगलुरु

इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति हफ्ते में 70 घंटे काम वाले अपने बयान पर कायम हैं. उन्होंने कहा कि अगर गरीबी दूर करनी है, तो ज्यादा काम करना एकमात्र तरीका है. उन्होंने आगे कहा कि वे खुद हफ्ते में 85-90 घंटे तक काम करते थे, जो समय की बर्बादी नहीं है. उन्होंने अपनी बात दोहराते हुए कहा कि भारतीय युवाओं को कम से कम 70 घंटे तो काम करना ही चाहिए.

नारायण मूर्ति ने ईटी को दिए इंटरव्यू में कहा कि मैं सुबह 6:20 बजे ऑफिस में होता था, शाम 8:30 बजे ऑफिस छोड़ देता था और हफ्ते में छह दिन काम करता था. मूर्ति ने बताया कि शुरुआती दिनों से लेकर 1994 तक वे हफ्ते में 85 से 90 घंटे से ज्यादा समय तक काम किया. उन्होंने आगे कहा कि जो भी आज सफल या समृद्ध हुआ है, उसने कड़ी मेहनत की है. इंफोसिस के संस्थापक ने कहा कि उनके माता-पिता कड़ी मेहनत में विश्वास करते थे और मुझे बहुत पहले ही सिखाया था कि गरीबी से बचने का एकमात्र तरीका कड़ी मेहनत करना है. नारायण मूर्ति का कहना है कि काम के प्रत्येक घंटे से ज्यादा से ज्यादा उत्पादकता मिलती है. ऐसे में युवाओं को सप्ताह के दौरान कम से कम 70 घंटे काम करना चाहिए.

खास बातें
- गरीबी से उबरना है, तो यही है एक कारगर उपाय
- माता-पिता ने सिखाया गरीबी से बचने का तरीका

▼ ब्रीफ खबरें

भ्रष्टाचार में पूरी तरह लिप्त है कांग्रेस : प्रतुल

रांची। झामुमो के बयान पर बीजेपी ने पलटवार किया है. बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि धीरज साहू के ठिकानों से रुपये बरामदगी मामले में जब देश के प्रधानमंत्री 200 करोड़ का आंकड़ा बता रहे हैं, तो कोई शक की संभावना नहीं बचती. ये तो प्रारंभिक आंकड़े हैं. अंतिम आंकड़े तो बहुत ऊपर तक जा सकते हैं. कांग्रेस भ्रष्टाचार में लिप्त है. कांग्रेस का हाथ काले धन के साथ है. प्रतुल ने कहा कि झामुमो ने पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी की साहू परिवार के मुनीम से तुलना कर अपना आदिवासी विरोधी चेहरा दिखा दिया.

इतना कैश रखने की इजाजत कैसे : प्रदीप

रांची। भाजपा के प्रदेश महामंत्री डॉ. प्रदीप वर्मा ने झामुमो प्रवक्ता के बयान पर पलटवार किया है. कहा कि कांग्रेस-झामुमो में केवल सरकार चलाने का गठबंधन नहीं हुआ है, बल्कि एक-दूसरे के भ्रष्टाचार पर हो रही कार्रवाई के खिलाफ भी बोलने का समझौता है. कहा कि जब सीएम और झामुमो नेताओं के भ्रष्टाचार उजागर होते हैं तो कांग्रेस उनके बचाव में आंदोलन करती है और जब कांग्रेस का मामला उजागर होता है तो झामुमो बचाव में आ जाता है. कांग्रेस-झामुमो की यह दोस्ती पुरानी है. लेन-देन का इतिहास पुराना है. वर्मा ने कहा कि झामुमो यह क्यों नहीं बता रहा कि आखिर किस कानून में 300 करोड़ से भी अधिक नकद रुपए घर में रखने की इजाजत है.

मारवाड़ी युवा मंच ने गर्म कपड़े बांटे

रांची । मारवाड़ी युवा मंच महिला समर्पण शाखा ने शनिवार को गर्म कपड़ों का वितरण किया. बढ़ती ठंड को देखते हुए समर्पण शाखा ने रिक्शा चालकों के बीच गर्म कपड़ों का वितरण किया. यह कार्यक्रम हरमू रोड में शाम को किया गया. गर्म कपड़े मिलने से उनको बढ़ती ठंड से काफ़ी राहत मिली और लोग खुश थे. इस मौके पर अध्यक्ष स्वेता भाला, पूजा अग्रवाल, शुभा अग्रवाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित थीं. उपरोक्त जानकारी मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने दी.

महासंघ का जंतर-मंतर में होगा धरना

रांची। अखिल भारतीय स्वास्थ्य एवं एनएचएम कर्मचारी महासंघ के बैनर तले राज्य के स्वास्थ्य कर्मी दिल्ली स्थित जंतर-मंतर पर सोमवार को धरना देंगे. संघ के अध्यक्ष विनय सिंह ने कहा कि हमारी मांग है कि राज्यभर के 108 और 102 के कर्मियों के साथ ही एनएचएम में अनुबंध पर काम करने वाली कर्मियों को स्थाई किया जाए. सभी की सेवा अवधि 65 साल किया जाए और समान काम के बदले समान वेतन का भुगतान किया जाए. आउटसोर्स कर्मचारियों को सरकार के द्वारा सीधे तौर पर वेतन दिया जाए.

भाजपा युवा मोर्चा ने फूंका धीरज का पुतला

रांची। भाजपा युवा मोर्चा ने रांची के बिरसा चौक पर कांग्रेस सांसद धीरज साहू का पुतला फूंका. महानगर अध्यक्ष रोमिल नारायण सिंह ने कहा कि कांग्रेस सांसद के यहां से इतनी बड़ी रकम मिलना चिंतनीय है. धीरज साहू हों या कोई भी दूसरा लूटेरा सभी को पाई-पाई का हिसाब देना होगा, वरना जेल जाना होगा. विरोध-प्रदर्शन में जीतेंद्र वर्मा, सूर्य प्रभात, पवन पासवान, रोहित सारदा, राहुल सहदेव, सुरेश शर्मा, सचिन साहू, रोहित सिंह, धर्मवीर सिंह, सनोज सिंह, अमित साहू, विवेक कुमार, साहिल कुमार समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे.

कल से मौसम लेगी करवट, न्यूनतम पारा 10 डिग्री तक रहने का अनुमान

राज्य में अब बढ़ेगी ठंड, गरम कपड़े पहनें...बरतें सावधानी

शुभम किशोर। रांची

मिचौंग तूफान के बाद झारखंड का पारा गिरने लगा है और राज्य में ठंड ने दस्तक दे दी है. पिछले 24 घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा. सबसे अधिक उच्चतम तापमान 26.1 डिग्री सेल्सियस जमशेदपुर में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 12.2 डिग्री सेल्सियस रांची में दर्ज किया गया. मौसम विभाग ने आने वाले 4 दिनों के मौसम का अनुमान लगाया है. जिसके अनुसार 11 दिसंबर से राज्य में न्यूनतम तापमान गिरने का अनुमान है. इस दौरान राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान रामगढ़ में 10 डिग्री सेल्सियस और अधिक उच्चतम तापमान सिंहभूम में 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा सकता है. इस दौरान सुबह में कोहरा के बाद आसमान मुख्यतः साफ रहेगा और मौसम शुष्क रहने का अनुमान है.

	10 दिसंबर		11 दिसंबर		12 दिसंबर		13 दिसंबर	
जगह	अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम
देवघर	25	16	25	16	25	15	25	15
धनबाद	25	16	25	16	25	15	25	15
दुमका	24	14	24	14	23	13	23	13
गिरिडीह	25	16	25	15	24	14	24	13
गोड्डा	26	15	26	15	25	14	25	14
जामताड़ा	25	14	25	14	25	13	25	13
पाकुड़	24	15	24	15	23	14	23	14
साहेबगंज	24	15	24	15	23	14	23	14
कोडरमा	26	17	27	17	27	17	27	16
चतरा	27	17	28	17	28	17	28	16
गढ़वा	27	17	28	17	28	17	28	16
लातेहार	25	17	26	17	26	17	26	16

	10 दिसंबर		11 दिसंबर		12 दिसंबर		13 दिसंबर	
जगह	अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम
लोहरदगा	25	15	24	15	24	15	24	14
पलामू	27	17	28	17	28	17	28	16
बोकारो	25	13	24	12	24	12	25	12
रामगढ़	25	12	24	10	24	10	24	10
हजारीबाग	25	13	26	11	26	11	26	11
रांची	24	13	23	11	23	11	23	11
खूंटी	24	14	23	12	23	12	23	12
गुमला	25	13	24	11	24	11	24	11
पूर्वी सिंहभूम	28	16	29	15	29	15	29	15
सरायकेला	28	16	29	15	29	15	29	15
पश्चिमी सिंहभूम	28	13	29	14	29	14	29	14
सिमडेगा	27	14	28	13	28	13	28	13

पावर सप्लाई का हाल: पूरे राज्य में 9.40 लाख डिफेक्टिव मीटर

सिर्फ गढ़वा जिले में ही हो रही शत-प्रतिशत बिजली की बिलिंग

रवि भारती। रांची

झारखंड में बिजली आपूर्ति और इसके नुकसान का पूरा ब्योरा झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम ने विद्युत नियामक आयोग को सौंपा है. नियामक आयोग को सौंपे गए ब्योरे में इस बात का जिक्र किया गया है कि सिर्फ गढ़वा में ही शत-प्रतिशत बिजली का बिल उपभोक्ताओं तक पहुंचता है. इसके अलावा किसी भी जिले में शत-प्रतिशत बिलिंग एफिसियेंसी नहीं है. राजधानी रांची में 70 फीसदी ही बिलिंग एफिसियेंसी है.

सबसे अधिक बिजली का नुकसान डालटनगंज में : सबसे अधिक 44.34 प्रतिशत बिजली का नुकसान डालटनगंज में होता है. वहीं राजधानी रांची में 29.72 प्रतिशत बिजली का नुकसान होता है, जबकि गढ़वा में सबसे कम 0.30 और गिरिडीह में 4.65 प्रतिशत बिजली का नुकसान होता है.

गढ़वा में 79 % उपभोक्ता हैं बिना मीटर के : गढ़वा में 79% उपभेक्ता बिना मीटर के हैं. इसके बाद चास में 69 फीसदी उपभोक्ता अनमीटर्ड हैं. राजधानी रांची में 37 % अनमीटर्ड हैं. पूरे राज्य में डिफेक्टिव मीटर की संख्या 9,40,829 है.

17 % तक लॉस लाने का लक्ष्य : झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 17 % तक लाइन लॉस लाने का लक्ष्य रखा है. लाइन लॉस का राष्ट्रीय औसत 24 प्रतिशत है. वित्तीय वर्ष 2024-25 में 18 प्रतिशत तक लाइन लॉस लाने का लक्ष्य है.

- रांची के भी हालात बहुत बेहतर नहीं
- सबसे अधिक बिजली का नुकसान डालटनगंज में
- नियामक आयोग को सौंपे टैरिफ पिटीशन में दी है जानकारी

किस जिले में कितने अनमीटर्ड (प्रतिशत में)

जिला/सर्किल	अनमीटर्ड का प्रतिशत
चाईबासा	32
चास	69
डाल्टनगंज	61
देवघर	52
धनबाद	40
दुमका	53
गिरिडीह	64
गढ़वा	79
गुमला	36
हजारीबाग	46
जमशेदपुर	20
कोडरमा	50
रामगढ़	43
रांची	37
साहिबगंज	52

किस जिले में कितने प्रतिशत बिजली का नुकसान

जिला/सर्किल	नुकसान का प्रतिशत
चाईबासा	32.94
चास	29.40
डालटनगंज	4.34
देवघर	32.42
धनबाद	32.86
दुमका	14.05
गढ़वा	0.30
गिरिडीह	4.65
हजारीबाग	22.05
जमशेदपुर	19.68
कोडरमा	24.77
रामगढ़	17.83
रांची	29.72
साहेबगंज	27.75

किस जिले की कितनी है बिलिंग एफिसियेंसी

जिला/सर्किल	बिलिंग एफिसियेंसी का प्रतिशत
देवघर	67
साहेबगंज	32
रांची	70
जमशेदपुर	80
गिरिडीह	95
कोडरमा	75
धनबाद	67
चाईबासा	67
दुमका	86
गुमला	80
गढ़वा	100
चास	71
हजारीबाग	78
डाल्टनगंज	56

राजरंग

बाबा के हरियरी सुझल बा जय हो फाटक बाबा की

जय हो बड़की पार्टीवाले फाटक बाबा की. ए घरी फाटक बाबा के मिजाज खूब हरियर बा. पार्टी ऑफिस में लकड़ी की कुरसी कुरसी पर बाबा बइठल-बइठल कर रहे खेला. इंटनेट के 5 जी स्पीड का असली आनंद तो फाटके बाबा उठा रहे हैं. अब पता चल गया है कि फाटक बाबा अकेले में मोबाइलवा पर का-का देख के हंसते-मुस्कुराते रहते हैं. पार्टी के वाट्स एप ग्रुप में जब फाटक बाबा अपना पार्टी के बड़का नेता के बारे में कुछ सूचना दे रहे थे, तभिए बड़ा नेताजी के फोटो के साथे तीन गो हसीन बालाओं के फोटो भी ग्रुप में सरका दिए. अचानके बाबा का नजर पड़ा, तो अकबका गए. फुसफुसाए..अरे बाप रे...इ हम का कर दिए. हरियरीवाला पोलै खुल गया. जल्दी से फिर तीनो हसीनाओं के फोटुवा को ऑल सेलेक्ट कर डिलिट दबा दिए. लेकिन ग्रुपवा में भी कुछ चौकड़ी वाला जमात टकटकी लगाइले था. आखिर मिलिए गया मौका. इधर फाटक बाबा हरियरी वाला फोटुवा डाले, ओने चौकड़ी ग्रुप दनादान स्क्रीन शॉट उतार दिया. पार्टी के दूसरो ग्रुप में बाबा का हरियरी वाला स्क्रीन शॉट भेज दिया. वइसे फाटक बाबा को इ सब से फर्क नहीं पड़ता है. मुस्काते हैं, बुदबुदाते हैं अरे फोटुवे न था, कोई सचे-मुचे वाले का थोड़े न था. ज्यादा होगा तो रोवे लगेंगे... टपरा बहा केबच जाएंगे.

हे डॉक्डर बाबू बतायीं दवाई...अरे रे-रे.. कहां से आइल एतना माल रे भाई, तनी हमरो बताईं...

बिहार में एगो कंपाउंडर बाबू हैं. मरहम-पट्टी तो करते ही हैं, दवाइयो के बारे में बता देते हैं. एक बड़कावाली मैडम जी का सिर पर हाथ है. इसलिए कंपाउंडर साहेब तनि ज्यादा ही फुदुक रहे हैं. लोग भी देखते हैं कि मैडम जी का सिर पर हाथ है, मैडम जी के चहेते हैं, तो उन्हें डॉक्डर साहेब पुकारते हैं. मैडम जी झारखंड कैडर की है. कुछे दिन की क्रीम पोस्टिंग में लगता है कि मैडम जी के पास आवक ज्यादा हो गया है. अब आवक ज्यादा, तो उसको कहीं न कहीं ठिकाने लगाना ही था. काहे कि ईडी-उडी की भी डर आजकल सताता रहता है. तो मैडम जी ने आवक का एक बड़का हिस्सा बिहार में इन्वेस्ट कर दिया. डॉक्डर साहेब के नाम पर किया. डॉक्डर साहेब मजे में हैं, खूब चक्कलस है, भावे बढ़ल है. लेकिन कंपाउंडर..नन डॉक्डर साहेब को जाननेवाले उनसे पूछ रहे हैं हे डॉक्डर बाबू बातायीं दवाई, कइसे आ गइल एतना माल रे भाई. अब जइसे ही लोग उनके सामने ईडी-ऊडी की बातें करे लगेते हैं, डॉक्डर बाबू हांफे लगते हैं. जाड़ो के दिन में पसीना से तर-बत्तर हो जा रहे हैं.

मेहरारू के चक्कर में फंस जा रहे वर्दी वाले साहेब, कभी सैलानी, तो कभी पड़ोसन...

झारखंड के बड़े-बड़े अफसरों की एक से बढ़ कर एक करतूतें हैं. खाकी वर्दी वाले एगो साहेब इन दिनो ज्यादा चर्चा में है. इधरे कहीं कोयला बेचेवाली कंपनी क्वार्टर बनाइले है, उहे कॉलोनिया में एक बंग्ला मिला है. लेकिन पति बड़का वाले अफसर हैं, तो मेमसाहिबा तो शेखी बघारेंगी ही न. अब मेम साहिबा को कॉलोनी में ही पड़ोसन से झगड़ा हो गया. पड़ोसन भी कम न थीं. मेम साहिबा को चहेट डालीं. ऐसी-तैसी की, तो मेम साहिबा तिलमिलि गईं. पति देव घर पधारे, तो मेम साहिबा ने पड़ोसन की शिकायत की. फिर क्या था, खाकीवर्दी वाले साहेब पड़ोसन से उलझ गए. उ तो दूसरे पड़ोसी लोगों ने बीच-बचाव किया, तो मामला सलटा. वइसे इहे खाकी वर्दी वाले साहेब एकबार जल का प्रपात देखने ग्रामीण क्षेत्रे गए, तो महेरारू को अपना पावर देखावे के चक्कर में एक शरीफ व्यक्ति से उलझ गए. बटे के सामने उन्हे बेइज्जत किया व कराया. मामले की जांच चल रही है, लेकिन साहेब अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे. वर्दी का रुआब झाड़िए दे रहे हैं.

चिराग पासवान ने रामगढ़ में मां छिन्नमस्तिका का किया दर्शन, बोले-

लोकसभा की 400 सीटें जीतेगा एनडीए

संवाददाता। रांची

लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष व जमुई के सांसद चिराग पासवान शनिवार को रांची पहुंचे. यहां से चिराग रामगढ़ के लिए रवाना हुए. जहां रजरप्पा में मां छिन्नमस्तिका मंदिर में पूजा अर्चना की. एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत के दौरान चिराग ने कहा कि तीन राज्यों में भाजपा को मिला प्रचंड बहुमत यह बताता है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन की सरकार बनने जा रही है. एनडीए 400 सीटें जीतने जा रहा है.

वहीं राज्यसभा सांसद धीरज साहू के विभिन्न ठिकानों पर हुए आईटी रेड को लेकर चिराग ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में किसी भी भ्रष्टाचारी को छोड़ा नहीं जाएगा. हाजीपुर लोकसभा संसदीय सीट पर चिराग ने लोजपा (आर) की दावेदारी ठोकी है. एयरपोर्ट पर झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में लोजपा (आर) के कार्यकर्ताओं ने चिराग का स्वागत किया.

रांची पहुंचे लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान.

राय लेकर झारखंड में संगठन लेगा निर्णय

वहीं झारखंड में विधानसभा चुनाव और लोजपा की भूमिका पर चिराग ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ताओं का जो भी निर्णय होगा, उस पर विचार करेंगे. इसके बाद ही झारखंड के विधानसभा चुनाव में लोजपा चुनावी मैदान में उतरेगी.

नीतीश की झारखंड में दाल नहीं गलेगी

नीतीश कुमार के झारखंड दौरे को लेकर चिराग ने कहा कि उनकी दाल बिहार में ही नहीं गलेगी, झारखंड तो दूर की बात है. नीतीश भले ही झारखंड आ रहे हैं, लेकिन इसका असर यहां की जनता के ऊपर नहीं पड़ने वाला है. जबकि टीएमसी की सांसद महुआ मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित किए जाने सवाल पर चिराग ने कहा कि संसद की गरिमा को जो भी भंग करेगा, उस पर कार्रवाई जायज है.

बांटा गया 267 कंबल

रांची। आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में शनिवार को नगर निगम के वार्ड 25 तथा 26 में शिविर का आयोजन किया गया. जिसमें निगम की सेवाओं के लिए आवेदन लिया गया तथा शिकायतों का ऑन स्पॉट निबटारा किया गया. दोनों शिविर में 83 आवेदनों का निबटारा ऑन द स्पॉट किया गया. इसके साथ गरीबों के बीच 267 कंबल बांटे गए.

50 वर्षों से अनवरत सेवा प्रदान कर रहा है / अंजुमन इस्लामिया अस्पताल, रांची

विशेषताएं : अंजुमन इस्लामिया अस्पताल रांची पिछले पच्चास वर्षों से सेवा प्रदान कर रहा है और तेजी से उन्नति करता हुआ शहर के बीच में एक 120 बेडेड अस्पताल है, जो आधुनिक सुविधाओं से लैस है। यहां विभिन्न सुविधाओं में खास कर गायक्नोलॉजी, जेनरल मेडिसीन, जेनरल सर्जरी, लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, पीडियाट्रिक, ऑर्थो (हड्डी रोग) डर्मेटोलॉजी (चर्म रोग), दांत, अल्ट्रासाउंड, Physiotherapy, ICU, NICU डायलिसिस, ईसीजी, ईको, डिजिटल एक्सरे, पैथोलॉजी, 24x7 इमरजेंसी, एम्बुलेंस और कैंटीन की सुविधाएं कम से कम दर में उपलब्ध हैं।

इस अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना के तहत विभिन्न प्रकार के उच्च स्तरीय इलाज किये जाते हैं।

यहां पर तीन बड़े आधुनिक ऑपरेशन थिएटर और दो छोटे ऑपरेशन थिएटर हैं, जहां सारे ऑपरेशन आधुनिक पद्धति से निम्न दर में किये जाते हैं।

इस अस्पताल में लगभग 100 कर्मचारी हैं, जिन्हें आवश्यकतानुसार विभागीय ट्रेनिंग दी जाती है।

इस अस्पताल में लगभग 30 एक्सपर्ट डॉक्टर सेवा प्रदान करते हैं। इसके अलावा मैनेजमेंट के लोग निःस्वार्थ अपना बहुमूल्य समय और सेवा प्रदान करते हैं।

इस अस्पताल के भविष्य के लिए कई योजनाएं हैं, जिसमें खास कर नाक-कान-गला विभाग, नेत्र विभाग, ब्लड बैंक एवं नर्सिंग कॉलेज इत्यादि हैं।

अस्पताल परिसर के विस्तार के क्रम में नये भवन का निर्माण कार्य चल रहा है, जिसमें ओ. पी. डी और विभिन्न प्रकार सुविधाएं बढ़ायी जायेंगी। अस्पताल की अपनी दो एम्बुलेंस, एक कार्डियक एम्बुलेंस और एक मय्यत वैन (शव वाहन) है, जो जरुरतमंदों को निम्न दर पर उपलब्ध करायी जाती है।

Advt.

कार्यक्रम मुख्यमंत्री ने खुद ही सरकार आपके द्वार अभियान की कमान संभाल रखी है

22 दिन में 22.91 लाख आवेदन आए, 4.45 लाख निष्पादित

कौशल आनंद। रांची

हेमंत सरकार की महत्वाकांक्षी आपकी योजना-आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का तीसरा चरण राज्य में जारी है. 15 नवंबर को सीएम हेमंत सोरेन ने रांची से तीसरे चरण का शुभारंभ किया. इसका मकसद सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना है.

इस अभियान में सीएम ने न केवल खुद को झोंक दिया है, बल्कि शहरी क्षेत्र में नगर निगम और गांवों में पंचायत, प्रखंड तक कैंप लगाए जा रहे हैं. इस अभियान की कमान खुद सीएम ने संभाल रखी है. एक-एक दिन के आए आवेदन और उसपर कार्यवाही पर खुद नजर बनाए हुए हैं. सीएम हेमंत सोरेन का स्पष्ट निर्देश है कि वे इस अभियान में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे. इस कारण इसे लेकर राज्य से लेकर नीचे स्तर तक के अफसर काफी गंभीरता से इस अभियान में जुटे हैं. 7 दिसंबर को तीसरे चरण केअभियान के कुल 22 दिन हो चुके हैं. इन 22 दिनों में पूरे राज्य में कुल 22,91,224 आवेदन आये हैं, जिनमें से 4,45,483 मामले निष्पादित किए जा चुके हैं. जबकि शेष बचे 15,45,851 प्रक्रियाधीन है.

खास बातें

- एक-एक दिन और एक-एक आवेदन की करा रहे हैं मॉनिटरिंग
- सबसे अधिक आवेदन अबुआ आवास योजना के आए

तीसरे चरण की प्रगति पर एक नजर

तीसरे चरण का शुभारंभ	15 नवंबर
7 नवंबर तक आये कुल आवेदन	22,91,334
कुल मामले हुए निष्पादित	4,45,453
प्रक्रियाधीन	15,45,851
कुल परिसंपत्ति वितरण	15,41,945 करोड़ रुपये की
डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर	29,05,04,188
कुल कैंप आयोजित	2,656

अबुआ आवास योजना के सबसे अधिक आवेदन

सरकार आपके द्वार अभियान के कैंपों में सबसे अधिक मामले-आवेदन सरकार की नई अबुआ आवास योजना के आये हैं. इस योजना के तहत कुल 12,11,160 आवेदन आये, वहीं सबसे कम अबुवा वीर दिशोम अभियान के तहत मात्र एक ही आवेदन आया.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रविवार, 10 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 13, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 232 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

वार-पलटवार: झामुमो प्रवक्ता ने कहा-बात-बात में सीएम का इस्तीफा मांगना बंद करें भाजपा नेता, हमारी सरकार किसी की कृपा से नहीं चल रही

आईटी रेड विभाग का रूटीन वर्क, मगर भाजपा के पेट में दर्द क्यों: सुप्रियो भट्टाचार्य

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने शनिवार को कहा कि छापेमारी आईटी विभाग का यह रूटीन वर्क है. इससे पहले किसी उद्योगपति के यहां छापेमारी नहीं हुई है क्या? पैसा कहां से आया? किसका पैसा है? आईटी द्वारा यह सब पता लगा लिया जाएगा. भाजपा वालों के पेट में क्यों दर्द हो रहा है.

सुप्रियो ने सांसद धीरज साहू प्रकरण पर अपनी बातों को रखा और भाजपा पर जम कर पलटवार किया. सुप्रियो भट्टाचार्य ने इससे आगे कहा कि भाजपा के दफ्तर पूरी स्क्रिप्ट लिखी जाती है, फिर कार्रवाई केंद्रीय एजेंसियों से कराई जाती है.

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा- बाबूलाल मरांडी सब कुछ जानते हैं

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा, आईटी रेड को लेकर कई प्रकार की बातें हो रही हैं. इस मामले में जब तक आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आ जाती, तबतक कुछ भी कहना जल्दबाजी है. मगर भाजपा वाले लगातार अनाप-शनाप बोल रहे हैं. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी पर निशाना साधते हुए सुप्रियो ने कहा कि किसका-किसका पैसा है, यह बाबूलाल मरांडी को पता है, ऐसा लगता है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री संवैधानिक दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं. संसद सत्र चल रहा है. लेकिर वो अखबारों में प्रकाशित खबर को पोस्ट करते और भाजपा के सारे नेता डमरू लेकर शुरू हो जाते हैं. राजनीति रंग देने के लिए प्रकरण पर जबरदस्ती बयानबाजी की जा रही है, यह गलत है. आईटी जांच चल रही है, रिपोर्ट के बाद सब कुछ सामने आ जाएगा.

सीएम का इस्तीफा मांगना बेतुका : सुप्रियो ने कहा कि बाबूलाल जी कहते हैं कि सीएम हेमंत सोरेन को इस्तीफा दे देना चाहिए. ऐसे में तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी इस्तीफा दे देना चाहिए, क्योंकि उनके साथ प्रफुल्ल पटेल हैं. क्या बेतुका बात है. तब तो प्रधानमंत्री को भी इस्तीफा दे देना चाहिए. क्योंकि, उनके साथ प्रफुल्ल पटेल हैं. सुप्रियो ने कहा कि हेमंत सोरेन राज्य की जनता की कृपा से सीएम बने हैं.

धीरज साहू को गिरफ्तार कर केस ईडी को सौंपा जाए: सीपी

रांची । कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू के ठिकानों से 300 करोड़ रुपये से अधिक बरामद होने के मामले में झारखंड भाजपा के सांसदों और विधायकों ने

कांग्रेस पर हमला बोला है. प्रदेश भाजपा के निर्देश पर रांची विधायक सीपी सिंह ने रांची के महानगर भाजपा कार्यालय और जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस को सीएम हेमंत सोरेन को घेरा. धनबाद में विधायक राज सिन्हा और गोड्डा में विधायक अमित मंडल ने भी इस मुद्दे पर प्रेस कांफ्रेंस कर कांग्रेस को घेरा और सीएम हेमंत सोरेन का इस्तीफा मांगा.रांची में अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में विधायक सीपी सिंह ने धीरज साहू को गिरफतार कर इस केस को ईडी को सौंपने की मांग की. उन्होंने धीरज साहू की संसद की सदस्यता खत्म करने की मांग की. उन्होंने कहा कि इस पूरे में राज्य सरकार की भी भूमिका की भी जांच होनी चाहिए.

देश में भ्रष्टाचार के कीर्तिमान स्थापित कर रही कांग्रेस : सीपी सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश में भ्रष्टाचार के नये कीर्तिमान स्थापित कर रही है. उसके डीएनए में ही भ्रष्टाचार है. देश के इतिहास में पहली बार किसी छापेमारी में रिकॉर्ड नगद राशि की बरामदगी हुई है. कांग्रेस के नेता भ्रष्टाचार की प्रतियोगिता में लगे हैं. सीपी सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने यह पैसे जरूर तीन राज्यों के चुनाव में विधायकों की खरीद फरोख्त और रिसार्ट पॉलिटिक्स के लिए रखा होगा. इसमें हेमंत सोरेन की भी हिस्सेदारी है. इस पूरे प्रकरण में झारखंड भी शर्मसार हुआ है.

ब्रीफ खबरें

सीएम ने शहीद रामदेव महतो को श्रद्धांजलि दी

रांची। जमशेदपुर के मानगो में अपराधियों से लोहा लेते शहीद हुए जवान रामदेव महतो को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने श्रद्धांजलि दी है. सीएम ने ट्विट कर कहा कि झारखंड पुलिस के वीर जवान रामदेव महतो की शहादत को शत-शत नमन. परमात्मा दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दे. घटना में शामिल कोई भी अपराधी बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें गिरफ्तार कर सख्त से सख्त सजा दी जाएगी.

ड्रॉप आउट रोकने के लिए होगा बच्चों का सर्वे

रांची। सरकारी शिक्षक स्कूलों में मौजूद शिशु पंजी को अपडेट करने के लिए स्कूल क्षेत्र में पड़ने वाले इलाकों में 3 से 18 वर्ष के बच्चों का सर्वे करेंगे. टोले-मुहल्ले में कितने बच्चे हैं. इनमें किस आयु वर्ग के कितने बच्चे स्कूलों में पढ़ रहे हैं, कितने बच्चे ड्रॉप आउट हैं और कितने बच्चों का एडमिशन में नहीं है, इसे नोट किया जाएगा. हर साल नामांकन की स्थिति और ड्रॉप आउट दर की स्थिति से अवगत होने के लिए शिशु पंजी को अपडेट किया जाता है, ताकि स्कूल से बाहर रहने वाले बच्चों की पहचान हो सके और ड्रॉप आउट के कारणों का पता चले सके.

निर्वाचन पदाधिकारी ने किया बूथों का निरीक्षण

चाईबासा। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने शनिवार को पश्चिमी सिंहभूम जिला के चाईबासा और नोवामुंडी में बूथों का निरीक्षण किया. उन्होंने नोवामुंडी टाटा स्टील टाउनशिप एरिया तथा चाईबासा नगर परिषद स्थित बूथों का भ्रमण कर बूथ पदाधिकारी तथा सुपरवाइजर के कार्यों का निरीक्षण किया. इस क्रम में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने शिफ्ट हो चुके मतदाताओं का नाम निर्धारित प्रक्रिया के तहत सूची से हटाने और वहां रहने वाले कर्मचारियों का नाम सूची में जुड़वाने के लिए विशेष कैंप लगाने का निर्देश दिया.

जरूरतमंद तक पहुंचे केंद्र की योजनाएं

रांची। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को देशभर के विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभुकों से ऑनलाइन संवाद किया. रांची के प्रदेश भाजपा मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी समेत कई नेताओं ने संवाद कार्यक्रम को ऑनलाइन देखा. कार्यक्रम के बाद बाबूलाल मरांडी ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा विकसित भारत के लिए मोदी की गारंटी की यात्रा है. यह गांव, गरीब, किसान, मजदूर, महिला, युवा सभी के साथ भारत को श्रेष्ठ भारत बनाने का संकल्प है.

गोविंदपुर में पीसीसी पथ का शिलान्यास

गोविंदपुर। शनिवार को महुबनी 1 पंचायत अंतर्गत डुमरियाटांड़ से निचितपुर तक करीब 3000 फीट पीसीसी पथ का शिलान्यास जिप सदस्य सोहराब अंसारी एवं पूर्व मुखिया गुल्लू अंसारी ने किया. उन्होंने कहा कि डीएमएफटी से क्षेत्र का विकास किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि इस सड़क के जर्जर रहने से ग्रामीणों को आवाजाही में भारी परेशानी हो रही थी. इस पथ का निर्माण पूर्ण हो जाने से ग्रामीणों को आने-जाने में सुविधा होगी.

प्रदूषण की मार : झारखंड की नदियों के 100 मिलीलीटर पानी में मिले 1600 वैक्टीरिया

ऑक्सीजन तेजी से हो रही कम

रवि भारती। रांची

झारखंड में भू-गर्भ जल के साथ नदियों का पानी भी प्रदूषित हो रहा है. प्रदूषण के कारण प्रदेश की प्रमुख नदियों के पानी में तेजी से ऑक्सीजन की मात्रा में कमी होती जा रही है. तीन महीने पहले ऑक्सीजन की कमी के कारण गेतलसूद डैम में काफी संख्या में मछलियां मर गई थीं. झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने एक दर्जन से अधिक जगहों से नदियों पानी के सैंपल की जांच की थी. जांच में पाया गया है कि पानी में ऑक्सीजन की मात्रा कम होते जा रही है. हैरान करने वाली बात यह है कि 100 मिली लीटर पानी में 1600 से अधिक बैक्टीरिया हैं.

यह नदियों के आसपास रहने वालों के लिए भी खतरनाक है. सिर्फ तिलैया और चांडिल डैम का पानी साफ पाया गया है.

पीएच मानक भी पानी में काफी अधिक : जांच में यह भी बात सामने आई है कि नदियों के पानी का पीएच मानक सामान्य से काफी ज्यादा अधिक है. आइएसओ की रिपोर्ट के मुताबिक, जिस पानी का पीएच सात से अधिक होता है, वह पीने के लिए स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से अच्छा नहीं होता है. पीएच लेवल सात हो जाने पर पीने के पानी का अम्ल और क्षार दोनों नष्ट हो जाता है.

नदी, जांच स्थल और बीओडी का मानक (मिलीलीटर ग्राम)

नदी का नाम	किस जगह	जांच वर्तमान बीओडी	बीओडी का मानक
गर्गा-तलमच्चो	तलमच्चो ब्रिज	4.2 मिग्रा प्रति लीटर	3 मिग्रा प्रति लीटर से कम
स्वर्णरेखा	नामकुम ब्रिज	3.2 मिग्रा प्रति लीटर	3 मिग्रा प्रति लीटर से कम
स्वर्णरेखा	टाटीसिल्वे	3.3 मिग्रा प्रति लीटर	3 मिग्रा प्रति लीटर से कम
स्वर्णरेखा	जमशेदपुर	7.0 मिग्रा प्रति लीटर	3 मिग्रा प्रति लीटर से कम
जुमार	कांके	3.1 मिग्रा प्रति लीटर	3 मिग्रान प्रति लीटर से कम
शंख	बोलवा सिमडेगा	2.1मिग्रा प्रतिलीटर	3 मिग्रा प्रति लीटर से कम
स्वर्णरेखा	गेतलसूद	2.7 मिग्रा प्रति लीटर	3 मिग्रा प्रति लीटर से कम
स्वर्णरेखा	मूरी रोड ब्रिज	2.6 मिग्रा प्रति लीटर	3 मिग्रा प्रति लीटर से कम
नलकरी	पतरातू	2.9 मिग्रा प्रति लीटर	3 मिग्रा प्रति लीटर से कम

इन जगहों का पानी जानवरों और मछिलयों के लिए सुरक्षित नहीं

जगह	बीओडी की मात्रा मानक से अधिक
तलमच्चो ब्रिज(गर्गा)	4.2 मिलीग्राम प्रति लीटर
बोलवा सिमडेगा(शंख)	2.1 मिलीग्राम प्रति लीटर
हटिया डैम	1.9 मिलीग्राम प्रति लीटर
नामकुम (स्वर्णरेखा)	3.2 मिलीग्राम प्रति लीटर
टाटीसिल्वे (स्वर्णरेखा)	3.3 मिलीग्राम प्रति लीटर
गेतलसूद डैम	2.7 मिलीग्राम प्रति लीटर
मूरी रोड(स्वर्णरेखा)	2.6 मिलीग्राम प्रति लीटर
जमशेदपुर (स्वर्णरेखा)	7.0 मिलीग्राम प्रति लीटर
धनबाद (दमोदर)	2.0 मिलीग्राम प्रति लीटर
कांके डैम (जुमारर)	3.1 मिलीग्राम प्रति लीटर
पतरातू डैम (नलकरी)	2.9 मिलीग्राम प्रति लीटर

- बायोलॉजिकल डिमांड भी हो गया है अधिक
- सिर्फ तिलैया और चांडिल डैम का पानी है साफ

जानवरों और मछलियों के लिए बीओडी का मानक 1.2 मिलीग्राम प्रति लीटर से कम होना चाहिए.

मछलियों और जानवरों के लिए भी पीने लायक नहीं है पानी

जिन नदियों के पानी का सैंपल लिया गया था वहां का पानी जानवरों और मछलियों के लिए भी सुरक्षित नहीं है. जानवरों और मछलियों के लिए पानी में बायलॉजिकल ऑक्सीजन डिमांड की मात्रा 1.2 मिलीग्राम से कम होनी चाहिए. जबकि झारखंड की नदियों में इसकी मात्रा सात मिलीग्राम प्रति लीटर से लेकर 1.5 मिलीग्राम प्रति लीटर तक है. इसकी वजह से काफी संख्या में मछलियां मर रही हैं. जानवरों को भी कई तरह की बीमारियां हो रही हैं. इसकी तरफ किसी का ध्यान नहीं है.

धनबाद-जमशेदपुर में प्रशासनिक तैयारियां पूरी

उपराष्ट्रपति का झारखंड दौरा आज

संवाददाता। धनबाद/रांची

आईआईटी आईएसएम के दीक्षांत समारोह में रविवार को होंने वाले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के कार्यक्रम को लेकर शनिवार को मेगा स्पोर्ट्स कंम्पलेक्स में उपायुक्त वरुण रंजन और एसएसपी संजीव कुमार ने दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिस बल के साथ बैठक की. उपायुक्त ने कहा महामहिम के आगमन को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. जिस रूट से महामहिम आएंगे वहां पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था रहेगी. प्रतिनिक्त सभी अधिकारी अपने अपने काम को लेकर अलर्ट रहेंगे. किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. उन्होंने बताया कि हैलीपैड की भी सारी व्यवस्था दुरुस्त कर ली गई है. जमशेदपुर में कार्यक्रम के बाद धनकड़ धनबाद पहुंचेंगे. वहां से रांची लौट कर दिल्ली चल जाएंगे.

शाम को मॉक ड्रिल एवं ट्रायल लैंडिंग का काम पूरा किया जा चुका है. साथ आईआईटी आईएसएम के कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया गया है. वहीं शहर की साफ - सफाई, रोड की मरम्मत एवं स्ट्रीट लिाट की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली गई है. सिविल सर्जन, एसएनएमएमसीएच, सीएचसी गोविंदपुर /निरसा को अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश दिया गया है. उन्होंने कहा कार्यक्रम में बिना आई कार्ड के प्रवेश नहीं मिलेगा. सभी पदाधिकरी कमांड के आधार पर कार्य करेंगे. कारकेट के बीच में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो, इसका ख्याल रखें. रूट मैप के अनुसार सड़कों पर वाहनों की पार्किंग न रहने तथा कुछ स्थलों पर वाहनों की नोइंट्री रखने का निर्देश दिया है. मौके पर सिटी एसपी, रूरल एसपी, डीएसपी, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर, परिवहन पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल, सिविल सर्जन,धनबाद अग्निशमन पदाधिकारी, धनबाद, कार्यपालक अभियंता/ संबंधित अभियंता आदि मौजूद रहे.

धनबाद में उपराष्ट्रपति के कार्यक्रम को लेकर जरूरी दिशानिर्देश देते उपायुक्त व एसएसपी और बैठक में उपस्थित वरीय पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी व अन्य.

दौरा कार्यक्रम

- पहले जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के समारोह में होंगे मुख्य अतिथि
- धनबाद आईआईटी के दीक्षांत समारोह में करेंगे शिरकत

रांची में एसएसपी ने की बैठक, दिए निर्देश

उपराष्ट्रपति की झारखंड की यात्रा को लेकर एसएसपी चंदन सिन्हा ने शनिवार को एयरपोर्ट में ब्रीफिंग की. इसे लेकर पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये. सुरक्षा चाक-चौबंद रहेगी.

उपराष्ट्रपति करेंगे तीन शहरों का दौरा

उपराष्ट्रपति बनने के बाद धनखड़ का यह झारखंड का प्रथम दौरा है. पहले वो रांची से जमशेदपुर पहुंचेंगे, जहां वह जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के समारोह में मुख्य अतिथि होंगे. फिर आईआईटी धनबाद के 43वें दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि बनेंगे.

लोहरदगा जेल में डीसी एसपी ने की छापेमारी

लोहरदगा। लोहरदगा मंडल कारा में शनिवार सुबह डीसी वाघमारे प्रसाद कृष्ण और एसपी हारिस बिन जमां के नेतृत्व में छापेमारी की गयी. इस दौरान प्रशासन की टीम ने जेल के कैदी वार्डों की गहनता से जांच की. करीब एक घंटे तक चली छापेमारी के दौरान जेल से 16 हजार रुपये नगद बरामद हुए.

हालांकि जांच में जेल से कोई भी आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं हुआ. छापेमारी से जेल में हड़कंप मच गया. इस दौरान डीसी और एसपी ने जेलर और जेल कर्मियों को कई दिशा निर्देश दिये. वहीं एसपी ने सुरक्षा के बिंदुओं पर जेल कर्मियों से जानकारी ली. और सुरक्षा मजबूत करने का निर्देश दिया.

एसपी ऑफिस के सामने धरने पर बैठी युवती

- बोली- हमें न्याय दो या इच्छामृत्यु
- जबरन गर्भपात की शिकार स्नेहा ने आईओ पर लगाया तथ्यों को छुपाने का आरोप

संवाददाता। बोकारो

पेट पर लात मार कर जबरन गर्भपात कराने और प्रताड़ना के मामले में न्याय नहीं मिलने पर कसमार प्रखंड के खैराचातर की युवती स्नेहा शनिवार को बोकारो एसपी के कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गई. उसके हाथ में 'न्याय दो या इच्छा मृत्यु' लिखी तख्ती है.

खैराचातर निवासी मधुसूदन डे की पुत्री स्नेहा ने बेरमो महिला थाना में अपने पति सूरज दत्ता व ससुराल के अन्य सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज कराने, जान मारने की कोशिश, अप्राकृतिक यौन शोषण व दहेज का मामला दर्ज है. स्नेहा का आरोप है कि पुलिस उसके साथ न्याय नहीं कर रही. आईओ सरिता गाड़ी उसके ससुराल वालों की मदद कर रही. तथ्यों को छिपाने का आरोप लगाया है.

एसपी ऑफिस के बरामदे में धरना.

पति पर लगाया अप्राकृतिक यौनाचार का आरोप : एसपी ऑफिस के बरामदे में धरना पर बैठी स्नेहा ने आरोप लगाया कि उसका पति चास के सुखदेव नगर निवासी सूरज दत्ता बंद कमरे में उसके साथ जानवरों जैसा सलूक करता था. जबरन अप्राकृतिक यौन संबंध बनाता था. मुंह में कपड़ा ठूंस कर जान से मारने की धमकी देता था. ससुराल के लोग दहेज के लिए अक्सर प्रताड़ित करते थे.

आईओ को बदल दिया गया है : एसपी

मामला अभी अनुसंधान में है. आईओ को बदल दिया गया है. एसडीपीओ को जांच के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया है.

प्रियदर्शी आलोक, एसपी बोकारो.

बेनामी संपत्ति का स्रोत क्या है: धर्मेंद्र प्रधान

बहरागोड़ा। ओडिशा में शराब निर्माता कंपनियों के यहां छापे में आयकर विभाग को 250 करोड़ रुपये से अधिक धनराशि मिलने के बीच केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को शराब कारोबारियों से जब्त की गयी इस का स्रोत जानना चाहा. प्रधान ने कहा कि यह चिंता का विषय है कि इतनी बेनामी रकम बरामद हुई है. उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ओडिशा, बंगाल और झारखंड के कुछ लोगों का इस रकम से संबंध बताया जा रहा. इस संपत्ति का स्रोत कहां है? मामले की सच्चाई क्या है? क्या ओडिशा के कुछ लोगों का इस धनराशि से संबंध है? उन्होंने उन कुछ लोगों की चुप्पी पर सवाल उठाया, जो ईमानदारी का ढ़ोल पीटते हैं.

डटे रहे संजय, सफल हुआ आंदोलन, मिला मुआवजा

अस्पताल प्रबंधन शनिवार को परिजनों को चेक सौंपते हुए.

संवाददता। हजारीबाग

मसीपीढ़ी स्थित एके सनशाइन हॉस्पिटल में विगत दो दिसंबर को इलाज के दौरान पदमा प्रखंड के नावाडीह निवासी मनोज मेहता (50) की मौत हो गई थी. ग्रामीणों एवं परिजनों ने डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया था. वहीं, परिजनों ने गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाते हुए अस्पताल में हंगामा कर दिया. परिजन डॉक्टर की गिरफ्तारी एवं अस्पताल को सील करने और मुआवजे की मांग कर रहे थे.

आंदोलन और विरोध के बाद अस्पताल प्रबंधन के प्रतिनिधि द्वारा मृतक के परिवार को दो लाख 50 हजार रुपया का चेक दिया गया. साथ ही 50 हजार की राशि जनसहयोग द्वारा परिजनों को दी गई. इस मामले को लेकर 6 दिसंबर से ही बरही विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी संजय मेहता के नेतृत्व में वार्ता चल रही थी. शुक्रवार को आठ घंटे चली लंबी वार्ता के बाद शनिवार को परिजनों को मुआवजा सौंपा गया. परिवार को राहत दिलाने में संजय मेहता के अलावा कई अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं का योगदान रहा.

मिली राहत

- मृतक के परिवार को मिला तीन लाख रुपये मुआवजा
- एके सनशाइन हॉस्पिटल में अधेड़ की मौत का मामला

संजय ने शुरू किया विरोध, जुटते गए लोग

पीड़ित परिवार को राहत दिलाने के लिए जब संजय मेहता ने विरोध शुरू किया, तो कई अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं जुटते चले गए. इसमें जेबीकेएसएस के राजदेश रतन, सूरज कुमार, उदय मेहता, महेंद्र प्रसाद, विनय मेहता, आर्यकांत मेहता, गौतम, सिकेन्द्र, मंटू, कुणाल, संदीप, मुखिया विजय, बप्पी करण, पूनम यादव, मनीषा टोप्पो, अविनाश यादव, टिंकू यादव, सोनू कुमार, सकलदेव कुमार, पप्पू मेहता, रंजीत कुमार, संजय महतो, संदीप पासवान, महेश मेहता, धनेश्वर मेहता,सुजीत कुमार, कुलदीप मेहता, समेश कुमार, प्रमोद कुमार, रोहित कुमार, रामचरित्र मेहता, दिलीप मेहता का सराहनीय योगदान रहा.

एसएनएमएमसीएच : बाहर से दवा खरीदने में मरीजों को खर्च करने पड़ रहे हजारों रुपये

थैलेसीमिया पीड़ितों की दवा 10 माह से खत्म, बढ़ी परेशानी

संवाददाता ।धनबाद

शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में थैलेसीमिया पीड़ित मरीजों को डेजीरॉक्स नामक दवा दी जाती है, लेकिन वह भी बीते 10 माह से खत्म है. दवा नहीं मिलने से मरीजों की परेशानी बढ़ गई है. यह स्थिति तब बनी है, जब मरीजों को दवा के लिए मेडिकल अस्पताल के पास पर्याप्त फंड है.

बताते चलें कि थैलेसीमिया से पीड़ित मरीज के शरीर में हीमोग्लोबिन बनना बंद हो जाता है. इससे मरीज के शरीर में खून की कमी होने लगती है और ब्लड का स्तर इतना कम हो जाता है कि मरीज को ब्लड चढ़ाने की नौबत आ जाती है. इस स्थिति से बचाने के लिए सिप्ला डेजीरॉक्स 250 व 500 एमजी की दवा मरीज को उम्र के अनुसार चिकित्सक देते हैं. बाहर से दवा खरीदने में परिजनों को 900 से एक हजार रुपए तक खर्च करने पड़ रहे हैं. मरीज को एक टैबलैट रोज खानी होती है.

खास बातें

- अस्पताल प्रबंधन का दावा, जल्दी ही मिलने लगेगी दवा
- टेंडर में देरी से मरीजों को हो रही दिक्कत, हो रहा प्रयास

थैलेसीमिया मरीजों को दी जाने वाली दवा खत्म है. जल्द से जल्द दवा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है. टेंडर की प्रक्रिया पूरी होते ही दवा उपलब्ध करा दी जाएगी. सिंगल टेंडर होने की वजह से दवा अब तक उपलब्ध नहीं हो पाई है.

डॉ अनिल कुमार, अधीक्षक, एसएनएमएमसीएच.

200 से अधिक मरीज हैं रजिस्टर्ड

जिले में इस जेनेटिक बीमारी से 200 से अधिक बच्चे पीड़ित हैं. 70 फीसदी मरीज ऐसे हैं, जिन्हें महीने में कम से कम दो से तीन बार ब्लड चढ़ाने की जरूरत पड़ती है. अक्सर ब्लड बैंक में खून की कमी के कारण भी मरीज और परिजनों को परेशानी होती है. मरीजों के लिए एसएनएमएमसीएच में लंबे समय से डे केयर सेंटर की मांग हो रही है लेकिन अबतक नहीं बना.

टेंडर के पेंच में फंसे थैलेसीमिया पीड़ित

अस्पताल प्रबंधन की ओर से मरीजों को दवा उपलब्ध कराने के लिए टेंडर का प्रयास किया गया था. लेकिन प्रक्रिया में एक ही एजेंसी की भागीदारी करने यानी सिंगल टेंडर के कारण अबतक दो बार टेंडर प्रक्रिया रद्द की जा चुकी है. टेंडर के पेंच में मरीजों को दवा नहीं मिल रही है.

▼ ब्रीफ खबरें

विधायक ने आंगनबाड़ी केंद्र का किया शिलान्यास

बरोरा (धनबाद)। बाघमारा प्रखंड के मुराईडीह में शनिवार को धायक ढुल्लू महतो के अग्रज सह विधायक प्रतिनिधि शत्रुघ्न महतो ने मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का शिलान्यास किस. उन्होंने कहा कि बाघमारा विधायक की अनुशंसा पर मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण कराया जा रहा है. बाघमारा विधानसभा के सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है. मौके पर धनबाद जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर सिंह, मोहन महतो, सुरेश साव, रणधीर झा, हरि रवानी मौजूद थे.

बीआईटी में नैतिक शिक्षा सत्र का आयोजन

सिंदरी। बीआईटी सिंदरी के छात्रों द्वारा संचालित गैर सरकारी शिक्षण संस्थान प्रयास इंडिया ने गायत्री परिवार सिंदरी के साथ मिलकर सेंटर 3 में छात्रों के लिए नैतिक शिक्षा सत्र का आयोजन शनिवार को किया. इस नैतिक शिक्षा सत्र में भारत प्रसाद, उषा सिंह और मर्चेंट नेवी के कैप्टन रंजन कुमार ने अपने अनुभवों और ज्ञान को साझा किया. इस कार्यक्रम में छात्रों को नैतिक मूल्यों, जिम्मेदारी और सही दिशा में अग्रणी बनने के लिए प्रेरित करने का उद्देश्य बताया गया.

पूर्व सांसद के निधन पर सिंदरी में श्रद्धांजलि सभा

सिंदरी। बांकुड़ा के पूर्व सांसद सह सीपीआईएम वरिष्ठ नेता बासुदेव आचार्य के विगत 13 नवंबर 2023 को आकस्मिक निधन पर शनिवार को सीपीआईएम की सिंदरी बलियापुर लोकल कमेटी ने सिंदरी चर्च हॉल में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की. इसमें दो मिनट का मौन धारण कर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई.सभा के मुख्य वक्ता भारत ज्ञान विज्ञान समिति के राष्ट्रीय महासचिव डॉ काशीनाथ चटर्जी ने कहा कि वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे.

यूनियन की बैठक में मजदूरों की समस्याओं पर चर्चा हुई

कतरास। शनिवार को अंगारपथरा में कोल माइंस मजदूर यूनियन की बैठक आयोजित की गई . जिसकी अध्यक्षता यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष उमेश ऋषि व संचालन गोडसन कुमार ने किया.बैठक के दौरान श्रमिक समस्याओं, लगातार बढ़ते भूधंसान, आकाश की नई बस्ती के रैयतों की समस्याओं के मुद्दे पर विचार विमर्श किया गया . कहा गया कि देश के किसान मजदूर छात्र नौजवानों की समस्या को लेकर विभिन्न श्रमिक यूनियन सहित जन संगठन की ओर से पिछले छह दिसंबर से कोलकाता से जन चेतना यात्रा बनारस तक संचालित है.

आपके द्वार कार्यक्रम से लोगों को तत्काल लाभ

बरोरा। शनिवार को मुराईडीह पंचायत सचिवालय में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया. बाघमारा अंचलाधिकारी रवि भूषण , बीडीओ सुषमा आंनद, सीआई नरेंद्र सिंह मुखिया अनिता देवी व मोहन महतो ने संयुक्त रूप से दिप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया. कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न योजनाओं का स्टोल लगाया गया था.जहां लोग अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए आवेदन जमा कर रहे थे.इस पदाधिकारियों ने योजनाओं की विस्तृत जानकारी लोगों को दी.

उपराष्ट्रपति के आगमन पर नगर निगम ने की है मुकम्मल तैयारी

सड़कें पूछ रहीं... रोज क्यों नहीं आते वीआईपी

संवाददाता। धनबाद

आईआईटी आइएसएम में उपराष्ट्रपति के आगमन को लेकर सड़कें चमकाने में नगर निगम कोई कसर नहीं छोड़ रहा है. वहीं शहर की सड़कें पूछ रहीं हैं कि वीआईपी रोज क्यों नहीं आते हैं. यदि रोज शहर में वीआइपी आएंगे तो रोज सड़कें चमकेगी . पिछले एक सप्ताह से निगम का हर टीम उपराष्ट्रपति के रास्ते को साफ सुथरा एवं अतिक्रमण मुक्त करने में लगा हुआ है. शनिवार को नगर आयुक्त रवि राज शर्मा ने खुद सफाई का मुआयना किया. नगर निगम के साथ ही जिला प्रशासन से लेकर जिला पुलिस भी उपराष्ट्रपति के आने को लेकर काफी चौकस है.

स्ट्रीट लाइटें दुरुस्त : बता दें कि बरवाअड्डा से लेकर सिटी सेंटर से होते हुए रणधीर वर्मा चौक से आईआईटी आइएसएम तक पूरे सड़क के दोनों ओर लगी स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त कर दिया गया है. इस रूट में फुटपाथ पर लगने वाले सभी ठेले खोमचे एवं कच्चे पक्के अतिक्रमण को निगम के इंफोर्समेंट टीम द्वारा हटा दिया गया है . इसके साथ ही सफाई कर्मी दिन में दो बार सड़क की अच्छी तरह सफाई कर रहे है .

सड़क की साफ-सफाई करती स्वीपिंग मशीन.

हर चौक पर चौकस है ट्रैफिक पुलिस

मेमको मोड़ से लेकर आईआईटी आइएसएम तक हर चौक चौराहे पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई हैं. ट्रैफिक जाम न हो इसके लिए ट्रैफिक ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मी भी अपने काम को बखूबी अंजाम दे रहे है.

निगम की गाड़ियां सड़क पर आ गईं

यार्डों की शोभा बढ़ाने वाली निगम की स्वीपिंग मशीन एवं स्प्रिंकल मशीन भी सड़कों की सफाई में लगी दिख रही है. उपराष्ट्रपति के आवागमन के रूट की सफाई के लिए स्वीपिंग मशीन लगाई गई है. सड़कों पर पानी के छिड़काव के लिए स्प्रिंकल मशीन भी अपना काम कर रही है. मालूम हो कि ये मशीनें पिछले दो महीने से सिर्फ निगम के यार्ड की शोभा बढ़ा रहे थे. यदि उपराष्ट्रपति का कार्यक्रम न होता तो ये मशीनें आज भी निगम के यार्ड में ही खड़ी नजर आती .

आओ जानें
सामान्य ज्ञान

- दाग प्रणाली किस शासक ने शुरू किया था – अलाउद्दीन खिलजी
- पवन की गति को नापने वाले उपकरण का नाम – एनीमोमीटर
- झारखंड में सर्वाधिक महिला साक्षरता वाला जिला – रांची
- इलाहाबाद का किला किसने बनवाया था – अकबर
- हाल ही में एपेक शिखर सम्मेलन कहां हुआ – अमेरिका
- गुरु ग्रंथ साहिब में कुल कितने संत कवियों के पद हैं – 17
- कंप्यूटर में आईसी चिप्स का निर्माण किससे होता है – सिलिकान
- आम का वैज्ञानिक नाम क्या है – मैग्नीफेरा इंडिका
- पूर्व का वेनिस किस शहर को कहा जाता है – कोच्चि
- संयुक्त राष्ट्र के चार्टर कहां स्वीकार किए गए थे – सैन फ्रांसिस्को

फुटपाथ व सड़कों पर रात गुजारने वालों के लिए नहीं हुई अलाव की व्यवस्था

तूफान थमने के बाद बढ़ी ठंड, पारा 15 डिग्री पहुंचा

खास बातें

- सिर्फ सरकार आपके द्वार तक सिमटा कंबल वितरण
- अलाव जला न कंबल बंटे ठिठुर रहे हैं फुटपाथी

संवाददाता। धनबाद

चक्रवाती तूफान मिचौंग के थमने के सर्द हवाओं ने धनबाद कोयलांचल ठंड बढ़ा दी है. शनिवार को न्यूनतम तापमान दो डिग्री गिरकर 15 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया. वहीं, अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्वड किया गया. शाम ढलते ही कंपकपी का एहसास होने लगा है. फुटपाथ पर रहने वाले खुले आसमान के नीचे रात में ठिठुरने को मजबूर हैं. जिला प्रशासन की ओर से अब तक कहीं भी अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है. गरीबों के बीच कंबल का वितरण भी नहीं हुआ है.कंबल वितरण सिर्फ सरकार आपके द्वार कार्यक्रम तक ही सीमित है.

जिले में 78 हजार कंबल की हुई है खरीद

ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने गरीबों के बीच वितरण के लिए 78 हजार 882 कंबल की खरीदारी की है. सामाजिक सुरक्षा कोषांग की ओर से सभी प्रखंड और अंचल अधिकारियों को कंबल दिया जा चुका है. लेकिन अभी वितरण का काम सिर्फ आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में ही हो रहा है.

प्रखंडों को दिए गए कंबल, कोषांग को वितरण की जानकारी नहीं

सामाजिक सुरक्षा कोषांग की रिपोर्ट के अनुसार, धनबाद के बीडीओ को 2751, बघमारा को 13984, तोपचांची को 6419, टुंडी को 3898, पूर्वी टुंडी को 2063, गोविंदपुर को 8940, बलियापुर को 5274, निरसा को 6191, कलियासोल को 4584 और एग्यारकुंड बीडीओ को 4584 कंबल दिए जा चुके हैं. इसके अलावा झरिया अंचलाधिकारी को 4814, धनबाद सीओ को 4126, पुटकी को 2063, एग्यारकुंड को 4584, गोविंदपुर को 230, बलियापुर को 230 तथा बाघमारा सीओ को 1147 कंबल दिए गए हैं. सामाजिक सुरक्षा कोषांग में अभी 3 हजार कंबल मौजूद हैं. अभी तक जिले में कितने लोगों के बीच कंबल वितरण हुआ है, इसकी कोषांग को जानकारी नहीं है. वहीं, विभागीय पदाधिकारियों कहना है कि कंबल तो बंट रहा है, अलाव की व्यवस्था भी जल्द की जाएगी.

नौकरी की मांग को ले झामुमो का कोलियरी के समक्ष धरना-प्रदर्शन

निरसा। इसीएल मुगमा क्षेत्र के चापापुर कोलियरी में कार्यरत आउटसोसिंग स्वरूप तेजा डेवलपर एन्ड कंपनी के खिलाफ स्थानीय को रोजगार देने की मांग को लेकर झामुमो के बैनर तले ग्रामीणों ने शनिवार को विरोध प्रदर्शन किया. आंदोलन का नेतृत्व मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता सह केंद्रीय सदस्य अशोक मंडल कर रहे थे. आंदोलन के पश्चात एक मांग पत्र प्रबंधन को सौपा गया. मंडल ने कहा कि हमारे जल जंगल जमीन पर बड़ी-बड़ी कंपनियां अपना लाभ लेकर चली जाती हैं और हमलोग बेघर और प्रदूषण से नई-नई बीमारियों से ग्रसित होकर मरने को मजबूर हो जाते हैं. मंडल ने स्थानीय को कंपनी में नौकरी देने की वकालत करते हुए कहा कि अगर विस्थापित ग्रामीणों को नियोजन नीति के तहत अविलंब न्याय नही मिला तो ग्रामीण कंपनी के कार्यों को बाधित करने के लिए बाध्य होगी. मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा व झारखंड कोलयरी मजदूर यूनियन के विनोद सिंह, नईम शेख, बबलू रवीवस, रोहू शेख, वीरेंद्र, अटल, राजू झा, भोला साहनी, गिरधारी मंडल, शैनल मंडल, निमाई गोराई, लखीराम, अली मोहम्मद, इमामुद्दीन, अविनाश सोरेन, शिवलाल सोरेन, विनोद मरांडी, सेवक मंडल समेत काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

पुटकी के टेंट हाउस में तेज आवाज के साथ बना गोफ, दहशत में लोग

संवाददाता। पुटकी (धनबाद)

बीसीसीएल के अग्नि प्रभावित क्षेत्र कुसुंडा तीन नंबर स्थित संतोष कुमार साहू की टेंट हाउस दुकान में शनिवार की सुबह तेज आवाज के साथ गोफ बन गया. घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. गोफ बनने के साथ ही तेजी से गैस का रिसाव होने लगा. घटना के वक्त दुकानें बंद थीं, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था. खबर मिलते ही टेंट दुकान के पास स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई. लोगों में बीसीसीएल प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश देखा गया. लोगों ने बताया कि क्षेत्र में पहले भी कई बार गोफ बन चुका है. प्रबंधन के लोग गोफ बनने के बाद आते हैं और कागजी प्रक्रिया पूरी कर चले जाते हैं. यदि यहां के लोगों का जल्द पुनर्वास नहीं किया गया, तो कभी भी बड़ी घटना हो सकती है. घटना के बाद से लोग दहशत में हैं.

बीसीसीएल ने नोटिश जारी किया, कब्जाधारियों में खलबली

संवाददाता। बरोरा

बीसीसीएल बरोरा क्षेत्र प्रबंधन ने मुराईडीह स्थित दर्जनों अवैध कब्जे वाली आवासों को तत्काल खाली करने का निर्देश जारी किया है. इस संदर्भ में बरोरा क्षेत्रीय प्रबंधन द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि बरोरा क्षेत्र के विस्थापन एवं पुनर्वास दल के द्वारा 4 दिसंबर को मुराईडीह कॉलोनी में निरीक्षण के दौरान दर्जनों आवासों को बंद पाया.

निरीक्षण दल द्वारा जांच के उपरांत कंपनी प्रबंधन द्वारा उक्त आवास को तत्काल खाली कर कंपनी प्रबंधन को सुपुर्द करने को लेकर नोटिश जारी किया है. शनिवार को पुनः बीसीसीएल प्रबंधन निरक्षण करने आया और बातचीत में उन्होंने कहा कि मुराईडीह श्रमिक कॉलोनी में चार दर्जन से अधिक आवास ऐसे हैं जो बिना वजह बंद कर वर्षो से बाहर रहते हैं और जबरन आवास पर कब्जा जमाए हुए हैं. जिसे खाली कराने को लेकर नोटिस जारी किया जा रहा है.

बीआईटी की पूर्व छात्रा ने संस्थान को अंतरिक्ष अन्वेषण से किया प्रेरित

एकेडेमिक सेशन में पूर्व छात्रा निवृत्ति प्रियदर्शिनी कॉलेज के फैकल्टीज.

संवाददाता। सिंदरी

इसरो की वैज्ञानिक व बीआईटी सिंदरी की पूर्व छात्रा निवृत्ति प्रियदर्शिनी ने शनिवार को संस्थान में आयोजित एकेडेमिक सेशन में अंतरिक्ष अन्वेषण अंतरदृष्टि से प्रेरित किया. बड़े सपने देखने और उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने का साहस करनेवालों के लिए यह आयोजन असीमित संभावनाओं की याद दिलाता है.

बीआईटी सिंदरी में आयोजित जानकारीपूर्ण सत्र में अकादमिक समुदाय ने इसरो की वरिष्ठ वैज्ञानिक निवृत्ति प्रियदर्शिनी के मनोरम व्याख्यान को सुना. वर्ष 1998 में बीआईटी सिंदरी से स्नातक कर चुकी प्रियदर्शनी ने अंतरिक्ष अनुसंधान के गतिशील क्षेत्र में अपनी यात्रा और अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए अपने अल्मा मेटर में लौट आईं. उन्होंने अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति और चुनौतियों पर एक अद्वितीय दृष्टिकोण प्रस्तुत किया. उनकी योजना ने सभी प्रतिभागियों के लिए एक सहज और समृद्ध अनुभव सुनिश्चित किया. इससे सीखने और प्रेरणा के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ.

प्राथमिकता के आधार पर स्थानीय ग्रामीणों को नियोजन देने की मांग

निरसा। ईसीएल मुगमा क्षेत्र के चापापुर कोलियरी शिव मंदिर परिसर में शनिवार को झारखंड कोलियरी श्रमिक यूनियन की बैठक सत्यदेव शाह की अध्यक्षता में हुई. बैठक में यूनियन के केंद्रीय सचिव सह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष उमेश गोस्वामी मुख्य रूप से उपस्थित थे. गोस्वामी ने चापापुर कोलियरी के अधीन में चल रही आउटसोर्सिंग कंपनी में स्थानीय ग्रामीणों को प्राथमिकता के आधार पर नियोजन एवं आसपास के ग्रामों में पानी, बिजली व स्वास्थ्य की समुचित व्यवस्था करने की मांग की. इस निमित्त एक मांग पत्र कोलियरी अभिकर्ता एवं आउटसोर्सिंग कंपनी को सौपा गया.कहा गया कि सभी मांगों पर अमलीजामा पहनाने के लिए कोई सकारात्मक पहल नहीं की तो यूनियन इसके खिलाफ चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा.

दुकानदारों को पूर्व विधायक ने दिया आश्वासन

संवाददाता। निरसा/मैथन

मैथन डैम में बरसों से दुकान करते आ रहे दुकानदार को डीवीसी प्रबंधन द्वारा हटाने जाने से दुकानदार के पास भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है. इसी मुद्दे को लेकर शनिवार को पूर्व विधायक मैथन पहुंचे और विस्थापित दुकानदारों से मुलाकात कर हर संभव मदद का भरोसा दिया. चटर्जी ने दुकानदारों को आश्वस्त करते हुए कहा कि जब तक ठोस व्यवस्था डीवीसी प्रबंधन के द्वारा नहीं की जाएगी तब तक यहां से हटाने नहीं दिया जाएगा.मौके पर चीनू घोष, रामजी यादव, कार्तिक महतो मंटू महतो आदि उपस्थित थे.

दूसरी पारी में हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री बनाकर कांग्रेस ने राज्य को लूटा

कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी : राज सिन्हा

संवाददाता। धनबाद

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू के घर व प्रतिष्ठान में मिले अरबों रुपये हाल में संपन्न हुए छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान व अन्य राज्यों में चुनाव को प्रभावित करने के बाद बचे हुए पैसे हैं. कांग्रेस के स्थानीय नेता से लेकर राष्ट्रीय नेता तक भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं. बरामद हुए पैसों में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का भी हिस्सा है. इसलिए उन पर भी एफआईआर दर्ज होनी चाहिए. साथ ही ईडी पूरे मामले को टेकओवर करे. यह मांग धनबाद विधायक राज सिन्हा ने शनिवार को अपने आवासीय कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कही. उन्होंने कहा कि पूर्व में निर्दलीय मधु कोड़ा को मुख्यमंत्री बनाकर कांग्रेस ने राज्य को लूटा था. वर्तमान में हेमंत राज उसी की दूसरी पारी है.

एम्बुलेंस से दूसरे राज्यों में भेजा जा रहा लूट का पैसा : विधायक राज सिंह ने कहा कि अनुमान है कि 500 करोड़ से अधिक राशि बरामद होगी. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन केंद्र सरकार पर पैसे नहीं देने का आरोप लगाते हैं जबकि उनके लोगों के यहां से ही इतने पैसे बरामद हो रहे हैं जितना बैंक में भी कैश नहीं होता. उन्होंने आरोप लगाया कि इंडी गठबंधन भ्रष्टाचार का पैसा झारखंड से बंगाल और अन्यंत्र राज्यों में एंबुलेंस के माध्यम से भेज रहा है. साथ ही सोना खरीद कर उसे जमीन में गाड़कर छुपाया जा रहा है.

धनबाद में मीडिया से बातचीत करते विधायक राज सिन्हा व अन्य.

गोबर, कोयला, जमीन, बालू, पत्थर घोटाला से सोना बनाने में लगी है कांग्रेस

विधायक ने कहा कि हाल में संपन्न हुए छत्तीसगढ़ चुनाव में गोबर घोटाला सामने आया है. उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि मशीन से सोना बनाने वाली कांग्रेस पार्टी अब गोबर, कोयला, जमीन, बालू और पत्थर के अवैध कारोबार से सोना बनाने में लगी हुई है. उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड सरकार तक आपराधिक घटनाओं का पैसा पहुंच रहा है. महादेव ऐप घोटाला में युवाओं को बरगला कर अरबों रुपए ऐंठने में कांग्रेस के मुख्यमंत्री भूपेन बघेल का नाम सामने आया है.

11 दिसंबर को रैली निकाल कर करेंगे विरोध

विधायक ने कहा कि भ्रष्टाचार के विरोध में 11 दिसंबर को जिला परिषद मैदान से रणधीर वर्मा चौक तक रैली निकालकर विरोध जताया जाएगा. जिसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर कानूनी कार्रवाई, भ्रष्टाचार के मामलों में ईडी से जांच की मांग की जाएगी. प्रेस वार्ता में जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह के अलावा संजय झा, मानस प्रसून, संजीव अग्रवाल, रमेश राही, नितिन भट्ट, वीरेंद्र हादसा के साथ अन्य उपस्थित थे.

CLASSIFIED

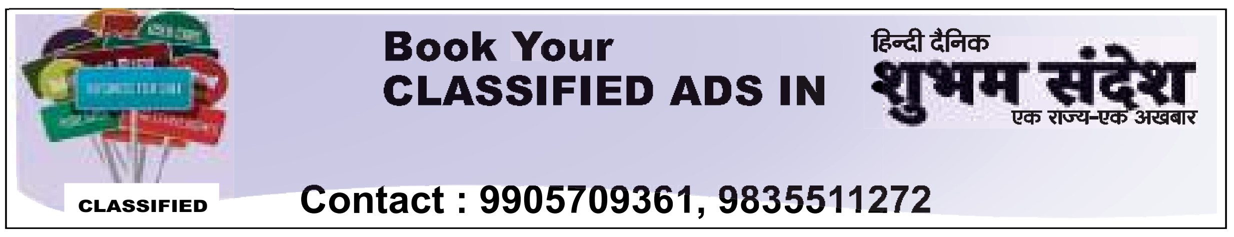

ब्रीफ खबरें

सोनिया गांधी त्याग की मूर्ति हैं: धनंजय

गिरिडीह। जिला कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी जी का 77वां जन्मदिन मनाया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष धनंजय सिंह ने किया. उपस्थित कांग्रेसियों ने सोनिया गांधी के जन्मदिन के अवसर पर केक काटकर उनके जन्मदिन मनाया और एक दूसरे को केक खिलाया. मौके पर जिला अध्यक्ष धनंजय सिंह ने कहा कि सोनिया गांधी त्याग की मूर्ति हैं. जिन्होंने प्रधानमंत्री का पद ठुकराया. कहा कि ऐसे कम ही लोग होते हैं.

मुखिया ने 160 गरीबों के बीच बांटे कंबल

गावां (गिरिडीह)। गावां प्रखंड के खरसान पंचायत सचिवालय में शनिवार को मुखिया रजिया खातून के द्वारा गरीब, असहाय, वृद्ध महिला और पुरुष के बीच कंबल का वितरण किया गया. मुखिया रजिया खातून ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए कंबल को गरीब असहाय व वृद्ध लोगों के बीच वितरण किया गया. कंबल मिलने के बाद लोगों को ठंड से राहत मिलेगी. साथ ही उन्होंने कहा कि छूटे हुए जरूरतमंद लोगों को और कंबल का वितरण किया जाएगा.

अनुपस्थित रहने वाले 7 लोगों को शो कॉज

बेंगाबाद। बेंगाबाद के झलकडीहा पंचायत में शनिवार को आयोजित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार शिविर में अनुपस्थित रहने वाले प्रखंड स्तरीय 07 पदाधिकारियों एवं कर्मियों को शो कॉज किया गया है. बेंगाबाद बीडीओ निशा कुमारी द्वारा शिविर में नहीं पहुंचने वाले सभी सात लोगों को शो कॉज कर स्पष्टीकरण मांगा गया है. बताया गया कि झलकडीहा पंचायत में आयोजित शिविर में बेंगाबाद की बीडीओ सविता कुमारी मौजूद थीं.

एमजीएम स्कूल में खिलाड़ी का हुआ सम्मान

बोकारो। एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल बोकारो के कक्षा नौ में पढ़ने वाले छात्र राजवीर सिंह ने सीबीएसई ईस्ट जोन जूडो प्रतियोगिता पटना में गोल्ड मेडल प्राप्त कर अपनी जगह सीबीएसई राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता के लिए बनाई और अपने बेहतर प्रदर्शन के अनुसार ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया. ज्ञात हो राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता 22 से 26 नवंबर तक मॉडर्न स्कूल नोएडा यूपी में सीबीएसई द्वारा कराया गया. प्राचार्य ने राजवीर सिंह को स्कूल प्रार्थना सभा में सम्मानित किया.

करियर काउंसलिंग पर डीएवी में कार्यशाला

बोकारो। बोकारो के सेक्टर 6 स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में शनिवार को कैरियर काउंसलिंग पर कार्यशाला का आयोजन हुआ. इस कैरियर काउंसलिंग में नालंदा विश्वविद्यालय केंद्र के कोर्डिनेटर कमलेश रवानी व करियर काउंसलर ज्योति कुमारी ने विद्यार्थियों को विशेष जानकारियां प्रदान की. बताया कि छात्रों के जीवन में उचित मार्गदर्शन अत्यंत आवश्यक है. विद्यार्थियों को किस विश्वविद्यालय में दाखिला लेना है, किस स्ट्रीम में लेना है, इसे सोच कर व सोच विचार कर निर्णय लेना आवश्यक है.

गावां पहुंचा अक्षत कलश, उमड़ी भीड़

गावां (गिरिडीह)। अक्षत कलश शुक्रवार देर शाम अयोध्या से गावां पहुंचा. गावां बाजार स्थित हनुमान मंदिर में अक्षत कलश का हवन पूजन किया गया. हवन पूजन कार्यक्रम में उपेंद्र स्वर्णकार, सुनील बरनवाल, आनंद साहा, अरुण कुमार, अजित शर्मा, रंजीत बरनवाल, विनय शर्मा ने भाग लिया. इसके बाद उसे बजरंग बली के चरणों में स्थापित किया गया. इस अक्षत कलश को लोगों के दर्शनार्थ रखा गया है. विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी की मौजूदगी में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं.

ललपनिया में मनाई गई मांझी की पुण्यतिथि

बेरमो। टीटीपीएस के विस्थापित गांव कुशमाडीह (ललपनिया) स्थित शिवराम मांझी चौक में स्मारक समिति द्वारा शिवराम के विस्थापित दिवंगत नेता शिवराम मांझी की31वां पुण्यतिथि मनायी गयी. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दर्जा प्राप्त मंत्री पूर्व विधायक योगेंद्र प्रसाद महतो सहित उपस्थित गणमान्य लोगों ने दिवंगत नेता की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तथा एक मिनट का मौन धारण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया.

बेंगाबाद के झलकडीहा पंचायत में आयोजित शिविर में शामिल हुए गांडेय विधायक डॉ सरफराज

अनुपस्थित रहने वाले पदाधिकारी नपेंगे: डॉ सरफराज

संवाददाता। बेंगाबाद (गिरिडीह)

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार शिविर में अनुपस्थित रहने वाले पदाधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी. यह बातें गांडेय विधायक डॉ सरफराज अहमद ने शनिवार को बेंगाबाद के झलकडीहा पंचायत में आयोजित शिविर में कही. उन्होंने कहा कि जो पदाधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो रहे हैं उनके विरुद्ध कार्रवाई को लेकर बीडीओ को निर्देशित किया गया है. कहा कि सीएम इस कार्यक्रम का मॉनिटरिंग कर रहे हैं. जनता को परेशान नहीं होना पड़े इसके लिए राज्य सरकार ने यह शिविर लगाने का निर्णय लिया है. इस में लापरवाही करने वाले अधिकारी नपेंगे. मौके पर विधायक ने कहा कि अबुआ आवास राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजना है. आवास योजना से वंचितों के लिए हेमन्त सरकार ने इस योजना की शुरुआत की है. वहीं प्रवासी मजदूरों के लिए पहचान पत्र बनाने की योजना शुरू की गई है. साथ ही विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के लिए पांच लाख से 15 लाख तक का ऋण गुरु जी क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 4 प्रतिशत ब्याज दर पर मुहैया कराई जाएगी.

662 आवेदन अबुआ आवास के लिए हुए जमा

बोकारो। बोकारो जिले के कई प्रखंड के अलग-अलग पंचायतों में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया गया. इस दौरान कसमार प्रखंड के दुर्गापुर पंचायत, चास प्रखंड के कुम्हरी एवं ब्राह्मण द्वारिका, चंदनकियारी के सहारजोरी, गोमिया के कथारा एवं बांध, पेटरवार के चांदो, जरीडीह के खूंटरी, नावाडीह के सुरही, चास नगर निगम के वार्ड संख्या 8 एवं 8 एवं फुसरो नगर परिषद के वार्ड संख्या 15 में शिविर का आयोजन किया गया. इस दौरान कसमार प्रखंड के दुर्गापुर पंचायत में आयोजित शिविर में लगाए विभिन्न विभागों के स्टॉल में सैकड़ों ग्रामीणों के आवेदन जमा हुए. सर्वाधिक 662 आवेदन अबुआ आवास के लिए जमा हुए. इसके अलावा सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 28, मनरेगा की योजना के लिए 63, जॉब कार्ड के लिए 29, कृषि विभाग की योजनाओं के लिए 15, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के लिए 6, पशुपालन विभाग में 40, राजस्व विभाग में 16 आवेदन जमा हुए.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- भारत में सर्वाधिक वर्षा किस राज्य में होती है – मेघालय
- खट्टे फल में कौन सा एसिड पाया जाता है – सिट्रिक असिड
- उज्जैन किस नदी के किनारे बसा है – शिप्रा
- किस मुगल शासक को प्रिन्स ऑफ बिल्डर्स कहा जाता है – शाहजहां
- सबसे चमकीली ग्रह कौन सा है – शुक्र
- भारत का प्रथम गवर्नर जनरल कौन था – विलियम बैंटिक
- हरियाणा की कौनसी नस्ल की भैंस प्रसिद्ध है – मुर्राह
- मानव शरीर की किस ग्रन्थि को मास्टर ग्रन्थि कहा जाता है – पियूष ग्रंथि
- भगत सिंह के साथ किसे फांसी दी गयी थी – राजगुरु और सुखदेव
- एक ओलंपिक में सर्वाधिक स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी – माइकल फेल्पस

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल होने मुख्यमंत्री हेमंत पहुंचे देवघर

पहले की सरकार ने झारखंड को जमकर लूटा: हेमंत सोरेन

संवाददाता। देवघर

झारखंड सरकार इन दिनों आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित कर रही है. इसी कार्यक्रम में शिरकत करने देवघर के खजुरिया मैदान में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पहुंचे. साथ में मंत्री आलमगीर आलम, बादल पत्रलेख सत्यानंद भोक्ता, हफीजुल हसन, विधायक प्रदीप यादव भी मौजूद थे. कार्यक्रम का मुख्यमंत्री ने विधिवत उद्घाटन किया. वहीं मुख्यमंत्री ने दर्जनों योजनाओं का शिलान्यास किया. सीएम ने करोड़ों रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण किया.

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पिछली सरकार पर जमकर बरसे. कहा कि पूर्ववर्ती राज्य सरकार केंद्र के साथ मिलकर झारखंड को लूटने का काम किया है. डबल इंजन की सरकार झारखंड को लूटने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है. यही कारण है की झारखंड पिछड़ेपन का दंश झेल रहा है. हमलोगों ने पिछड़ेपन से निजात दिलाने के लिए कई तरह की योजना लागू की है ताकि 2025 तक हमारा राज्य विकसित राज्य की श्रेणी में खड़ा हो सके. खासकर गरीब किसान महिला और युवा को विशेष मानकर उनके लिए कई तरह की योजनाएं लाई है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड देश का पहला राज्य है जहां 60 वर्ष से ऊपर वाले को पेंशन दिया जा रहा है. वहीं विकलांग बच्चा पैदा होता है तो उसके 5 वर्ष पूर्ण होने पर सरकार द्वारा 1000 का पेंशन प्रतिमाह दिया जा रहा है. इसके अलावा राज्य की बेटियां दूसरे पर बोझ ना बन सके इसलिए उसके पढ़ाई का सारा खर्च सरकार वहन कर रही है. ताकि बेटियां पढ़ लिखकर अपने पैरों पर खड़ा हो सके और किसी पर बोझ ना बन सके. मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में झारखंड में सिपाही और शिक्षक की बहाली में बंपर नियुक्तियां निकालने जा रही है. जब से हमारी सरकार बनी है पहले 2 साल कोरोना में ही चला गया. बाकी समय में विकास का ऐसा रफ्तार पकड़ी है जिसे देखकर केंद्र विचलित हो उठा है. यही कारण है केंद्र लगातार हमारी सरकार को नहीं चलने का विभिन्न हथकंडा अपना रही है. मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले मोदी जी बोलते थे ना खाऊंगा ना खाने दूंगा अब इनका नारा बदल गया है अब ना काम करूंगा और ना काम करने दूंगा.

सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार सिर्फ अपनी राजनीतिक रोटियां सेक रही है. इन्हें आदिवासियों के हित का जरा भी ख्याल नहीं है. मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में हमने चुनाव के वक्त ही कहा था कि हमारी सरकार बनी तो सरकार आपके द्वार पहुंचेगी. इस वादा को हम निभा रहे.

वादा पूरा

- झारखंड में 60 वर्ष से ऊपर वाले को पेंशन मिल रहा है
- सिपाही शिक्षक की बहाली में बंपर नियुक्तियां होंगी
- केंद्र सरकार को आदिवासियों का जरा भी ख्याल नहीं है

मुख्यमंत्री ने की बाबा भोलेनाथ की पूजा

शनिवार को झारखंड मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बाबा मंदिर पहुंचे. उन्होंने बाबा भोलेनाथ की षोडशोपचार विधि से पूजा की. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सुबह लगभग 11:30 बजे बाबा मंदिर पहुंचे. उन्हें भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सीधे पील पाया के रास्ते बाबा मंदिर मंझला खंड होते हुये बाबा मंदिर गर्भगृह में प्रवेश कराया. जहां पर उनके पुश्तैनी पुरोहित झारखंडी मठपति विधिवत संकल्प करा कर वैदिक विधि से षोडशोपचार पूजा करायी. जिसमें मंत्रोचार के बीच के बीच 11 किलो दूध, दही, घी, मधु, अक्षत, बिल्वपत्र, फूल व गंगाजल, नैवेद्य अर्पित कर बाबा की पूजा की. इसके बाद मंदिर प्रांगण से उन्होंने बाबा बैद्यनाथ, मां पार्वती, मां बगला, मां काली सहित सभी देवी शक्तियों को प्रणाम कर मंगलकामना की. जिसके बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बाबा मंदिर प्रशासनिक भवन स्थित राधाकृष्ण मंदिर के पास डीसी विशाल सागर ने मंदिर प्रबंधन की तरफ से भोलेनाथ का चांदी से बना शिवलिंग, अंगवस्त्र व बाबा का प्रसाद देकर सम्मानित किया.

बारिश से पेयजलापूर्ति बाधित

संवाददाता। गावां

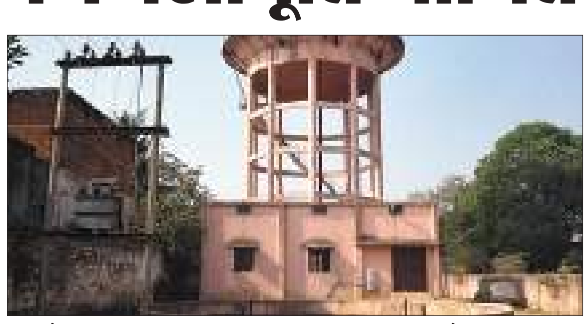

गावां पीएचईडी द्वारा दो दिनों के झमाझम बारिश से पेयजलापूर्ति बन्द हो गया है. इससे ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. ग्रामीणों का कहना है कि हल्की बारिश होने से पेयजलापूर्ति बन्द कर दिया गया है. पूछे जाने पर बताया गया कि बारिश होने से मोटर में पानी चला गया जिसके कारण खराब हो गया है.

मोटर बनने के बाद पुनः पेयजलापूर्ति चालू कर दिया जाएगा. इन इलाकों में जलमीनार के जरिए पेयजलापूर्ति की जाती है. जलमीनार संचालन की लचर व्यवस्था से लोग काफी परेशान हैं. पीएचईडी विभाग की लापरवाही से ग्रामीणों के घरों में पानी की सप्लाई दो दिनों से बंद है. इससे ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. ग्रामीणों ने बताया कि पीएचईडी के द्वारा एक माह में एक सप्ताह किसी न किसी बहाने से पेयजलापूर्ति बन्द कर दिया जाता है. पीएचईडी एसडीओ मनोहर लाल ने बताया कि गावां पेयजलापूर्ति के लिए समिति बनाया गया व दिलीप यादव के देख रेख में दिया गया है. मुझे पेयजलापूर्ति बन्द होने की जानकारी नहीं थी.

बात कर के आज बनवा कर पुनः चालू कर दिया जाएगा. जिप सदस्य पवन कुमार चौधरी ने बताया कि गावां पीएचईडी द्वारा पानी नहीं मिलने का शिकायत हमेशा मिलता रहता है. पीएचईडी विभाग के लचर व्यवस्था के कारण लोगों को समय पर पानी नहीं मिल पाता है.

साथ ही उन्होंने कहा कि जिला परिषद के बैठक में उपायुक्त को आवेदन देकर गावां में जेई का स्थायी व्यवस्था करने का मांग करेंगे साथ ही गावां में सुचारू रूप से पेयजलापूर्ति चलाया जाए, अन्यथा बाध्य होकर पीएचईडी कार्यालय के समक्ष सैकड़ों ग्रामीणों के साथ अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन पर बैठने के लिए बाध्य होंगे.

आंदोलन कर रहे किजपा सदस्यों पर केस दर्ज

बेंगाबाद (गिरिडीह)। अपनी मांगों को लेकर आंदोलन पर उतरे किसान जनता पार्टी के सदस्यों के खिलाफ बेंगाबाद थाना में केस दर्ज किया गया है. किजपा के संस्थापक सदस्य अवधेश सिंह, देवचन्द्र यादव समेत 13 नामजद व करीब 100 अज्ञात लोगों के विरुद्ध दर्ज एफआईआर में सरकारी काम में बाधा पहुंचाने सहित अन्य आरोप लगाए गए हैं. ज्ञात हो कि आठ सूत्री मांगों को लेकर किजपा सदस्य बुधवार से आंदोलन कर रहे थे. शुक्रवार को आंदोलनकारी प्रखंड मुख्यालय से एनएच 114 ए पर विरोध प्रदर्शन करने जा रहे थे. लेकिन पुलिस ने उन्हें थाना के समीप रोक लिया था.

हाईब्रिड मोड पर हुआ राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

संवाददाता। बोकारो

प्रधान जिला न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार संतोष कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को न्याय सदन व्यवहार न्यायालय बोकारो तथा व्यवहार न्यायालय परिसर तेनुघाट में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन हाईब्रिड मोड पर किया गया. राष्ट्रीय लोक अदालत की शुरुआत प्रधान जिला न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो संतोष कुमार, उपायुक्त सह उपाध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो कुलदीप चौधरी, पुलिस अधीक्षक सह सदस्य जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो प्रियदर्शी आलोक, प्रीसाइडिंग पदाधिकारी लेबर कोर्ट अनुज कुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार एवं प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय आलोक कुमार दुबे के द्वारा दीप प्रज्वलित कर इसकी शुरुआत की गई. उक्त लोक अदालत में कुल 25 बेंच लगाए गए थे, जिसमें व्यवहार न्यायालय बोकारो में 15 एवं व्यवहार न्यायालय तेनुघाट में 10 बेंच लगाए गए, इस राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायालय में लंबित सुलह योग्य आपराधिक मामले, मोटर दुर्घटना दावा मामले, पारिवारिक मामले का निबटारा किया गया.

मनरेगा योजना में गड़बड़ी की शिकायत पर हुई जांच

संवाददाता। बेंगाबाद

बेंगाबाद प्रखंड के तेलोनारी पंचायत में मनरेगा योजना में गड़बड़ी की शिकायत पर मनरेगा लोकपाल तमन्ना प्रवीण शनिवार को जांच को पहुंची.

जांच में योजना में गड़बड़ी एवं अनियमितता पाए जाने पर लोकपाल ने अविलम्ब योजना को बंद करने का अनुशंसा कर दिया है. प्राप्त जानकारी के अनुसार तेलोनारी पंचायत के परसन गांव में मनरेगा के तहत तालाब निर्माण कार्य में जेसीबी चलाने की शिकायत मिली थी. इसी शिकायत पर जांच टीम कार्य स्थल पर पहुंची थी. इस संबंध में लोकपाल तमन्ना प्रवीण ने बताया कि जांच में योजना का जियो टैग जिस स्थल पर किया गया है. वहां कार्य नहीं कर बगल में स्थित पुराने डोभा में तालाब निर्माण कार्य कराया जा रहा था.

उन्होंने बताया कि जियो टैग स्थल से बगल दो डोभा बना हुआ है. वहीं पर तालाब बनाने की बात बताई गई. वहीं कार्य स्थल पर जेसीबी चलने का निशान भी पाया गया. जांच के दौरान मामला संदेहास्पद पाए जाने पर उन्होंने तत्काल योजना को बंद करने की अनुशंसा की है.

विकसित भारत संकल्प यात्रा पंचायत भवन बरजो में हुई संपन्न

धनवार (गिरिडीह)। धनवार प्रखंड क्षेत्र के पंचायत भवन बरजो में विकसित भारत संकल्प यात्रा का कार्यक्रम किया गया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा पूरे देश में सरकार की प्रमुख योजनाओं के शत प्रतिशत पूरा करने के लक्ष्य के साथ शुरू की जा रही है. ताकि सभी लक्षित लाभार्थियों तक समय पर योजनाओं का लाभ पहुंचना सुनिश्चित किया जा सके. प्रधानमंत्री शनिवार को दोपहर 12:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों के साथ बातचीत किया. पंचायत भवन में भी प्रधानमंत्री का लाइव कार्यक्रम दिखाए और सुना गया. कहा कि लोगों के समय और भागीदारी को देखते हुए विकसित भारत संकल्प यात्रा की गाड़ी का नाम मोदी का गारंटी वाहन कर दिया गया.

अबुआ आवास योजना को लेकर जनप्रतिनिधियों व कर्मचारियों की बैठक

बीडीओ ने की सहयोग की अपील

संवाददाता। तिसरी (गिरिडीह)

तिसरी प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार में शनिवार को अबुआ आवास योजना को लेकर जनप्रतिनिधियों व कर्मचारियों की बैठक सम्पन्न हुई.

बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड प्रमुख राजकुमार यादव और प्रभारी बीडीओ विनोद कुमार सिंह के अलावे संतोष कुमार व विभिन्न पंचायतों के मुखिया, मुखिया प्रतिनिधि, पंचायत समिति सदस्य, पंचायत सेवक और रोजगार सेवक शामिल हुए. बैठक में अबुआ आवास योजना के मापदंडों के विषय में सभी जनप्रतिनिधियों व कर्मचारियों को विशेष जानकारी दी गई. बताया गया कि यदि आवेदक के परिवार का कोई सदस्य सरकारी/अर्धसरकारी या सेवानिवृत हो, आवेदक चुनाव द्वारा जनप्रतिनिधि चयनित किया गया हो, व्यवसायिक कर दाता हो, जिसके घर में फ्रिज हो, ढाई एकड़ सिंचित भूमि व एक सिंचाई उपकरण या परिवार का कोई सदस्य सरकारी/अर्धसरकारी या सेवानिवृत हो उनको नहीं मिलेगा, चुनाव द्वारा जनप्रतिनिधि चयनित किया गया हो उन्हें नहीं मिलेगा, व्यवसायी कर दाता, जिसके घर में फ्रिज हो, ढाई एकड़ सिंचित भूमि व एक सिंचाई उपकरण या पांच एकड़ भूमि होने पर उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा. इसके अलावे सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के शिविर में ही अबुआ आवास योजना के लिए आवेदन लेना है. वहीं प्रभारी बीडीओ ने नए वोटर कार्ड बनवाने के लिए चलाए जा रहे अभियान में मुखिया और पंचायत समिति सदस्यों से सहयोग की अपील की. मौके पर मुखिया मो. हासिमुद्दीन, जानकी यादव, बसंती हेमब्रम, मुखिया प्रतिनिधि महेश राउत, उमर फारूख, मदन यादव, मो. मुस्तकीम, लखिराम हेमब्रम, पंचायत सेवक राजन कुमार, पंचायत समिति सदस्य और करण यादव मौजूद थे.

तेनुघाट व्यवहार न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत

तेनुघाट। तेनुघाट व्यवहार न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया. इस आयोजन में कुल 64,515 मामलों का निष्पादन और लगभग 42,00,00,000 समझौता राशि वसूल किया गया. इस तरह तेनुघाट व्यवहार न्यायालय के लंबित मामलों एवं एसडीओ कोर्ट के मामलों में 191 मामले एवं प्री लिटिगेशन के लगभग 61,000 मामलों का निष्पादन हुआ. वहीं सरकारी योजनाओं का लाभ लगभग 3,36,000 लाभार्थियों को पूरे बेरमो अनुमंडल के लोगों को दिया गया. इस अवसर पर राष्ट्रीय लोक अदालत का विधिवत उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से जिला जज प्रथम राजेश कुमार सिन्हा, कुटुंब न्यायालय राजीव रंजन, जिला जज द्वितीय अनिल कुमार, जिला जज तृतीय सूर्यमणि त्रिपाठी, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष कामेश्वर मिश्र, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने किया.

बैठक कोल फिल्ड मजदूर यूनियन के केन्द्रीय कार्य समिति में बोले राघवन

सीएमयू की मजबूती से मजदूरों की रक्षा होगी

संवाददाता। बेरमो

कोल फिल्ड मजदूर यूनियन के केन्द्रीय कार्य समिति की बैठक करगली स्थित महिला मंडल भवन कार्यालय में हुई. अध्यक्षता यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष विनय सिंह ने की. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के शामिल यूनियन के महासचिव रघुनंदन राघवन ने कहा कि सीसीएल में कार्यरत मजदूरों के अधिकार की रक्षा सीएमयू के बैनर तले ही संभव है और यह भरोसा संगठन कभी टूटने नहीं देगा.

पूरे सीसीएल के मजदूरों के सभी क्षेत्रों में संगठन की ओर से गोष्ठी का अभियान शुरू करते हुए श्रमिकों के अधिकार के रक्षा के लिए कार्य योजना प्रारंभ होगी. सदस्यता अभियान चलाकर संगठित और असंगठित मजदूरों को यूनियन में जोड़े. कोयला मजदूर कठिन परिस्थिति में और जान जोखिम में डालकर देश के विकास में अपनी अग्रणी भूमिका का निर्वाह करते हैं. लेकिन उन्हें पूर्व में मिल रहे सुविधाओं से वंचित किया जा रहा है. लगातार उनके अधिकारों पर हमला किया जा रहा है. आउटसोर्सिंग को बढ़ावा दिया जा रहा है. इसके लिए कोयला के मजदूरों को एकजुट होकर अधिकार की रक्षा के लिए, सीएमयू को मजबूत करना होगा तभी उनके अधिकार की रक्षा हो सकती है. मौके पर संयुक्त महासचिव चंद्रेश्वर सिंह सहित मधुसूदन भट्टाचार्य, शक्ति मंडल, आर उनेश, राजीव भूखिया, नागेंद्र गुप्ता, शैलेंद्र प्रसाद, राकेश सिंह, पंकज जयसवाल, जगन्नाथ साहू, ध्वजाराम धोबी, कौशल्या देवी, लता देवी, सर्वजीत पांडेय, रंजीत पांडेय, सुशील कुमार, लखन श्रीमाली, आरपी सिंह, खुशी लाल महतो, रतन कुमार, अशोक गुप्ता आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे.

बोले सदस्य

- कोयला मजदूर विकास में अपनी भूमिका निभाते हैं
- लगातार आउटसोर्सिंग को बढ़ावा दिया जा रहा है

स्कूली बच्चों ने प्रस्तुत किया रंगारंग कार्यक्रम

गांडेय (गिरिडीह)। जिले के गांडेय में ग्रीन गार्डन पब्लिक स्कूल का दूसरा स्थापना दिवस समारोह मनाया गया. स्थापना दिवस समारोह को मुखिया अमृत लाल पाठक, स्कूल के निदेशक अफजल अमीन और भाजपा नेता यदुनंद पाठक ने फीता काटकर शुरू किया. कार्यक्रम में स्कूल के बच्चों द्वारा एक से बढ़कर एक प्रस्तुति पेश किये गये. इस दौरान नन्हे मुन्ने बच्चियों द्वारा नाटक, डांस और भक्ति गीत प्रस्तुत किया गया. मुख्य अतिथि भाजपा नेता यदुनंदन पाठक ने कहा कि बच्चे छोटे से स्थान पर इस तरह का स्कूल चलाना बहुत बड़ी बात है. उन्होंने स्कूल के बेहतर भविष्य की कमना की.

AFFIDAVIT

I, SANGEET SONAL S/O, LATE SUNIL KUMAR SINHA R/O RAMLAKHAN NIWAS, RAM NAGAR, PO/PS SADAR, HAZARIBAGH, JHARKHAND-825301. Do herby solemnly affirm and declare as under:

1. That my name has been recorded as SANGEET SONAL (Old name). In all the educational certificates and in other relevant documents
2. That now I have changed my name as SANGEET SUNIL SINHA (New name) in place of my previous name i.e. SANGEET SONAL.
3. That in future I will be known by my new name i.e. SANGEET SUNIL SINHA. In future for all purposes..
4. That my statement is correct andtrue

Aff. No. 3272/06.12.23 DEPONENT

नोटरी पब्लिक गढ़वा

शपथ पत्र

मैं धनलाल यादव पिता प्रमेश्वर यादव निवासी ग्राम गम्हरिया, पो. गम्हरिया, थाना- रमना, जिला- गढ़वा, झारखंड, शपथपूर्वक निम्नांकित बयान करता हूं :-

1. यह कि मैं उक्त नाम, पता का स्थायी निवासी हूं।
2. यह कि मंशा कुमारी मेरी पुत्री है, जिसका सही जन्म तिथि 12.07.2006ई. है, जिसका नाम एवं जन्म तिथि उसके शैक्षणिक कागजातों में भी दर्ज है।
3. यह कि मेरी उक्त पुत्री का आधार कार्ड में भुल से नाम निर्मला कुमारी एवं उसका जन्म तिथि 01.01.2008 ई. दर्ज हो गया है, जो गलत है।
4. यह कि मैं अपनी पुत्री का सही नाम मंशा कुमारी एवं जन्म तिथि 12.07.2006ई. दर्ज कराने हेतु इस शपथ पत्र का निष्पादन कर रहा हूं।
5. यह कि उक्त सारी बातें मेरे निर्देशानुसार तैयार कराया गया है, जो जानकारी में सही एवं सत्य है।

शपथ पत्र संख्या 20383/27.10.23

ब्रीफ खबरें

प्रशिक्षण लेने आये शिक्षक की बाइक हुई चोरी

बेंगाबाद (गिरिडीह) । बेंगाबाद बीआरसी में प्रशिक्षण लेने आये एक शिक्षक की बाइक चोरी हो गई. फुफन्दी निवासी शिक्षक अशोक यादव अपनी बाइक से बेंगाबाद प्रखण्ड मुख्यालय स्थित बीआरसी प्रशिक्षण लेने आये थे. वह अपनी बाइक को बाहर खड़ी कर प्रशिक्षण ले रहे थे. बताया गया कि दोपहर तक उनकी बाइक सुरक्षित थी. शाम को जब प्रशिक्षण खत्म होने के बाद वह बाहर निकले तो उनकी बाइक गायब मिली. काफी पता लगाने के बाद उन्होंने मामले की सूचना बेंगाबाद थाना को दी.

कुस्तौर 10 नंबर में युवक ने लगाई फांसी

पुटकी । केंदुआडीह थाना क्षेत्र के कुसतौर 10 नंबर निवासी राहुल कुमार (21 वर्ष) ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना शुक्रवार रात की है. वह रवींद्र राज का इकलौता पुत्र था. पिता ने बताया कि राहुल रात में खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया. शनिवार की सुबह जब देर तक वह नहीं उठा, तो उनलोगों को चिंता हुई. दरवाजा खोल कर अंदर गए, तो राहुल को फांसी के फंदे पर झूलता पाया. उसे नीचे उतरा गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी.

इचाक के युवक की दिल्ली में हुई मौत

हजारीबाग । हजारीबाग इचाक प्रखंड के एक युवक के दिल्ली में मौत हो गई. युवक की पहचान इचाक बरवा गांव निवासी धर्मेंद्र मेहता की के रूप में हुई. वहीं, युवक की मौत होने के बाद शुक्रवार देर शाम उसकी शव इचाक पहुंचा जहां पूरे गांव में मातम पसर गया. इस संबंध में परिजनों ने बताया कि कुछ महीने पहले गांव के ही एक युवक धर्मेंद्र को दिल्ली ले गया था और रोजगार दिलाने की बात कही थी. इसके बाद गुरुवार को युवक की खबर आई.

चोरी की मोटरसाइकिल जंगल से बरामद

बेंगाबाद (गिरिडीह) । बेंगाबाद थाना क्षेत्र से केंदुआगढ़ा से बीते 3 दिसंबर को चोरी हुई मोटरसाइकिल मोतिलेदा जंगल से बरामद हुई है. शनिवार को मोटरसाइकिल लावारिश हालात में जंगल से बरामद किया गया है. इस बारे में चितमाडीह पंचायत के नावाहार निवासी राजेश कुमार वर्मा ने बताया कि 03 दिसंबर को वह सुरजाही पर्व में शामिल होने केंदुआगढ़ा गए हुए थे. वहीं से उनकी बाइक चोरी हो गई थी. काफी खोजने के बाद भी बाइक का कुछ पता नहीं चल पाया था.

छेड़खानी मामले में 3 युवकों पर प्राथमिकी

रांची । जिले के रातू थाना क्षेत्र में 11वर्षीय नाबालिग से छेड़खानी के मामले तीन युवकों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है. इस मामले में लड़की के पिता के द्वारा रातू थाना में संतोष भुइयां, बिट्टू कुमार और डब्लू कुमार के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है. दर्ज कराए गए मामलों में कहा गया है कि बेटी घर के बगल में सामान लेने दुकान गई थी. सामान लेकर वापस आ रही थी, उसी दौरान बगल के तीनों लड़कों ने बेटी से छेड़खानी की और अभद्र भाषा का प्रयोग किया.

कार के धक्के से बुजुर्ग की मौत

कतरास । भट्टमुरना पथ के कतरास गढ़ पोस्ट ऑफिस के पास अल्टो कार की चपेट में आने से मस्जिद पट्टी निवासी मोहम्मद सद्दाम के पिता 70 वर्षीय बुजुर्ग मोहम्मद कमरुद्दीन गंभीर रूप से घायल हो गए.आनन-फानन में घायल अवस्था में उठाकर अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. बताया जाता है कि कार छाताबाद की ओर से आ रही थी तभी असंतुलित होकर पोस्ट ऑफिस की ओर घुस गया. जिसकी चपेट में कमरुद्दीन आ गए.

6 साल से फरार आरोपी को गिरफ्तार किया

हजारीबाग । हजारीबाग बड़ा बाजार थाना ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. आरोपी मोहम्मद इम्तियाज मुफस्सिल थाना क्षेत्र का रहने वाला है. इस संबंध में पुलिस ने बताया कि अभियुक्त 2017 से फरार था. इस पर बड़ा बाजार थाना में बजरंग दल के लोगों ने आवेदन दिया था. जिस पर कांड संख्या 406/17 के तहत मामला दर्ज किया गया था, जिसको शनिवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है.

कुड़ू में एक बार फिर दिखा अनियंत्रित तेज रफ्तार का कहर

दो अलग-अलग सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत, दो गंभीर

संवाददाता । कुड़ू (लोहरदगा)

खास बातें

- टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइक के परखच्चे उड़ गए
- दोनों कैटरर का काम करते थे, बाइक से गढ़वा जा रहे थे
- पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की

कुड़ू में एक बार फिर तेt रफ़्तार का कहर देखने को मिला. पहली घटना कुड़ू कैरो मुख्य पथ कुड़ू थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दोबा बर टोली के समीप की है जहां शनिवार की दोपहर दो बाइकों के बीच आमने-सामने की भिड़ंत में बाइक पर सवार एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइक के परखच्चे उड़ गए. सूचना मिलने पर पहुंचे थाना प्रभारी बिश्वजीत कुमार सिंह ने एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुड़ू भेजा. जहां चिकित्सक ने एक को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे की हालत गंभीर होने पर रिम्स रांची रेफर कर दिया. मृतकों की पहचान लोहरदगा के कैरो थाना अंतर्गत नगजुवा चरिमा निवासी बजरंग गोप 22 वर्ष पिता किशुन गोप, रूपेश यादव 20 वर्ष पिता महावीर गोप के रूप में हुई. प्राप्त सूचना के अनुसार दोनों कैटरर का करते थे और होंडा एसपी बाइक से गढ़वा जा रहे थे.

वहीं घायल की पहचान कुड़ू थाना क्षेत्र के कोसिमरी रोनिया टोली निवासी निवारण उरांव (18 वर्ष) पिता धनु भगत के रूप में हुई है. निवारण अपनी पैशन बाइक से टाटी की ओर से अपने घर जा रहा था. फिलहाल पुलिस मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है.

वहीं, दूसरी घटना कुड़ू-रांची मुख्य पथ एनएच 75 थाना क्षेत्र के कोकर के समीप की है जहां एक कार की चपेट में आने से फुलसुरी कोठीटोला निवासी संजय मुंडा नामक एक युवक का पैर टूट गया जिसे रिम्स रेफर किया गया.

आओ जानें

प्रतिबिंब ऐप के माध्यम किस जिले से कितने साइबर अपराधी हुए गिरफ्तार

देवघर	103	जामताड़ा	39
धनबाद	08	पाकुड	05
गिरिडीह	41	गोड्डा	02
हजारीबाग	19	गढ़वा	01
जमशेदपुर	04	कोडरमा	06

कुल : 228

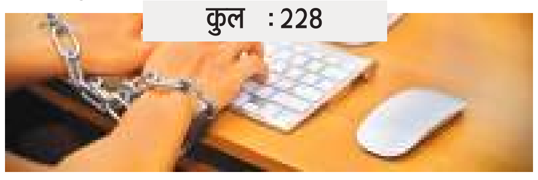

खूंटी की युवती को फोरी में 27 नवंबर को की गई थी हत्या

हत्या कर शव के तीन टुकड़े करने का आरोपी गिरफ्तार हुआ

संवाददाता । गुमला

नाम बदल कर जनजातीय युवती को अपने प्रेम में फंसाने, दुष्कर्म के बाद हत्या करने और शव को तीन टुकड़े कर अलग-अलग कुएं में फेंकने के आरोपी को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया है. ज्ञात हो कि युवती का सिर कटा शव पिछले पांच दिसंबर को सदर थाना क्षेत्र के फोरी गांव के एक कुएं से बरामद किया गया था, जिसका एक हाथ शनिवार को बरामद किया गया है. कुएं से बरामद बैग में मिले आधार कार्ड के आधार पर युवती के पिता से संपर्क किया गया.उनके बयान पर गुमला थाना में कांड दर्ज करते हुए पुलिस ने अनुसंधान जारी रखा और चौथे दिन अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया.

गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ के अनुसार एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी एशान मिर्दाहा उर्फ बादल उर्फ छोटू (22) मूल रूप से फोरी का रहने वाला है. रनिया थाना क्षेत्र की युवती के साथ पहले से जान पहचान थी.

गिरफ्तार एशान के अनुसार मृतका के मोबाइल पर कुछ फोटो ग्राफ था और एशान को ब्लैक मेल कर रही थी. मोबाइल पर उसे ब्लाक भी कर दिया था. एशान गुस्से में आ गया और उसे 27 नवंबर को फोरी बुलाया था. उस दिन फोरी में मेला भी था. युवती को विश्वास में लेकर अभियुक्त एशान कुएं के पास ले गया. युवक के कहने पर युवती ने स्वेच्छा से वस्त्र उतार दिया. इसके बाद उसने उसके साथ ज्यादती की और वहां रखे टांगी से वार कर दिया. बीच बचाव के दौरान उसका एक हाथ कट गया. सिर भी अलग कर दिया. धड़ व सिर को नजदीक के कुएं में तथा सिर को दूर के कुआं में डाल दिया था. अभियुक्त एशान ने अपना दोष स्वीकार किया और अकेले ही युवती की हत्या करने और साक्ष्य छुपाने के लिए कुएं में डालने की जिम्मेवारी ली है. उसके निशानदेही पर पुलिस ने मृतका का बैग व पहना कपड़ा, कटा हुआ हाथ, हत्या में प्रयुक्त टांगी, तीन मोबाइल और बाइक को जब्त किया है. कांड के उद्भेदन में एसडीपीओ मनीष चंद्र लाल, सुदामा राम, संचित कुमार, विवेक चौधरी, मो.मोजतम्मील, निरंजन कुमार सिंह, खुशबू वर्मा, इमानुअल कोनगाड़ी आदि शामिल थे. उनके प्रयास की एसपी ने सराहना की है.

संशय बरकरार

नाबालिग छात्रा लापता, परिजनों ने थाना में आवेदन देकर लगाई गुहार

बेंगाबाद (गिरिडीह) । बेंगाबाद थाना क्षेत्र के सोनबाद पंचायत से एक नाबालिग छात्रा शुक्रवार से लापता है. नाबालिग 9वीं कक्षा की छात्रा है. शुक्रवार दोपहर से ही वह अपने घर से गायब है. शनिवार को छात्रा के परिजन बेंगाबाद थाना पहुंचे और मामले की सूचना पुलिस को दी. इस संबंध में जानकारी देते हुए छात्रा की मां ने बताया कि वह प्राइवेट स्कूल में झाड़ू पोछा का काम करती है. उसके पति मजदूरी करते हैं. शुक्रवार को लगभग 12 बजे उसकी पुत्री घर पर अकेली थी. परिजन जब घर वापस लौटे तो छात्रा घर पर नहीं मिली. बताया गया कि

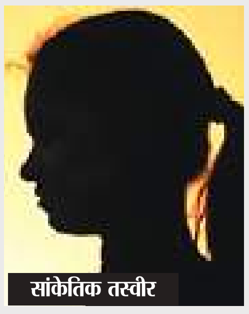

सांकेतिक तस्वीर

छात्रा घर से आधार कार्ड बैंक पासबुक एवं अन्य जरूरी दस्तावेज लेकर निकली है. छात्रा की मां ने गांडेय थाना क्षेत्र के एक युवक पर अपनी बेटी को भगा ले जाने का संदेह व्यक्त किया है.

भाकपा माओवादी का फरार सक्रिय सदस्य गिरफ्तार, भेजा गया जेल

संवाददाता । गुमला

कुरुमगढ़ थाना उड़ाने सहित कई आपराधिक मामलों के वांछित भाकपा माओवादी के सक्रिय सदस्य परवेज आलम 32 वर्ष को पुलिस ने टोटो स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया है. एसपी हरविंदर सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस में गिरफ्तार अभियुक्त की जानकारी देते हुए कहा कि गुमला जिले में उग्रवादी और उग्रवादी समर्थकों के खिलाफ कार्रवाई की लगातार अभियान जारी है. गिरफ्तार अभियुक्त परवेज आलम भाकपा माओवादी का समर्थक रहा है और माओवादियों को सहयोग करने, संवेदकों को डरा धमका कर लेवी लेन, नक्सलियों को पुलिस मूवमेंट की जानकारी देने, विस्फोटक पहुंचाने और नक्सली संगठन को मजबूत बनाने के कई मामले में अपना दोष स्वीकार किया है. इसके खिलाफ कुरुमगढ़, गुमला और घाघरा थाना क्षेत्र में नक्सली गतिविधि से जुड़े होने के मामले दर्ज हैं. प्राथमिकी दर्ज के बाद यह फरार चल रहा था. अभियुक्त के टोटो स्थित घर में होने की गुप्त सूचना के बाद कुरुमगढ़ थाना प्रभारी नीतिश कुमार, पुअनि अमर पोद्दार ने सैट 13 के जवानों के साथ छापामारी की और परवेज आलम को गिरफ्तार कर लिया. शनिवार को उसे जेल भेज दिया गया.

किराना दुकान में लगी आग, लाखों का नुकसान

जमशेदपुर । जमशेदपुर मानगो स्थित आजादनगर गरीब नवाज कॉलोनी स्थित एक किराना दुकान में शनिवार तड़के अचानक आग लग गई. दुकान के अंदर से धुआं निकलता देख स्थानीय लोगों ने संचालक शाहनवाज आलम को फोन कर इसकी जानकारी दी. सूचना पाते ही शाहनवाज अपनी पत्नी के साथ दुकान पहुंचे और दुकान का शटर खोला. उन्होंने पाया कि दुकान के अंदर आग लगी है. उन्होंने अग्निशमन विभाग को सूचित किया. लगभग एक घंटे बाद अग्निशमन विभाग की एक दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास में लग गई पर तब तक सब कुछ जलकर खाक हो गया था. शाहनवाज ने बताया कि उनके स्टोर में लगभग पांच लाख का सामान का जो पूरी तरह से जलकर खाक हो गया है. उन्हे किसी पर शक नही है.

पुलिस मुख्यालय में 143 शिकायतें लंबित, रांची के सर्वाधिक मामले

सौरभ सिंह । रांची

झारखंड पुलिस मुख्यालय में 143 शिकायतें पिछले छह महीने से अधिक समय से निष्पादन के लिए लंबित हैं. पुलिस मुख्यालय अंतर्गत पीजी पोर्टल प्रशाखा में लंबित शिकायतों में रांची की 59, धनबाद की 25 और गिरिडीह की 15 शिकायतें शामिल हैं.

सभी शिकायतें आम लोगों ने झारखंड पुलिस मुख्यालय में दर्ज करायी है.

एसएसपी-एसपी के साथ 13 को आईजी मुख्यालय की समीक्षा बैठक : आईजी मुख्यालय 13 दिसंबर को लंबित शिकायतों के निष्पादन को लेकर रांची, धनबाद, गिरिडीह और साहेबगंज जिलों के एसएसपी और एसपी के साथ समीक्षा बैठक करेंगे. इस संबंध में एसएसपी और एसपी को पत्र लिखा गया है. लिखे पत्र में कहा गया है कि झारखंड पुलिस मुख्यालय के अंतर्गत (1) पीजी-01 (2) पीजी-02 और (3) पीजी पोर्टल प्रशाखा में लंबित शिकायतों के निष्पादन में तेजी के लाने को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा बैठक होगी.

किस जिले के कितनी शिकायतें हैं लंबित

रांची	59	जमशेदपुर	03
धनबाद	25	हजारीबाग	02
गिरिडीह	15	लोहरदगा	02
साहिबगंज	12	पाकुड	02
चतरा	05	पलामू	02
रामगढ़	04	गोड्डा	01
बोकारो	03	सरायकेला	01
गढ़वा	03	सिमडेगा	01
कोडरमा	03	कुल	143

चांडिल में अवैध ढंग से बालू ले जा रहे हाइवा को जब्त कर लिया

संवाददाता । चांडिल

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में बालू का गोरखधंधा थमने का नाम नहीं ले रहा है. शनिवार को सरायकेला-खरसावां जिला के पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार की जानकारी पर तिरुलडीह थाना की पुलिस ने अवैध रूप से बालू ले जाते एक हाइवा को जब्त किया है. पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली थी कि एक हाइवा अवैध रूप से बालू लेकर ईचागढ़ की ओर से तिरुलडीह की ओर जा रहा है. सूचना मिलने के बाद उन्होंने तिरुलडीह थाना प्रभारी को तत्काल छापेमारी करने का निर्देश दिया. इसके बाद तिरुलडीह थाना प्रभारी ने डाटम जंगल के समीप छापेमारी कर बालू लदा हाइवा जब्त किया.

चालक गिरफ्तार, गया जेल : पुलिस ने वाहन को जब्त करने के साथ चालक मुकेश महतो को गिरफ्तार कर लिया. तिरुलडीह थाना प्रभारी ने बताया कि आवश्यक पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे जेल भेज दिया है.

जब्त हाइवा की जानकारी मिलने के बाद कुकडू प्रखंड के प्रभारी अंचल अधिकारी मामले की जांच करने थाना पहुंचे. इसके बाद तिरुलडीह थाना में वाहन मालिक अनु महतो और राहुल रंजन के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई. पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाए जाने के बावजूद बालू कारोबारी अपना गोरखधंधा जारी रखे हुए है. पुलिस बालू कहां से लाया जा रहा था और कहां पहुंचाया जा रहा था, इसकी जांच कर रही है.

बंदियों की नहीं हो रही परिजनों से मुलाकात

धनबाद । जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर अमन सिंह की हत्या के छह दिनों बाद शनिवार को भी बंदियों की उनके परिजनों से मुलाकात पर रोक लगी हुई है. जेल में बंद बंदियों से उनके परिजनों से होने वाली मुलाकात नहीं हो सकी. मुलाकाती के लिए जेल गेट गए परिजन मायूस होकर लौट गए. मुलाकात के लिए गए लोग अपने परिजन का हाल नहीं जान पा रहे हैं, जिससे वह काफी संकोच में पड़े हुए हैं. बता दें कि रविवार को दिन में जेल के अंदर ही अमन सिंह की गोलियों से हुई हत्या के बाद से जेल प्रशासन कड़ाई बरते हुए हैं. किसी भी समान की आवाजाही पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है. कानूनी प्रक्रिया में इस्तेमाल कागजात (वकालतनामा, बेल बॉंड) आदि को छोड़ किसी प्रकार का कोई कागज भी जेल के भीतर नहीं जाने दिया जा रहा है. जेल में हुए अमन सिंह की हत्या के बाद से बंद कैदियों के परिजन भी काफी घबराए हुए हैं. उन्हें अपनों का न हाल मिल पा रहा है और न ही उनसे मुलाकात ही हो पा रही है.

पुलिस ने मवेशियों से लदे दो ट्रकों को पकड़ा, 61 मवेशी जब्त

संवाददाता । गिरिडीह

अवैध धंधेबाजों के खिलाफ गिरिडीह पुलिस सख्त है. ऐसे लोगों के खिलाफ पुलिस तेजी से कार्रवाई कर रही है. चाहे साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी हो, अवैध कोयला कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई हो या पशु तस्करों के खिलाफ कार्रवाई, पुलिस लगातार ऐसे अवैध कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है. इसी उद्देश्य से जिले की बगोदर पुलिस ने शनिवार की सुबह-सुबह पशु तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की.

एसपी दीपक शर्मा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने जीटी रोड से मवेशियों से लदे दो ट्रकों को जब्त किया है. ट्रक पर लदे 61 मवेशी बरामद किये गये हैं. मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है. बरामद मवेशियों को पचंबा गौशाला भेज दिया गया है. गिरफ्तार आरोपियों को जेल भेज दिया गया है.

पुलिस को देख भागने लगे तस्कर

दरअसल, एसपी को गुप्त सूचना मिलने के बाद एसडीपीओ नौशाद आलम के नेतृत्व में एक पुलिस टीम का गठन किया गया. टीम में बगोदर थाना प्रभारी नीतीश कुमार और दो एएसआई जीतेंद्र राम और संजय कुमार समेत बगोदर थाना रिजर्व बल के जवान शामिल थे. वाहनों को पकड़ने के लिए वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया. इसी बीच पशुओं को लेकर बिहार से बंगाल जा रहे ट्रकों के चालकों की नजर जब पुलिस पर पड़ी तो वे तेजी से गाड़ी चलाते हुए भागने लगे. पुलिस को भी शक हुआ और पुलिस ने उनका पीछा किया और दोनों ट्रकों को पकड़कर कब्जे में ले लिया.

लोहरदगा जेल में छापेमारी

प्रशासन की टीम को नहीं मिली जेल से आपत्तिजनक चीजें

लोहरदगा । प्रशासन की टीम ने शनिवार की सुबह लोहरदगा मंडल कारा में छापेमारी की. इस दौरान जेल के कैदी वार्डों की तलाशी ली गई. छापेमारी से जेल में हड़कंप मच गया. प्रशासन की टीम ने गहनता से जेल की जांच की. करीब एक घंटे तक जेल में छापेमारी अभियान चला. इस दौरान डीसी ने जेलर और जेल कर्मियों को कई दिशा निर्देश दिए. वहीं एसपी ने सुरक्षा के बिंदुओं पर जेल कर्मियों से जानकारी ली. लोहरदगा डीसी डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण, एसपी हारिस बिन जमां के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एक घंटे से ज्यादा समय तक पूरे जेल परिसर की जांच की. इस दौरान कैदियों के सामान की भी जांच की गई. इसके अलावा पूरे जेल परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का अवलोकन किया गया. हालांकि जेल की जांच के दौरान पैसा, खैनी सहित छोटे-मोटे समान ही बरामद हुए हैं. किसी प्रकार का आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं किया गया है.

कबूला अमन सिंह हत्याकांड : पांच दिनों की पुलिस रिमांड पर रितेश ने उगले हत्याकांड के राज

रिंकू और आशीष ने मिलकर कराई थी अमन सिंह की हत्या

संवाददाता । धनबाद

अमन सिंह हत्याकांड में रिमांड पर लिए गए आरोपी शूटर रितेश यादव ने वारदात के कई राजों को पुलिस के समक्ष खोल दिया है. रितेश से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस जल्द ही कांड के नामजद अभियुक्त के अलावा कुछ नामों को बतौर साजिशकर्ता के तौर पर प्राथमिकी में जोड़ सकती है. इसमें जेल में बंद सतीश साव, विकास बजरंगी और यूपी के रहने वाले रिंकू सिंह प्रमुख है. हालांकि इनके अलावा भी कई और नाम कांड में शामिल होने की संभावना बनी है. ऐसा माना जा रहा है कि रितेश को फिर से पुलिस रिमांड पर ले सकती है. अमन की हत्या से पूरे झारखंड में हंगामा मच गया था, जेल जैसी सुरक्षित जगह पर अमन को गोलियों से छलनी कर दिया गया. इस वारदात के बाद झारखंड के वरीय पदाधिकारी धनबाद पहुंचे और यहां विधि व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की दिशा में कई सख्त कदम उठाए.

इधर, रितेश को रिमांड पर लेने के बाद पुलिस ने उससे पूछताछ की. रितेश ने खुलासा कर दिया कि वारदात में अमन के शार्गिद रहे आशीष रंजन उर्फ छोटू और रिंकू सिंह की भूमिका है. रंगदारी का पैसा और वर्चस्व की लड़ाई में अमन को रास्ते से हटाने का काम किया गया है. रितेश के खुलासे के बाद पुलिस वारदात के मास्टरमाइंड के खिलाफ साक्ष्य एकत्र करने में जुट गई है.

कई और नाम हो सकते हैं शामिल

वारदात के वक्त जेल अस्पताल में थे चार लोग : वारदात के वक्त जेल की फुटेज खंगालने पर यह पाया गया है कि उस वक्त अमन के अलावा तीन अन्य लोग भी जेल अस्पताल में मौजूद थे. इनमें से एक अमन की मालिश कर रहा था. जबकि दो अन्य अस्पताल की बेड पर लेटा हुआ था. फुटेज में देखा गया कि रितेश बड़े आराम से अस्पताल वार्ड में पहुंचा. उसने पैर दबाने वाले को वहां से निकलने का इशारा किया. इशारा पाते ही पैर दबाने वाला वहां से उठकर चला गया. इसी के साथ अस्पताल वार्ड में दो अन्य भी इशारा पाते ही निकल गए. इसके बाद रितेश अमन की बेड की तरफ पहुंचा और बिल्कुल पास से उसके सिर पर गोली मारी. एक-एक कर कई गोलियां सिर पर मारी गई. फिर पेट में भी गोलियां मारी और बड़े आराम से वहां से निकल गया. वार्ड से बाहर के फुटेज में दो अन्य लोगों को वारदात के बाद रितेश के साथ देखा गया. गोली मारने से पूर्व अमन के साथ वहां मौजूद जो लोग थे, उनकी गवाही पुलिस के लिए काम की हो सकती है.

धारा 120बी साबित करना भी चुनौती है

धनबाद । पुलिस के लिए इस कांड में जेल से बाहर रहने वाले दो शातिरों के खिलाफ धारा 120बी के तहत अप्राथमिकी अभियुक्त बनाना और फिर उसे सजा तक ले जाना काफी चुनौतीपूर्ण होने वाला है. क्योंकि जेल की फुटेज में रितेश को अकेले की गोलियां चलाते देखा गया है. इस कारण मोबाइल, पिस्टल और फिर कई अन्य महत्वपूर्ण सबूतों के आधार पर ही पुलिस छोटू और रिंकू को दबोच सकती है.

अमन हत्याकांड के शूटर की रिमांड खत्म, वापस जेल भेज दिया गया

धनबाद । चर्चित गैंगगस्टर अमन सिंह को जेल में गोली मारने के आरोपी ग्राम चांदपुर थाना देल्हूपुर जिला प्रतापगढ़ यूपी निवासी रितेश यादव उर्फ सुंदर महतो को पुलिस ने शनिवार को दोपहर बजे कोर्ट में पेश किया. कांड के अनुसंधानकर्ता विनय कुमार ने रितेश को धनबाद के प्रभारी मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजीव त्रिपाठी की अदालत में पेश किया. पेशी के दौरान रितेश ने अदालत से मारपीट की कोई शिकायत नहीं की, न ही पुलिस द्वारा थर्ड डिग्री इस्तेमाल किए जाने की बात कही और खुद को स्वस्थ बताया. वहीं, पुलिस ने कोर्ट को बताया कि रितेश से पूछताछ पूरी हो चुकी है. मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत ने रितेश को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया. रितेश को पुलिस ने तीन दिसंबर को धनबाद जेल में ही शूटर के तौर पर चिह्नित किया था. जिसके बाद रिमांड पर लेकर उससे पूछताछ की गई.

पुलिस ने चलाया सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान

डोमचांच (कोडरमा) । थाना अंतर्गत गिरिडीह कोडरमा मुख्य मार्ग पर सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत पुलिस ने थाना क्षेत्र में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया. वहीं आम जनता से लेकर छात्र-छात्राओं को भी जागरूक किया गया. इस दौरान पुलिस ने थाना क्षेत्र के थाना परिसर में लोगों को सड़क सुरक्षा के निर्देशों से अवगत कराया और लोगों को जागरुक करते हुए पुलिस ने कहा की बिना हेलमेट, बिना ड्राइविंग लाइसेंस और ट्रिपल लोड में वाहन नही चलाएं तथा तेज गति व शराब पीकर गाड़ी नहीं चलाने का निर्देश दिया. साथ ही सीट बेल्ट लगाकर चार पहिया वाहन चलाएं. इस दौरान मौके पर एएसआई नीरज कुमार, ललू राम, शंभू रजक समेत कई पुलिस के जवान मौजूद रहे.

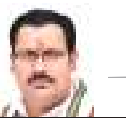

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय अच्छा है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. जीवन सुखमय व्यतीत होगा. प्रसन्नता तथा उत्साह से ओत-प्रोत रहेंगे. पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा. चोट-रोग व चोरी-विवाद से बचें. यात्रा लंबी तथा मनोरंजक रह सकती है.

वृषभ मानसिक तनाव से बचें. लेन-देन में जल्दबाजी व लापरवाही न करें. भावनाओं को वश में रखें. मन की बात किसी को न बतलाएं. प्रतिष्ठा में कमी हो सकती है. जल्दबाजी से चोट लग सकती है. कुसंगति से बचें.

मिथुन संतान से लाभ का योग है व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. प्रमाद न करें. बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी. दिन का इंजॉय करें

कर्क शुभ समाचार प्राप्त होंगे. घर में अतिथियों का आगमन होगा. व्यय बढ़ेगा. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. कोई बड़ा काम करने तथा यात्रा पर जाने का मन बनेगा. आय बनी रहेगी. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी. भेंट व उपहार देना पड़ सकते हैं.

सिंह पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. कारोबारी कामकाज चलते रहेंगे. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. सुख के साधन जुटेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी. मित्रों का साथ मिलेगा. प्रयास सफल रहेंगे. अन्न दान करें.

कन्या पुराने रोग को नजरअंदाज न करें. व्यय होगा. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी. शत्रु पीठ पीछे षड्यंत्र रच सकते हैं. प्रियजनों के साथ रिश्तों में खटास आ सकती है.

तुला सृजनशीलता का विकास होगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. व्यापार-व्यवसाय सुखद रहेगा. जल्दबाजी न करें. शारीरिक कष्ट संभव है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. संतान संबंधी बुरी सूचना प्राप्त हो सकती है.

वृश्चिक जीवनसाथी का सुख सहयोग मिलेगा. पार्टनरों तथा मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं. बातचीत में संयम रखें.

धनु परिवार में कोई मांगलिक कार्य हो सकता है. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी.

मकर लाभ के अवसर हाथ आएंगे. जीवनसाथी की चिंता रहेगी. घर में सुख-शांति बनी रहेगी. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. विवेक से कार्य करें, लाभ होगा. किसी धार्मिक स्थल के दर्शन का कार्यक्रम बन सकता है.

कुंभ नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है. थकान व कमजोरी रह सकती है. विरोधी सक्रिय रहेंगे. ऐश्वर्यादि पर खर्च होगा. यश बढ़ेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नए काम मिल सकते हैं. आर्थिक वृद्धि के लिए योजना बनेगी.

मीन विवाद को बढ़ावा नहीं दें. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. किसी व्यक्ति के व्यवहार से क्लेश होगा. आय होगी. जोखिम न उठाएं. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें. अनहोनी की आशंका निर्मूल नहीं हो सकती है.

गैरमजरुआ जमीन को लेकर आदिवासी संगठनों की बैठक

रांची। कांके प्रखण्ड के जयपुर पंचायत प्रेम नगर में गैरमजरुआ (आम)जमीन बचाने को लेकर आदिवासी संगठनों का एक दिवसीय बैठक हुई. अध्यक्षता करते हुए मनीष तिग्गा ने कहा कि राजधानी में जमीन कारोबारी सक्रिय हैं और फर्जी कागजात बनाकर गैरमजरुआ जमीन को हड़पने की कोशिश की जा रही है. झारखण्ड समन्वय समिति के संयोजक लक्ष्मीनारायण मुण्डा ने कहा कि जमीन बचाने के लिए आदिवासी समाज को एकजुट होना होगा. तभी जल ,जंगल और जमीन बचेगी.आदिवासी जन परिषद् का केन्द्रीय अध्यक्ष प्रेम शाही मुण्डा ने कहा कि झारखण्ड राज्य में आदिवासी मुख्यमंत्री हैं. इसके बावजूद आदिवासियो की जमीन लूटी जा रही है. राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के रवि तिग्गा, कांके रोड सरना समिति के अध्यक्ष डब्लू मुण्डा ने भी विचार व्यक्त किया.

माही ने बेहतर शैक्षिक प्रदर्शन के लिए मॉडर्न स्कूलों को किया सम्मानित

रांची। मौलाना आजाद ह्यूमन इनिशिएटिव (माही) की ओर से आयोजित शैक्षिक एवं सांस्कृतिक मेले में बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्कूलों एवं विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जा रहा है. शनिवार को हिंदपीढ़ी के मॉडर्न इंग्लिश स्कूल के निदेशक राजकुमार सिंह को तस्वीर व स्कूल पार्टिसिपेशन अवार्ड एवं विद्यार्थियो, मंच संचालन के लिए जाकिर कमाल को सम्मानित किया गया. मौके पर आईटी विशेषज्ञ सरफराज अहमद ने कहा कि हम अपनी मेहनत और लगन से सपनों को साकार कर सकते हैं. पत्रकार मुस्तकीम आलम ने कहा कि कमियों को अनदेखा कर सपनों को साकार करने में जुट जाएं. मौके पर उपाध्यक्ष हाजी नवाब, अशफाक गुडडू, नैय्यर परवेज, शिक्षिका शालु अंसारी समेत विद्यार्थी शामिल थे.

आयोजन : गोस्सनर थियोलॉजिकल कॉलेज के हॉल में हुआ मिलन कार्यक्रम

यहोवा सालोम ने मनाया जागृति क्रिसमस समारोह

संवाददाता ।रांची

यहोवा सालोम रांची के तत्वावधान में शनिवार को गोस्सनर थियोलॉजिकल कॉलेज के हॉल में एक दिवसीय जागृति क्रिसमस समारोह का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अगस्टीन जेबाकुमार और उनकी टीम समारोह में मौजूद थे. उन्होंने अपने संदेश में कहा कि हमारी सेवा की उम्र खत्म नहीं होती. अपने संदेश के माध्यम से उन्होंने सेवा कार्यों के लिए बुजुर्गों को प्रोत्साहित किया. उन्होंने कहा कि परमेश्वर के बलिदान को याद करेगें तो क्रिसमस में जश्न नहीं मनाएंगे, उनके बलिदान को याद कर रोएंगे. साथ ही क्रिसमस के लेकर उन्होंने कहा कि लोगों के जीवन में बदलाव आए, लोग बुराई से अच्छाई की और प्रेरित हों. इस मौके पर एक नाटक की प्रस्तुति की गई, जिसमें यह प्रदर्शित किया गया कि किस तरह से लोग आज क्रिसमस ठीक से नहीं मना पा रहे हैं. कलीसिया में 4 लोग आकर कलीसिया तोड़ने का काम कर रहे हैं. किस तरह हमें उनसे बच कर रहना है और क्रिसमस अच्छे से मनाना हैं. कार्यक्रम में सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे. कार्यक्रम में सुंदर जॉर्ज, जॉन टोप्पो, जयवंत तिर्की, माइकल कच्छप, जुनुल कुंकल , डेविड डेनियल तिर्की, असीम तिर्की , विवेक विशाल लकड़ा, संजय टोप्पो एवं अन्य उपस्थित रहे.

गोस्सनर थियोलॉजिकल कॉलेज के हॉल में आयोजित जागृति क्रिसमस समारोह में डॉ. अगस्टीन जेबाकुमार एवं विश्वासी.

नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ का पांचवां दीक्षांत समारोह

केवल डिग्री का नहीं, नये अध्याय की शुरुआत का दिन है आज : राज्यपाल

संवाददाता।रांची

दीक्षांत समारोह का जीवन में गहरा महत्व है. आज केवल डिग्री लेने का दिन नहीं, बल्कि एक नये अध्याय की शुरुआत का दिन है. हमारे खूबसूरत राज्य झारखंड के केंद्र में एनयूएसआरएल है, जो आशा की किरण है. यहां के छात्रों को देखकर बहुत खुशी हो रही है. यहां के छात्रों ने न केवल विश्वविद्यालय, बल्कि राज्य का भी मान बढ़ाया है. इस आशय का उद्गार शनिवार को झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ के 5वें दीक्षांत समारोह में व्यक्त किया.

धुर्वा स्थित ज्यूडिशल एकेडमी में आयोजित दीक्षांत समारोह में उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले दिनों में इस विश्वविद्यालय के छात्र महत्वपूर्ण योगदान देंगे. उन्होंने नेल्सन मंडेला का उदाहरण देते हुआ कहा कि शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है. आपकी शिक्षा बहुत आगे तक फैली हुई है. आपको न केवल अदालत कक्ष के लिए तैयार किया गया है, बल्कि जीवन के हर पहलू के लिए जहां न्याय के सिद्धांत हैं, वहां आप खरा उतरेंगे. एक उदेश्य के भावना के साथ कानून का अभ्यास करें. समारोह में इंटीग्रेटीव एलएलएम के सत्र 2018-23 का 116 डिग्रियां, एलएलएम सत्र 2022-23 के लिए 38 डिग्रियां और पीएचडी के 157 छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं.

नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ के कुलपति प्रो. अशोक आर पाटील ने विश्वविद्यालय के रिपोर्ट पढ़ते हुए कहा कि नए केंद्रों की स्थापना की बात कही. इंटर्नशिप, प्लेसमेंट, शैक्षणिक गतिविधि और अन्य गतिविधियों के बारे में बताया. आगामी पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कार्यक्रम के बारे में भी जानकारी दी. अपनी रिपोर्ट में छात्र और संकाय की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया. दीक्षांत समारोह में शामिल झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस सह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संजय मिश्रा ने गणमान्य व्यक्तियों, संकाय सदस्यों, अभिभावकों और का गर्मजोशी से स्वागत किया. स्नातक छात्र. छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों पर अत्यधिक गर्व व्यक्त करते हुए उन्होंने माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की. उन्होंने कहा कि किसी राष्ट्र की उन्नति के आनुपातिक होती है जनता के बीच शिक्षा और बुद्धि का प्रसार. उन्होंने कानून का शासन स्थापित करने में कानूनी शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया, सामाजिक-आर्थिक न्याय को बढ़ावा देना, और एक न्यायसंगत, न्यायसंगत और प्रगतिशील समाज में योगदान देना.

आईआईटी आइएसएम के 98वां स्थापना दिवस समारोह

अच्छी शिक्षा से मिट सकती है अमीरी-गरीबी की विसंगति

धनबाद। झारखंड सबसे अमीर राज्य है लेकिन यहां के निवासी सबसे गरीब हैं. यह विसंगति केवल अच्छी शिक्षा से ही दूर की जा सकती है. अमीरी-गरीबी की यह विसंगति दूर करने में स्थानीय संस्थानों की भागीदारी महत्वपूर्ण हो जाती है. आईआईटी जैसे संस्थानों में स्थानीय लोगों को बराबर का मौका मिलना चाहिए. उच्च शिक्षण संस्थानों में ऐसे मानक तय हो और ऐसा माहौल बने की सभी बैकग्राउंड के बच्चों को अच्छी उच्च शिक्षा मिल सके. यह बातें झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कही. वे आईआईटी आईएसएम के 98वें स्थापना दिवस के अवसर पर जीजीएलटी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थी और एल्यूमिनी अपने पारिवारिक जीवन से ऊपर उठकर समाज को क्या दे सकते हैं, ऐसी सोच विकसित करें. यही उनके शिक्षण की सच्ची सफलता होगी.

कार्यक्रम में 73 अचीवर्स किये गए सम्मानित : स्थापना दिवस समारोह के दौरान स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी सर्वे के अनुसार विश्व के दो प्रतिशत टॉप वैज्ञानिकों में शामिल आईआईटी आईएसएम के 30 वैज्ञानिकों को सम्मानित किया गया. 16 रिसर्च स्कॉलर्स को इंद्रमोहन थापर रिसर्च अवॉर्ड, 25 वर्षों की सेवा पूरी करने वाले 11 शिक्षकों और शिक्षकेतर कर्मचारियों को लॉन्ग सर्विस अवार्ड से सम्मानित किया गया. इसके अलावा तीन फैकल्टी मेंबर को स्पेशल कैटिगरीज अवार्ड, चार फैकल्टी मेंबर्स को वूमेन अचीवर्स अवार्ड, विद्यार्थियों के तीन ग्रुप को स्टूडेंट अचीवर्स अवार्ड और सात रेसिपीएंट्स को पीएमआरएफ अवार्ड से सम्मानित किया गया.

इसके पूर्व कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि सांसद पशुपतिनाथ सिंह, आईआईटी आईएसएम के चेयरपर्सन प्रो प्रेम व्रत, एलुमनी वीके अरोड़ा ने संबोधित किया. संस्थान के निदेशक प्रो जेके पटनायक ने सभी का स्वागत किया. साथ ही संस्थान के 98 वर्ष के सफर के विषय में बताया. मंच संचालन कॉरपोरेट कम्युनिकेशन की डीन प्रो रजनी सिंह ने किया. इस अवसर पर संस्थान के उपनिदेशक प्रो धीरज कुमार, डीन फैकल्टी प्रो एस चटर्जी के साथ अन्य मौजूद थे.

एक्सआईएसएस ने किया प्रतियोगिता का आयोजन

रांची । ज़ेवियर समाज सेवा संस्थान(एक्सआईएसएस) की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) ने शुक्रवार को कंप्लायंस इन एक्शन आईसीसीचैलेंज- नैविगैटिंग वर्क प्लेसरेस्पेक्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिसमें जैज़स्टार, ज स्टि टिय ाओ म्निब स , कल्चरकैटलिस्ट, द ब्रेनी ब्रिगेड और पायनियर्स नाम की कुल 5 टीमों ने भाग लिया, जिनमें से प्रत्येक टीम में 6-8 सदस्य शामिल थे. टीमों ने कार्यस्थल पर उत्पीड़न के मामलों की प्रस्तुति दी.

जमशेदपुर की बेटी लॉ यूनिवर्सिटी में गोल्ड मेडलिस्ट

संवाददाता ।जमशेदपुर

राजधानी रांची स्थित नेशनल यूनिवर्सिटी फॉर स्टडीज एंड रिसर्च इन लॉ (नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी) का दीक्षांत समारोह शनिवार को झारखंड ज्यूडिशियल एकेडमी के परिसर में संपन्न हुआ. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, विशिष्ट अतिथि यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति सह झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मिश्र उपस्थित थे. समारोह में एलएलएम (कंस्टीच्यूशनल लॉ) की टॉपर

जमशेदपुर की बेटी शिल्पा शिवांगी को गोल्ड मेडल प्रदान किया गया. यह मेडल राज्यपाल व यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति ने उसे प्रदान किया. शिल्पा की स्कूलिंग चिन्मया विद्यालय बोकारो, बीबीए एलएलबी सिंबोसिस इंटरनेशनल लॉ यूनिवर्सिटी पुणे से हुई है. उसने लूथरा एंड लूथरा नई दिल्ली एवं रांची में सीनियर एडवोकेट इंद्रजीत सिन्हा के अधीन इंटर्नशिप की है. शिल्पा जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ अमर सिंह की पुत्री है. बताया जाता है कि शिल्पा शुरू से ही मेधावी छात्रा रही है. इस उपलब्धि पर संस्थान के साथ ही शिल्पा के परिवार में भी खुशी का माहौल है.

आओ जानें

झारखंड के जलप्रपात-तीन

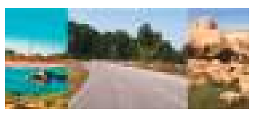

नागफेनी जलप्रपात : यह जलप्रपात गुमला जिले में स्थित है. नागफेनी नामक स्थान में स्थित होने के कारण इसका नाम नागफेनी जलप्रपात पड़ा. इसकी जलधारा अधिक ऊंचाई से नहीं गिरती फिर भी इसके आस पास का हरा-भरा दृश्य पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है.

सदनीघाघ जलप्रपात : यह जलप्रपात गुमला जिले में स्थित है. यह जलप्रपात शंख नदी पर स्थित है, जिसकी ऊंचाई लगभग 60 मीटर है. इसकी जलधारा अधिक ऊंचाई से नहीं गिरती फिर भी इसके आस पास के दृश्य आकर्षक और दर्शनीय हैं. यह एक अच्छा पिकनिक स्पॉट है.

गुरसेंधु जलप्रपात : यह जलप्रपात गढ़वा जिले में स्थित है. जो रंका अनुमंडल में स्थित है. इस जलप्रपात की जलधारा के गिरने ऊंचाई अधिक नहीं है. इसके बावजूद इसके आस पास का दृश्य रमणीय हैं और पर्यटकों का मन मोह लेने की क्षमता रखते हैं.

गूंगाझझ जलप्रपात : यह जलप्रपात गढ़वा जिले में स्थित है. इसकी जलधारा अधिक ऊंचाई से नहीं गिरती फिर भी इसके आस पास का दृश्य पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है.

न्यूज अपडेट

मिसेज इंडिया डॉ मंजरी प्रिया गुप्ता से मिले बाबूलाल मरांडी

रांची । अपनी कड़ी मेहनत दृढ़ इच्छा शक्ति और अपने विश्वास के बल पर रांची की बेटी मंजरी प्रिया गुप्ता ने एक मुकाम हासिल किया है. रांची के संत जेवियर कॉलेज से ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करने वाली मंजरी प्रिया गुप्ता गोल्ड मेडलिस्ट रही हैं. मंगलवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने डॉ मंजरी प्रिया गुप्ता से मुलाकात की. इस दौरान बाबूलाल मरांडी ने उन्हें शुभाशीष देते हुए कहा कि वह महिला सशक्तीकरण का बेहतरीन उदाहरण है. डॉ. मंजरी प्रिया गुप्ता ने बाबूलाल मरांडी से मुलाकात के दौरान कहा कि वह देश की सेवा करना चाहती हैं. महिलाओं के उत्थान के लिए काम कर रही हूं. आगे काम करना चाहती हूं. महिलाओं हर काम कर सकती हैं, पर इसके लिए दृढ़ निश्चय की जरूरत है. देश सेवा शिक्षा दर बढ़ाकर भी की जा सकती है. बताते चलें कि डॉ मंजरी प्रिया गुप्ता मिसेज इंडिया वर्ल्ड वाइड 2021 दुबई की विजेता हैं. संयुक्त राष्ट्र से मानद डॉक्टरेट, विश्व मानवाधिकार संरक्षण आयोग की सक्रिय सदस्य हैं. उन्हें सरकार द्वारा भारत गौरव सम्मान सहित 30 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है. ऑफ इंडिया, टाइम्स ऑफ इंडिया और प्रसिद्ध डॉ. किरण बेदी द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है. वह वर्तमान में एक प्रमुख फिन टेक कंपनी में निदेशक के रूप में कार्यरत हैं. वह रांची की रहने वाली है और वर्तमान में बेंगलुरु में कार्यरत हैं.

चार दिवसीय क्रिसमस गैदरिंग 19 से

रांची। पल्ली काथलिक सभा की खेल समिति के तत्वावधान में लोयला मैदान में चार दिवसीय क्रिसमस गैदरिंग व मेले का आयोजन किया जाएगा. कार्यक्रम 19 से 22 दिसम्बर तक होगा. आयोजन दोपहर 12 से रात 9 बजे तक चलेगा. मेले में क्रिसमस कैरोल, बैंड परफॉर्मेंस, चिल्ड्रेन फन जोन, खाने पीने और अन्य वस्तुओं के क्रय विक्रय के लिए स्टॉल भी लगाया जाएगा. इस मौके पर पल्ली पुरोहित ने बताया कि प्रभु हमारे द्वारा इस वर्ष प्रेम , शांति, सदभाव के साथ आगमन काल में तैयारी करने का मौका दिया है.

स्विट्जरलैंड की महिला ने बच्चों को दिए कंबल

डालटनगंज । डालटनगंज पल्ली में शनिवार को पंडित नेहरू मिडिल स्कूल के 500 बच्चों के बीच कंबल का वितरण किया गया. इस अवसर पर रांची धर्मप्रांत साहयक बिशप थियोडोर मास्करेन्हास ने कहा कि स्विट्जरलैंड की महिला अन्ना बियोन्डी ने अपनी सेवानिवृत्ति के पैसों से झारखंड के बच्चों के बीच कंबल का वितरण कराया. फादर सिंपिलसियुस विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने बिशप एवं अन्य अतिथियों का स्वागत किया. कंबल वितरण के लिए बिशप के अलावा फादर अमरदीप, रांची महाधर्मप्रांत के फादर आशित, फादर विनय और फादर वाल्टर उपस्थित थे.

थर्ड जेंडर गोमो में पांच दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आज से, कई राज्यों से पहुंचे प्रतिनिधि

अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने को तैयार है किन्नर समाज

संवाददाता।गोमो

अखिल भारतीय किन्नर समाज अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने को तैयार है, जिसकी रूपरेखा जल्द ही तैयार कर ली जाएगी. इसी संदर्भ में अखिल भारतीय किन्नर समाज की झारखंड प्रदेश इकाई के तत्वावधान में 10 दिसंबर से धनबाद जिले के रेल नगरी गोमो स्थित अतिथि पैलेस में किन्नर समाज के राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा. यह पांच दिवसीय सम्मेलन आगामी 14 दिसंबर तक चलेगा. इस सम्मेलन में झारखंड प्रदेश के अलावा उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा आदि विभिन्न राज्यों से किन्नर समाज के प्रतिनिधि भाग लेने के लिए गोमो पहुंचे रहे हैं. सम्मेलन की सभी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं.

किन्नर समाज के सम्मेलन की तैयारी अंतिम चरण में. इन्सेट में छमछम देवी

कार्यक्रम के संबंध में झारखंड प्रदेश किन्नर समाज की अध्यक्ष छम छम देवी ने बताया कि सम्मेलन पांच दिवसीय है, जिसमें भाग लेनेवाले प्रतिनिधि अपने-अपने राज्यों में किन्नरों से संबंधित विभिन्न समस्याओं को रखेंगे. फिर उन समस्याओं पर गहन विचार विमर्श किया जाएगा और उसके अनुरूप आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी. उन्होंने बताया कि यह सम्मेलन बहुत ही महत्वपूर्ण है, जिसमें बहुत सारे मुद्दों को मंच पर रखा जाएगा. उन्होंने किन्नर समाज के प्रति सरकार और उसके तंत्र की ओर से उपेक्षात्मक रवैया अपनाने पर रोष व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार द्वारा किन्नरों को थर्ड जेंडर का दर्जा तो दे दिया गया है, लेकिन हमारी अन्य समस्याओं के समाधान की दिशा में कोई और प्रयास नहीं किया गया. ऐसा लगता है कि सरकार व्यवहार में किन्नर समाज के लोगों को मनुष्य भी मानने को तैयार नहीं है, जबकि एक किन्नर के दिलोदिमाग में भी वैसी ही संवेदना होती है, जैसी आम आदमी के मन में. किन्नर समाज में जीवन-यापन के लिए भी आम आदमी से अधिक समस्याएं हैं. सम्मेलन में इससे जुड़े और भी अनेक मुद्दों पर चर्चा होगी.

दिवंगत प्रमुख मंजू देवी का चालीसवां भी मनेगा

साथ ही समाज के प्रमुख रहे मंजू देवी के निधन का चालीसवा भी मनाया जायेगा. किसी एक को प्रमुख की ताज पोसी की जायेगी. आम लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध इस पांच दिवसीय सम्मेलन में केवल किन्नर समाज के लोग ही भाग ले सकेंगे. वहां अन्य व्यक्तियों के प्रवेश पर कड़ा प्रतिबंध घोषित कर दिया गया है. हरिहरपुर थाना प्रभारी विनोद कुमार शनिवार को सदल बल सम्मेलन स्थल पर पहुंचे एवं वहां सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लिया.इसके साथ ही आयोजन समिति एवं सुरक्षा गार्ड को सुरक्षा से संबंधित दिशा निर्देश दिए.

कडरू पेरिश के सदस्यों ने कंबल और खाद्यान्न बांटे

रांची। सीएनआई हॉली ट्रिनिटी चर्च कडरू पेरिश की ओर से शनिवार को खूंटी के सुदूर गांव सैदबा डौडीह में सहायता शिविर लगाया गया. इस शिविर में तीन गांवों के 100 परिवारों को अनाज, कंबल एवं वस्त्र प्रदान किये गये. शिविर में अनाज के रूप में आटा, तेल, दाल, चीनी, बिस्कुट, साबुन, नमक, चायपत्ती आदि प्रदान किये गये. साथ ही बच्चों से लेकर बड़ों तक के लिए वस्त्रों का वितरण किया गया. इस शिविर को सफल बनाने में रेव्ह सिकन्दर नाग, प्रवीण तिर्की, अनहिरण कुजूर, मनोज तिग्गा, अनुज तिग्गा, मनोहर तोपनो, नोवेल कच्छप, जसमीन टोप्पो, स्नेहलता कुजूर, मेडलीन तिर्की, रीता हेमरोम, माइकल पन्ना आदि पेरिश सदस्यों का मुख्य योगदान रहा.

मुस्लिम लॉ में उत्तराधिकारी व विवाह पर 13 को सेमिनार

संवाददाता।रांची

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के तत्वावधान में 13 दिसंबर को गोस्सनर कॉलेज के थियोलॉजिकल हाल में सेमिनार का आयोजन किया जाएगा. सेमिनार का विषय है 'मुस्लिम लॉ में उत्तराधिकारी एवं परिवारिक विवाह.' सेमिनार के मुख्य अतिथि झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश डॉ एसएन पाठक होंगे, अध्यक्षता ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी करेंगे. विशिष्ट अतिथि एक्सआईएसएस के निदेशक मरियानुस कुजूर होंगे. इस आशय की जानकारी शनिवार को अंजुमन रहमानिया मोसाफिर खान में कार्यक्रम के कॉन्वेनर अधिवक्ता ए अल्लाम, को कॉन्वेनर मुमताज खान ने दी. उन्होंने बताया कि इसके अध्यक्ष डॉ मजीद आलम एवं कन्वेनर अधिवक्ता ए आलम होंगे. सेमिनार में मुस्लिम लॉ में विरासत कानून पर व्याख्यान होगा, जिसमें झारखंड के वरीय अधिवक्ता, न्यायाधीशगण, न्यायविद एवं काजी साहब भाग लेंगे लोगों को जानकारी देंगे. मौके पर उच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता ए अललाम, को कन्वेनर मताज अहमद खान, एके रसीदी, रियाज शरीफ सचिव, अधिवक्ता अजहर खान, अधिवक्ता हाफीजुद्दीन अंसारी, अधिवक्ता मजहरूल हक, अधिवक्ता अब्दुल रऊफ अंसारी, अधिवक्ता गुफरान खान, अधिवक्ता हिमायू रशीद, अधिवक्ता सलीम इब्राहिम खान, अधिवक्ता नसर इमाम, अधिवक्ता सुल्तान खान शामिल थे.

- झारखंड के सभी जिलों में बड़ी संख्या में रहते हैं बांग्लाभाषी
- बांग्ला की उपेक्षा से बंगालियों में सरकार के प्रति आक्रोश पनपा
- रेलवे स्टेशनों में फिर से लगाए जाएं बांग्ला में लिखे गए बोर्ड
- स्कूलों में बांग्ला भाषा की पढ़ाई शुरु की जाए, शिक्षकों की हो बहाली
- राज्य में शीघ्र बांग्ला अकादमी का गठन करे राज्य सरकार

बंग समुदाय ने उठायी भाषा- संस्कृति को प्राथमिकता की मांग, कल धरना

बांग्लाभाषियों का हक दे सरकार

झारखंड के सभी जिले में बड़ी संख्या में बांग्लाभाषी लोग रहते हैं. लेकिन उनकी भाषा और संस्कृति को लेकर राज्य सरकार की उदासीनता से वे दुखी हैं. वे कहते हैं कि सरकारी स्तर पर बांग्ला भाषा को न तो तरजीह मिलती है, न ही बांग्ला भाषा संस्कृति को समृद्ध करने को लेकर सरकार संवेदनशील है. इससे बांग्लाभाषियों में थोड़ा आक्रोश भी है. अविभाजित बिहार के समय रेलवे स्टेशनों पर बांग्ला भाषा में भी स्टेशनों के नाम लिखे थे. पर झारखंड बनने के बाद इसे मिटा दिया गया या फिर लगे बोर्ड हटा दिए गए. इसे बंगाली समुदाय अपना अपमान मान रहा है. बांग्ला भाषा-संस्कृति के मान सम्मान और उससे जुड़ी जायज मांग को लेकर बंगाली समुदाय समय समय पर अपनी आवाज बुलंद करता रहा है. लेकिन सरकारी स्तर पर इसे नकारा जाता रहा है. समुदाय ने एक बार फिर भाषा-संस्कृति को लेकर आवाज उठाई है. कल राजभवन के समक्ष अपनी मांगों के समर्थन में वे धरना देंगे. उनकी मांग है कि राज्य के विद्यालयों में बांग्ला भाषा की पढ़ाई हो, इसके लिए शिक्षकों की बहाली की जाए, राज्य में बांग्ला अकादमी का गठन हो और सरकारी स्तर पर बांग्ला भाषा संस्कृति की रक्षा के लिए पहल की जाए. शुभम संदेश की टीम ने राज्य के विभिन्न जिलों में इस संदर्भ में बांग्लाभाषियों से बात की है. पेश है रिपोर्ट.

लातेहार

स्कूलों में बांग्ला की पढ़ाई हो: असीम बाग

शहर के रेलवे स्टेशन निवासी और बाग टियर के संचालक असीम कुमार बाग ने झारखंड के स्कूलों में बांग्ला पुस्तक व शिक्षकों की बहाली की वकालत की है. उन्होंने कहा है कि झारखंड में काफी संख्या में बंगाली भाषा के लोग रहते हैं. रांची, जमशेदपुर, बोकारो व धनबाद समेत तमाम बड़े शहरों में काफी संख्या में बंगाली परिवार रहते हैं. सरकारी बैंक व रेलवे में अधिकांश कर्मचारी बंगाली हैं. उनके बच्चों के लिए विद्यालयों में बांग्ला पुस्तक व बांग्ला शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए.

बांग्ला अकादमी का गठन होना चाहिए: देवाशीष

बीमा अभिकर्ता देवाशीष कुमार ने कहा कि झारखंड के बांग्लाभाषी चाहते हैं चाहते हैं कि झारखंड में भी बांग्ला अकादमी का गठन होना चाहिए. झारखंड व बिहार पहले बंगाल का ही हिस्सा था. 22 मार्च 1911 को बंगाल से अलग हुआ था. इस कारण झारखंड में काफी संख्या में बंगाली समुदाय के लोग रहते हैं. उनकी हितों की भी रक्षा होनी चाहिए. स्कूलों में भी बांग्ला की पढ़ाई होनी चाहिए.

रेलवे स्टेशनों का नाम भी बांग्ला में लिखा जाए: दीपा

गृहिणी दीपा टैगोर ने कि झारखंड में भी रेलवे स्टेशनों का नाम बांग्ला में भी लिखा जाना चाहिए. बंगाल से झारखंड में काफी संख्या में टूरिस्ट एवं अन्य लोग ट्रेनों से आते जाते हैं. ऐसे में रेलवे स्टेशनों में बांग्ला में नाम लिखे जाने से ऐसे टूरिस्ट को काफी सहुलियत होगी. खास कर कोलकाता जाने आने वाली रूटों में रेलवे स्टेशनों का नाम तो बांग्ला भाषा में लिखा ही जाना चाहिए.

बेड़ो

हमें सिर्फ वोटर के रूप में इस्तेमाल न करे सरकार : चायना देवघरिया

बेड़ो की गृहणी चायना देवघरिया ने कहा कि हमारे बच्चों और हमारी आने वाली पीढ़ी को बांग्ला भाषा की पढ़ाई लिखाई की सुविधा नहीं है. हमारा परिवार बिहार, बंगाल के विभाजन के पूर्व से यहां रहते आ रहे हैं. जबकि आजादी की लड़ाई में वीर बुधु भगत और जतरा टाना भगत के समय यहां के बंकिम चन्द्र अधिकारी सहित कई लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. स्वतंत्रता सेनानी सोमरा टाना भगत को बांग्ला भाषियों ने भरपूर साथ दिया था. झारखंड में बांग्ला भाषा आयोग का गठन करने की जरूरत है. इससे झारखंड में बांग्ला भाषा और बांग्ला रीति-रिवाज की रक्षा होगी.

बांग्ला भाषा हमारी आत्मा में रची बसी है : प्रतीम दास गुप्ता

जामटोली रोड निवासी पार्थो प्रतीम दास गुप्ता ने कहा कि बांग्ला हमारी आत्मा में रची बसी है. यहां दुर्गा पूजा में बांग्ला रीति-रिवाज के साथ होते हैं. यहां भी पश्चिम बंगाल की तरह लाखों की संख्या में बांग्ला भाषी रहते हैं. उन्होंने कहा कि हमारे बच्चों को बांग्ला भाषा की पढ़ाई लिखाई होनी चाहिए, बांग्ला किसी को तोड़ती नहीं जोड़ती है. सभी लोगों को बांग्ला भाषा सीखने की जरूरत है.

गिरिडीह

जो सम्मान मिलना चाहिए वह नहीं मिल रहा : डॉ. सुशील कुमार

बेंगाबाद के चिकित्सक डॉ. सुशील कुमार सरकार ने कहा कि बंगला भाषियों को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह झारखंड में नहीं मिल पा रहा है. पूर्व में रेलवे स्टेशनों में नाम बंगला भाषा में लिखा रहता था, लेकिन अब हटा दिया गया है. इससे बंगाली समाज मर्माहत है. झारखंड में बांग्ला भाषा को द्वितीय राजभाषा में शामिल करने की पहल शुरू हुई थी, लेकिन सीएम पद से हटते ही इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया.

झारखंड में बांग्ला भाषा का अस्तित्व मिट रहा है : तरुण

अवकाश प्राप्त शिक्षक तरुण कुमार राय ने कहा कि गिरिडीह शहर के मकतपुर में बंगला स्कूल, झंडा मैदान के पास सर जेसी बोस स्कूल है. जहां पहले बंगला की पढ़ाई होती थी, लेकिन अब समाप्त हो गयी है. झारखंड में बंगला भाषा का अस्तित्व समाप्त हो रहा है. जिसे बचाने की जरूरत है. इस राज्य में बंगालियों की अच्छी संख्या है. राज्य के सभी स्कूलों में बंगला की पढ़ाई शुरू होनी चाहिए.

बंगभाषियों की सभी मांगें जायज हैं: मलय मुखर्जी

डुमरी प्रखंड के मलय मुखर्जी ने कहा कि बांग्ला भाषी की सभी मांगें जायज हैं . हमारा परिवार एक सौ वर्षों से यहां पर रह रहे हैं . राज्य में हजारों परिवार हैं . हमलोगों को उचित सम्मान और अधिकार मिलना चाहिए . इसके लिए हमलोग आंदोलन को और तेज करेंगे . उन्होंने कहा कि शिक्षा को लेकर सभी का अधिकार एक समान है . बंगाली समाज को भी इसका अधिकार मिलना चाहिए . मेरे पिताजी 28 वर्ष तक यहां मुखिया रहे और लोगों की सेवा की है .

बांग्ला भाषी उपेक्षित महसूस कर रहे हैं : छोटेलाल दत्ता

गांडेय प्रखंड के सुजना गांव निवासी छोटेलाल दत्ता ने कहा कि झारखंड में बंगला भाषी उपेक्षित महसूस कर रहे हैं . इस समाज को भी उचित अधिकार और सम्मान मिलना चाहिए . स्कूल और कॉलेज में भी बंगला विषय की पढ़ाई शुरू होनी चाहिए . रेलवे स्टेशनों में स्टेशन का नाम बंगला भाषा में लिखा होना चाहिए . अपनी मांगों को लेकर बंगला भाषी समाज जोरदार आंदोलन के मूड में हैं.

बांग्ला भाषा और साहित्य का पुराना इतिहास है : नंदू दत्ता

गांडेय प्रखंड निवासी नंदू दत्ता ने कहा कि झारखंड में बंगला भाषियों की उपेक्षा हो रही है . राज्य सरकार को इस समाज को उचित सम्मान देने की दिशा में आवश्यक पहल करनी चाहिए.इस राज्य में बंगालियों की अच्छी संख्या है . इस समाज की उपेक्षा ठीक नहीं है . उन्होंने कहा कि स्कूलों में बंगला भाषा की पढ़ाई शुरू होनी चाहिए . बंगला भाषा और साहित्य का इस देश में पुराना इतिहास रहा है .

चांडिल

बांग्ला भाषा के साथ हो रहा अन्याय : तापसी सिंह

चांडिल स्टेशन क्षेत्र के रहने वाले तापसी सिंह ने कहा कि झारखंड अलग राज्य गठन के बाद राज्य के लगभग सवा करोड़ बांग्ला भाषियों को उम्मीद थी कि राज्य सरकार बांग्ला माध्यम से पठन-पाठन व्यवस्था को दुरुस्त करेगी. लेकिन राज्य में इसके विपरीत हो रहा है. बांग्ला माध्यम के स्कूल-कॉलेज बंद हो गए हैं. राज्य की द्वितीय राजभाषा के शिक्षकों की घोर कमी है. स्कूलों में बांग्ला किताब नहीं है.

बांग्ला भाषा-संस्कृति का अस्तित्व खतरे में: मिलन

चांडिल निवासी मिलन प्रमाणिक ने कहा कि झारखंड के सबसे बड़े भाषा समूह बांग्ला भाषा-संस्कृति का अस्तित्व अब खतरे में आ गया है. झारखंड राज्य के 12 से अधिक जिलों में बांग्ला भाषा-भाषी के लोग रहते हैं. सरकार की उदासीनता के कारण अब बांग्ला भाषा और संस्कृति का गौरव मिटता जा रहा है. झारखंड अलग राज्य के गठन के बाद से ही बांग्ला भाषा की उपेक्षा हो रही है.

सरकार हमारी जायज मांगों को नजरअंदाज कर रही है : मौसमी

चांडिल बाजार की रहने वाली मौसमी दां ने कहा कि झारखंड बनने के बाद बांग्ला भाषा-संस्कृति की स्थिति दिन पर दिन खराब होती गई. बांग्ला माध्यम की पढ़ाई बंद होने से इसकी संस्कृति पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है. बांग्ला कल्चर वाले चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में आने वाले दिनों में बांग्ला पंजीका पढ़ने के लिए लोग नहीं मिलेंगे. सरकार बांग्ला भाषा-संस्कृति को लेकर जनता की मांगों को नजरअंदाज कर रही है.

राज्य की द्वितीय राजभाषा का सम्मान करे : मधुसुदन बनर्जी

चांडिल के कदमडीह निवासी मधुसुदन बनर्जी ने कहा कि सरकार राज्य की द्वितीय राजभाषा का सम्मान करे. बांग्ला को द्वितीय राजभाषा का दर्जा देकर सरकार इसे भूल गई है. तत्कालीन बिहार में बांग्ला भाषा के विकास में जो भी सुविधाएं मिलती थी, झारखंड बनने के बाद वे सभी बंद कर दी गई. राज्य में स्थित बांग्ला माध्यम के स्कूलों को धीरे-धीरे हिंदी माध्यम में तब्दील कर दिया गया.

इसरकार को इसमें ठोस पहल करने की जरुरत : विद्युत दां

चांडिल बाजार निवासी विद्युत दां ने कहा कि बांग्ला भाषा और संस्कृति को झारखंड में बचाए रखने के लिए सरकार की ओर से ठोस पहल करने की जरूरत है. भाषा-संस्कृति के विकास के लिए सबसे पहले कक्षा एक से 12वीं तक हर विषय में बांग्ला माध्यम में पाठ्यक्रम तैयार कर प्रत्येक विषय के लिए बांग्ला लिपि में पाठ्यपुस्तकों की पर्याप्त छपाई और वितरण की व्यवस्था करना होगा.

रांची

सड़क से लेकर सदन तक आवाज बुलंद करेंगे : संदीप

कांके निवासी झारखंड के शिवसेना राज्य उप प्रमुख एवं युवासेना के राज्य प्रमुख संदीप मुखर्जी का कहना है कि बंगाल से झारखंड सटे होने के कारण बंगालीभाषी लोग यहां आते जाते हैं. झारखंड के हर जिले में बंगलाभाषी के लोग अधिक मात्रा में निवास करते हैं. झारखंड और बंगाल में व्यवसाय करने वाले लोग भी यहां आना जाना करते हैं. इसलिये यहां सभी जगहों पर बांग्लाभाषियों को प्रतिनिधित्व करने को मिले, जिससे वह अपने समाज और देश के विकाश पर अपनी प्रबुद्धता और अखंडता पर कार्य कर सके. बंगाल से आने वाले कई ऐसे यात्री हैं जिन्हें सिर्फ बंगला लिपि का ज्ञान है. इसलिए यहां सभी जगह बांग्ला भाषा का भी उपयोग हो. साथ ही हमारी मांग है कि झारखंड के हर रेलवे स्टेशन का नाम बांग्ला लिपि में लिखा जाए. इसके लिये हम सड़क से सदन तक अपनी आवाज को पहुंचाने का काम करेंगे. सभी संस्थानों ओर सरकारी कार्यालयों में बांग्लाभाषियों की जगह भी सुनिश्चित की जाए. जिससे समाज को सम्मान मिले और बच्चों को कॉलेजों में भी बांग्ला भाषा का बोध कराया जाए.

मार्गदर्शन बोर्ड बांग्ला भाषा में भी हो :अमित दत्ता

नामकुम, आरा , महिलोंग समेत कई गांवों में बंग भाषी लोग रहतें हैं. जो समय समय पर भ्रमण के लिए अन्य राज्यों में जाते हैं. जहां रेलवे स्टेशन में हिंदी, अंग्रेजी समेत कई भाषाओं में यात्रियों की सुविधाओं के लिए मार्गदर्शन बोर्ड लगे रहते हैं. बांग्ला भाषी अमित दत्ता का कहना है कि रेलवे स्टेशन में मार्गदर्शन बोर्ड में बंगला भाषा में नहीं लिखा होने के कारण कई बार परेशानियों का सामना करना पड़ता है. इसलिए सरकार को चाहिए कि हर रेलवे स्टेशन में बांग्ला भाषा में लिखा होना चाहिए.

शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित हो : संतोष बनर्जी

संतोष बनर्जी का कहना है कि सरकार को चाहिए कि रेल्वे स्टेशन के साथ साथ स्कूलों में बांग्ला पुस्तकें व शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए . सभी स्कूलों में बांग्ला भाषा की पढ़ाई शुरू करनी चाहिए. बता दें कि बोर्ड -निगम में बंगभाषियों को उचित प्रतिनिधित्व देने, बांग्ला एकेडमी का गठन करने की मांग को लेकर हमेशा आवाज बुलंद की जाती रही है. पर सरकार इनकी मांगों पर ध्यान नहीं देती है.. बंग भाषियों ने बताया कि यदि सरकार हमारी मांगों की अनदेखा करती है तो राजभवन के सामने धरना देने को मजबूर होंगे.

बांग्ला भाषा को प्राथमिकता दे सरकार : ममता देवी

टाटीसिलवे निवासी ममता देवी ने बताया कि बांग्ला भाषा का प्रयोग नहीं होने से काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है. इसलिए सरकार को बांग्ला भाषा को भी प्राथमिकता देनी चाहिए. इससे हमारी भाषा संस्कृति की रक्षा हो पाएगी. साथ ही बांग्ला भाषियों को सुविधा भी होगी.

जमशेदपुर

अपनी विभिन्न मांगों को लेकर राज्य भर के बंग समुदाय के लोग 11 दिसंबर को रांची राजभवन के समक्ष धरना देंगे. इसकी तैयारी में राज्य भर से बंगाली समुदाय के लोग जुटे हैं. अलग-अलग संगठन से जुड़े लोग झारखंड बंगला भाषी उन्नयन समिति के बैनर तले अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद करेंगे.

झारखंड स्थापना के पहले से की जा रही मांग : राजेश रॉय

परसुडीह निवासी राजेश रॉय का कहना है कि उनकी मांगें नई नहीं है, बल्कि काफी पुरानी है. झारखंड स्थापना के पहले से ही वे लोग आंदोलन करते आ रहे है. जब झारखंड अलग राज्य नहीं था तब बिहार के समय में स्कूलों में बांग्ला किताबें उपलब्ध हुआ करती थी, लेकिन अब किताबें मिलनी बंद हो गई है. झारखंड के लोग अपनी मांगों को लेकर 23 साल से आंदोलनरत है, लेकिन मांगें पूरी नहीं हुई. झारखंड भर के बंगभाषी अब बंगला भाषी उन्नयन समिति के बैनर तले संयुक्त रूप से आंदोलन करने को तैयार हैं. जो सुविधाएं उन्हें मिलती थी वह बंद कर दी गई है. जिससे सभी में नाराजगी है. बांगला समाज की अनदेखी की जा रही है जिससे लोगों में आक्रोश है.

मांगों पर राजनीतिक दलों ने नहीं दिया ध्यान : जुरन बनर्जी

जुरन बनर्जी ने बताया कि उनकी मांगें काफी पुरानी है. जो सुविधाएं उन्हें पूर्व में मिलती थी उन्हें ही देने की मांग की जा रही है. कोई एक राजनितिक दल को वे लोग दोषी नहीं मानते. भाजपा और झामुमो ने सालों से झारखंड में राज किया लेकिन किसी ने भी उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया. जनप्रतिनिधि चुनाव जीतने के बाद बांग्ला भाषा में शपथ तो लेते हैं, लेकिन इस भाषा का सम्मान नहीं करते और बंग समुदाय की अनदेखी करते हैं. उनकी मातृभाषा बांग्ला होने के बाद भी कोई पहल नहीं करते. स्टेशन के नाम को बांग्ला भाषा में लिखने की मांग की जा रही हैं परन्तु जनप्रतिनिधि इसकी अनदेखी कर रहे हैं.

ज्ञापन सौंपने के बाद भी नहीं हुई पहल : अपर्णा गुहा

बंग बंधु की अपर्णा गुहा ने बताया कि कई बार प्रशासन व सरकार स्तर पर भी आवाज बुलंद की गई. संबंधित जन प्रतिनिधियों (रेल मंत्री और सांसद) को ज्ञापन भी सौंपा गया, इसके बावजूद इस पहल पर कोई कदम नहीं उठाया गया. इसलिये समाज में काफी आक्रोश है और राज्यभर के बंगभाषी अब आंदोलन का मन बना चुके हैं. 11 दिसंबर को धरना में राज्य भर से बंग समाज के लोग शामिल होंगे. जमशेदपुर से सभी लोग साकची आमबगान मैदान में जुटेंगे वहां से सभी चौका-चांडिल होते हुए रांची रवाना होंगे. उन्होंने बताया कि बंगाली समुदाय के लोग अमन पसंद है. वे लोग कोई भी कार्य शांतिपूर्वक करना ज्यादा पसंद करते है. लेकिन उनकी मांगों पर ध्यान नहीं देने के कारण वे लोग आंदोलन को बाध्य हुए हैं.

स्कूलों में पढ़ाने के लिए अलग से शिक्षक होना जरूरी : देबर्शी

साकची के रहने वाले देबर्शी दास और उनकी पत्नी अर्पिता बनर्जी का कहना है कि बांग्ला भाषा और उसके इतिहास के बारे में बच्चों को जानना बेहद जरूरी है, इसलिए सभी स्कूलों में बांग्ला भाषा की पढ़ाई शुरू करना और बांग्ला एकेडमी का गठन किया जाना चाहिए. पूर्व की व्यवस्था को जारी रखना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ी को इसकी जानकारी हो. समय के साथ काफी कुछ बदल गया है. इस आंदोलन में राजनीति न हो यह भी ध्यान रखने की जरूरत है. वहीं स्कूलों में बांग्ला किताबें होने के साथ-साथ इसे पढ़ाने के लिए अलग से शिक्षक भी होने चाहिए. सभ्यता और संस्कृति को बचाने की पहल करना उचित है.

सहिबागंज

हमारी मांगें जायज हैं, मिलना चाहिए हमारा हक: संतना पाल

सहिबागंज में 15 साल पहले बंगाली लोग काफी संख्या में रहते थे.मगर अभी तीन प्रखंडों में ही बंगाली लोग रह रहे हैं.जबकि साहिबगंज जिला बंगाल राज्य से सटा हुआ मालदा जिला है. इसके बावजूद भी अभी तक न तो इस जिले के किसी भी सरकारी कार्यालय में या रेलवे स्टेशनों एवं रेलवे कार्यालयों में न बांग्ला भाषा को सरकारी स्तर पर तरजीह मिली है. बांग्ला भाषा संस्कृति को समृद्ध करने को लेकर सरकार संवेदनशील भी नहीं दिखती है. इस संबंध में संतना पाल का कहना है कि बांग्ला भाषी की सभी मांगे जायज है . हमारा परिवार एक सौ वर्षो से यहां रहा है . झारखंड राज्य में अनेक परिवार रह रहे हैं . मैं सरकार से मांग करती हूं कि हमलोगों को उचित सम्मान और अधिकार दिया जाए . उन्होंने कहा कि शिक्षा को लेकर सभी का अधिकार समान है. बंगाली समाज को भी इसका अधिकार मिलना चाहिए .

उचित सम्मान की दिशा में पहल करे राज्य सरकार : सुजीत दास

साहिबगंज जिला मौहल्ला बंगाली टोला निवासी पूर्व शिक्षक सुजीत दास का कहना है कि झारखंड में बंगला भाषियों की उपेक्षा हो रही है. उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार को बंगाली समाज के लोगों को उचित सम्मान देने की दिशा में जरुरी पहल करनी चाहिए. साहिबगंज जिला में बंगला भाषियों एवं बंगालियों की जनसंख्या काफी संख्या है . उन्होंने कहा कि स्कूलों में बंगला भाषा की पढ़ाई शुरू होनी चाहिए . क्योंकि 1988-89 में इस जिले में अधिकतम स्कूलों में एक विषय बंगला की पढ़ाई होती थी. लेकिन इस समय बंगला स्कूलों को बंद कर उस स्कूलों को हिंदी स्कूलों में कन्वर्ट कर दिया गया है. उन्होंने यह भी कहा कि बंगला भाषा संस्कृति का इस देश में पुराना इतिहास रहा है.

जामताड़ा

विद्यासागर स्टेशन का नाम बांग्ला में लिखा है : चंदन मुखर्जी

विद्यासागर स्मृति रक्षा समिति के सचिव चंदन मुखर्जी ने कहा कि बांग्ला भाषा और संस्कृति जामताड़ा जिला की पहचान थी.यहां नाला,जामताड़ा,कुंडहित,करमाटांड़ सहित अन्य इलाकों में बड़ी संख्या में बांग्ला भाषा में पठन-पाठन करने वाले विद्यार्थी है.मगर स्कूलों में न तो बांग्ला भाषा के शिक्षक है और न ही बांग्ला पुस्तक उपलब्ध कराई जाती है. हालांकि जामताड़ा व विद्यासागर स्टेशन का नाम बांग्ला में लिखा है.कहा गया कि 11 दिसंबर को बंगभाषा उन्नयन समिति की ओर से विभिन्न मांगों के समर्थन में होने वाले आंदोलन का पूरा समर्थन किया जाएगा.

बोर्ड-निगम में बंगभाषियों को मिले उचित स्थान : अरूप मित्रा

अरूप मित्रा ने कहा कि स्कूलों में बांग्ला पुस्तक व शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने सहित अन्य मांगों के समर्थन में प्रस्तावित आंदोलन में जामताड़ा जिले की भागिदारी रहेगी.बांग्ला भाषा के उन्नयन व उत्थान को लेकर सामूहिक पहल की जरूरत है. उन्होंने कहा कि बोर्ड -निगम आदि में बंगभाषियों को उचित प्रतिनिधित्व देने, बांग्ला एकेडमी का गठन करने की मांग को लेकर हमेशा आवाज बुलंद की है.

पिपरवार

बांग्ला पुस्तक और शिक्षक अनिवार्य हो: डॉ. एनसी विश्वाश

डॉ. एनसी विश्वाश ने कहा कि हमलोग तीन दशक से बिहार-झारखंड में रख रहे हैं. हमलोग हिंदी भाषा में पढ़ और लिख ले रहे हैं.परंतु अपनी बांग्ला भाषा विलुप्त होती जा रही है. बच्चों को बंगला भाषा का ज्ञान के लिए स्कूल में बांग्ला पुस्तक और शिक्षक का होना अनिवार्य किया जाए.

बांग्ला भाषा का प्रयोग तो होना ही चाहिए : मतलय बनर्जी

मतलय बनर्जी अखबार विक्रेता के साथ बांग्ला पुजारी भी हैं.उन्होंने कहा कि हमलोग को अपनी सांस्कृतिक बचाने के लिए अपने बच्चों को बांग्ला भाषा की पढ़ाई के लिए बंगाल भेजा पड़ता है. मैं बंगाली पंडित होने के नाते यहां पर बंगाली समाज के लोगों की पूजा बांग्ला पंचांग के करता हूं. इसलिए झारखंड में बांग्ला भाषा का प्रयोग तो होना ही चाहिए.

झारखंड में भी बांग्ला भाषा की पढ़ाई होनी चाहिए : सारदा आचार्य

सारदा आचार्य एक शिक्षिका हैं, जो एक विद्यायल में पढ़ाती है. उनका कहना है कि मेरे पिताजी बहुत पहले झारखंड आए थे. हमलोग बंगाली तो जरूर हैं, पर हमें बांग्ला भाषा का ठीक से ज्ञान नहीं है. बंगाल में हिंदी की पढ़ाई होती है. उसी तरह झारखंड में भी बांग्ला भाषा की पढ़ाई होनी चाहिए.

बोकारो

बांग्ला भाषा भी झारखंड की मुख्य भाषा है : शांता मुखर्जी

कसमार प्रखंड के धधकिया निवासी शांता मुखर्जी ने बताया कि बांग्ला भाषा भी झारखंड की मुख्य भाषा है. इसके बावजूद सरकार ने बांग्ला भाषा को दरकिनार कर रखा है. इससे बंग भाषी परिवार के बच्चों की संस्कृति व भाषा साहित्य खतरे में है. उन्होंने बताया कि रेलवे स्टेशनों में जब बांग्ला में बोर्ड रहता था, तो उसे हटाना बांग्ला भाषियों के साथ अन्याय है.

स्कूलों में हर हाल में बांग्ला की पढ़ाई हो : बबली मुखर्जी

बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के सुरजुडीह निवासी बबली मुखर्जी ने बताया कि बांग्ला को झारखंड में जान बूझकर सरकार ने दरकिनार कर रखा है, जबकि झारखंड के अधिकांश जिले में बांग्ला भाषा बोलने वाले व बांग्ला भाषी परिवार निवास करते हैं. स्कूलों में हर हाल में बांग्ला की पढ़ाई होनी चाहिए, ताकि हमारे बच्चे अपनी मूल भाषा संस्कृति से वंचित न हो. रेलवे स्टेशनों में भी बांग्ला भाषा में बोर्ड होना चाहिए.

बांग्ला भाषियों के साथ अन्याय किया जा रहा है : सुधा बनर्जी

बोकारो जिले के पाथुरिया निवासी स्नातक उतीर्ण 90 वर्षीया सुधा बनर्जी ने बताया कि बिहार सरकार के समय हमारे क्षेत्र के सभी स्कूलों में बांग्ला भाषा की पढ़ाई होती थी. साथ ही सरकारी स्कूलों में बांग्ला भाषा के शिक्षक की भी बहाली की जाती थी. लेकिन पिछले दो से ढाई दशक में झारखंड बनने के बाद सरकार ने बांग्ला को दरकिनार कर दिया. यह बांग्ला भाषी के साथ अन्याय है. राज्य में बांग्ला एकेडमी की भी स्थापना होनी चाहिए.

झारखंड बनने के बाद बोर्ड हटा दिए गए हैं : दिलीप बैरागी

बोकारो के बांग्लाभाषी दिलीप बैरागी का कहना है कि वे झारखंडी हैं और लंबे समय से बोकारो में रह रहे हैं. वे 1990 से बांग्ला नाटक, संगीत और साहित्य से जुड़े हैं. बिहार राज्य में पूरे क्षेत्र में रेलवे स्टेशन में बांग्ला भाषा में भी बोर्ड लिखा रहता था, लेकिन झारखंड बनने के बाद इसे हटा दिया गया. इन सभी मांगों को लेकर बांग्ला भाषी उन्नयन समिति की ओर से रांची में महाधरना भी दिया जाएगा. उन्होंने बताया कि बांग्ला भाषा को हक अधिकार दिलाने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं.

आदित्यपुर

राज्य के स्टेशनों के नाम बंग्ला में भी लिखे जाएं : पीके नंदी

नेताजी सुभाष मंच झारखंड के अध्यक्ष पीके नंदी का कहना है कि झारखंड में 30 से 40 फीसदी बंगभाषी रहते हैं. इसलिए सरकार को हमारी भाषा और संस्कृति का सम्मान करना चाहिए. उन्होंने कहा कि झारखंड के बांग्लाभाषी चाहते हैं कि रेलवे स्टेशनों का नाम अन्य भाषाओं के साथ बांग्ला में भी लिखा जाए, बांग्ला भाषी क्षेत्रों के स्कूलों में बांग्ला की पढ़ाई हो तथा शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए.

बड़ी संख्या में बांग्लाभाषी हैं, सम्मान मिलना चाहिए :दास

भाजपा नेत्री दुर्गा दास कहतीं हैं कि झारखंड पूर्व से बंगभाषी क्षेत्र रहा है. आज भी 42 फीसदी बंगभाषी झारखंड में रहते हैं. इसलिए बंगभाषी लोगों को सम्मान मिलना चाहिए. कम से कम स्कूल कालेजों में बांग्ला भाषा की पढ़ाई होनी चाहिए. बोर्ड -निगम में बंगभाषियों को उचित प्रतिनिधित्व मिले. स्टेशनों के नाम बांग्ला में होने चाहिए. हमलोग बंगभाषी एसोसिएशन के बैनर तले पहले से आंदोलनरत भी हैं. सरकार हमारी मांगों की अनदेखी करती हैं.

धनबाद

सरकार के प्रति बांग्लाभाषियों में आक्रोश है : राणा चट्टोराज

बांग्ला भाषा उन्नयन समिति के जिला प्रवक्ता राणा चट्टोराज ने कहा कि झारखंड राज्य में इतनी बड़ी तादाद में बांग्ला भाषा- भाषी के लोग रहते हैं .इसके बावजूद पूर्व की सरकार और वर्तमान सरकार बांग्ला भाषा के लोगों के लिए कुछ नहीं किया .जिससे बांग्लाभाषी के लोगों में सरकार के प्रति काफी आक्रोश है . बांग्लाभाषी अब अपनी मांगों को लेकर बडे आंदोलन का मूड बना लिया है . जिसकी शुरुआत 11 दिसंबर को राजभवन का घेराव से किया जाएगा .

सिर्फ झारखंड सरकार को ही बांग्ला भाषा से बेरुखी :रीना

बांग्ला भाषा उन्नयन समिति के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष रीना मंडल ने कहा कि पूरी दुनिया में बांग्ला भाषा को दूसरी भाषा का दर्जा मिला है . सिर्फ झारखंड सरकार को ही बांग्ला भाषा से बेरुखी है . जिसका जवाब बांग्लाभाषी 2024 के चुनाव में अपने मताधिकार कर प्रयोग कर देगी .

राज्य सरकार बांग्ला भाषा की अहवेलना कर रही :सम्राट चौधरी

बांग्ला भाषा उन्नयन समिति के अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा है कि झारखंड राज्य बनने के बाद से सरकार बांग्ला भाषा की अहवेलना कर रही है .जिसे बांग्लाभाषी कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे .बांग्ला भाषा - भाषी अपनी मांगों को लेकर 11 दिसंबर को वृहद पैमाने में रैली के माध्यम से राजभवन का घेराव करेंगे . इसके बाद भी सरकार अगर बांग्लाभाषी की मांगे पूरी नही की तो आने वाले चुनाव में सरकार को इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा.

घाटशिला

बोर्ड-निगम में बंगभाषियों को मिले उचित प्रतिनिधित्व : तापस

घाटशिला प्रखंड के कसीदा निवासी गौरीकुंज उन्नयन समिति के अध्यक्ष तापस चटर्जी ने बताया कि झारखंड के बांग्लाभाषी वर्षों से मांग कर रहे हैं कि रेलवे स्टेशनों का नाम बांग्ला में लिखा जाए. स्कूलों में बांग्ला पुस्तक व शिक्षकों की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए. साथ ही सभी स्कूलों में बांग्ला भाषा की पढ़ाई शुरू हो.सरकार बोर्ड -निगम आदि में बंगभाषियों को उचित प्रतिनिधित्व दे, बांग्ला एकेडमी का गठन करने की मांग की जा रही है. इसको लेकर पिछले दिनों विभिन्न बंगभाषी संगठनों द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी को ज्ञापन भी सौंप दिया है, पर उनकी मांग अभी तक पूरी नहीं हुई है.

राज्य में बांग्ला भाषा की उपेक्षा ठीक नहीं : संदीप राय चौधरी

घाटशिला प्रखंड के गोपालपुर निवासी संस्कृति सांसद क्लब दहीगोड़ा के महासचिव संदीप राय चौधरी ने कहा कि जिस प्रकार राज्य में बांग्ला भाषा की उपेक्षा हो रही है यह ठीक नहीं है. आने वाले दिनों में बंगाली समुदाय अपनी भाषा और संस्कृति की रक्षा नहीं कर पाएंगे. उन्होंने कहा कि सरकार बांग्ला भाषा भाषी अल्पसंख्यक विद्यालयों को प्रोत्साहित करें. ताकि क्षेत्र के बच्चे बंगाल भाषा के पाठ्यक्रम में पठन-पाठन कर सके. इसे लेकर बांग्ला भाषी संगठनों द्वारा सरकार से पिछले कई वर्षों से मांग की जाती रही है.

स्टेशनों से नाम मिटना बांग्ला भाषा का अपमान : मृणाल

घाटशिला कॉलेज रोड निवासी विभूति संस्कृति सांसद के कोषाध्यक्ष मृणाल कांति विश्वास उर्फ मिठू विश्वास ने कहा कि बंगाल के महान साहित्यकार विभूतिभूषण बंधोपाध्याय की कर्मस्थली होने के बावजूद बांग्ला भाषा के उत्थान को लेकर कोई भी राजनीतिक दल आगे नहीं आ रहा है. क्षेत्र के कुछ बंगभाषी संगठनों द्वारा अपनी भाषा और संस्कृति को बचाए रखने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है. पूर्व में रेलवे स्टेशनों पर बंगाल में नाम लिखे हुए थे, जिसे बीते कुछ वर्ष पहले मिटा दिया गया. यह पूरी तरह बांग्ला भाषा का अपमान है.

“ अगर आप एकदम सही होना चाहते हो तो जाओ अपनी सारी संपत्ति को गरीबों में बांट दो. तुम्हें स्वर्ग का खजाना मिल जाएगा. उस व्यक्ति को भला क्या फायदा, जिसे अगर पूरी दुनिया मिल जाए, लेकिन अपनी आत्मा को खोने की पीड़ा सहनी पड़े. –ईसा मसीह ”

रोते हुए बच्चों को हंसाने का शौक है

कविता कलम
डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

ईश्वर ने इस संसार में जितने लोगों को बना कर भेजा है, उनमें कोई सामान्य नहीं है. सभी विशेष हैं. कैसा है ईश्वर का वह कारखाना, जहां बननेवाला हर मानव एक दूसरे से पूरी तरह भिन्न है. उनमें कोई समानता नहीं. नजारे तो हर जगह एक जैसे ही होते हैं, लेकिन जितनी नजरें हैं, एक ही नजारा उतने रूपों में दिखायी पड़ता है. यह भी कुदरत का ही एक करिश्मा है कि हर व्यक्ति के बात-व्यवहार, चाल-ढाल, खान-पान, रहन-सहन, सोच-विचार, शॉक-हॉबी सबकुछ विशेष होता है, जो उसके माता-पिता या भाई-बहनों से भी मेल नहीं खाता. हर व्यक्ति का शौक भी अलग होता है. किसी को कुछ करना अच्छा लगता है तो किसी को कुछ और. कोई आवश्यक नहीं कि एक व्यक्ति को जो बहुत अधिक पसंद आता है, वह दूसरे व्यक्ति को भी वैसा ही पसंद आये. संभव है, वह वस्तु या व्यक्ति उस दूसरे व्यक्ति को बिल्कुल नापसंद हो. हां, इतनी बात है कि जो जिसका गुण जानता है, वही उसको मान-सम्मान दे पाता है-जो जाको गुन जानहिं सो तेहिं आदर देत. कोकिल अंबर लेत है, काग निबौरी हेत. मनुष्यों की इस विभिन्नता के विषय पर चिंतन-मनन कर ही रहा था कि झारखंड के एक नामी-गिरामी शायर से मुलाकात हो गयी. ये बहुत ही खूबसूरत शख्सियत के मालिक हैं. एक प्रतिष्ठित सार्वजनिक प्रतिष्ठान में उच्चाधिकारी का पदभार कुशलता पूर्वक संभालते हुए भी ये आपनी शानदार शायरी के कारण मशहूर हो गये. इन्हें गजलों का बादशाह माना जाता है. ये अत्यंत सामान्य से दिखनेवाले आसाधारण शायर हैं. साहित्य सृजन के क्षेत्र में इनकी लोकप्रियता पर बहुत लोगों को ईर्ष्या होती है, लेकिन वैसे लोगों के लिए सांत्वना की बात यही है कि हर व्यक्ति अपने आपमें विशेष होता है. आप तो समझ ही गये होंगे कि यहां किस शख्सियत की बात हो रही है. आप ठीक ही समझ रहे हैं. ये वही हैं यानी **जनाब नसीर अफसर.**

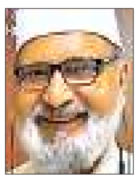

इनके शौक भी अजीबोगरीब हैं और रिटायरमेंट के बाद भी ज्यों के त्यों बने हुए हैं. मैंने जब नसीर साहब से उनके शौकों के संबंध में जानना चाहा तो उन्होंने मुझे अपनी यह गजल सुना दी-

रोते हुए बच्चों को हंसाने का शौक है,
हंसते हुए ज़ालिम को रुलाने का शौक है.
जब से बिखर गए हैं हज़ारों मिरे ख्वाब ,
इन जागती आंखों में ख़्वाब सजाने का शौक है.
रह-रह के हम भी खाते हैं बिरयानी और पुलाव ,
भूख से सोए ग़रीबों को खिलाने का शौक है.
कितना बड़ा सवाब है भटके को रस्ता दिखाना,
इस काम पर सभी को लगाने का शौक है.
इंसानियत का रास्ता सबको अज़ीज़ हो,
हर आदमी को यह बात बताने का शौक है.
यूं तो ज़मीं पे सभी लगाते हैं गुलाब,
पत्थर पे हमको फ़स्ल उगाने का शौक है.
अफ़सर तिरे कलाम में है हुस्न ए ख़ुलूस कि
पत्थर को भी मोम बनाने का शौक है.

विरह का गीत

तुम्हारी याद में ख़ुद को बिसारे बैठे हैं.
तुम्हारी मेज़ पर टंगरी पसारे बैठे हैं.

गया था शाम को मिलने मैं पार्क में मिस से,
वहां पर देखा कि वालिद हमारे बैठे हैं.

ज़रा-सा रूप का दर्शन तो दे दो आंखों को,
बहुत दिनों से ये भूखे बेचारे बैठे हैं.

ये काले बाल औ' इनमें गुंथे हुए मोती,
ये राजहंस क्या जमुना किनारे बैठे हैं?

गया जो रात बिता घर तो बोल उठे अब्बा,
इधर तो आओ हम जूते उतारे बैठे हैं?

- कांतानाथ पांडेय 'चोंच'

एक साथ इतने सारे शौक रखते हैं नसीर साहब. इससे समझा जा सकता है कि इनके दिल में ज्ञान का भंडार तो है ही, मुहब्बत के लिए और भी काफी जगह है. मेरे जैसे कविता और शायरी में रुचि रखनेवाले इन्हें बड़ा भाई कहते हैं. जहां तक मैं समझता हूं कि कविता और शायरी के अंकुर छात्र-जीवन में ही उग जाते हैं और फिर निरंतर विकसित होकर एक दिन वृक्ष का रूप धारण कर लेते हैं. काव्य सृजन का ऐसा ही अंकुर सरला बिरला पब्लिक स्कूल रांची की बारहवीं कक्षा की छात्रा **सृष्टि श्रीवास्तव** में दिखायी पड़ने लगा है. सृष्टि में अद्भुत काव्य प्रतिभा झलक रही है और बता रही है कि इसमें रचनाशीलता की अपार संभावनाएं छिपी हुई हैं. प्रस्तुत है किशोर कवयित्री सृष्टि की यह रचना, जिसका शीर्षक है-**क्या है दोस्ती**.

क्या खबर तुमको, दोस्ती क्या है!
ये रोशनी है तो अंधेरा भी.
दोस्ती एक हसीन ख्वाब भी है
और दर्दनाक मौत भी है.
दु:ख मिलने पर ये अजाब भी है,
और यह प्यार का जवाब भी है.
दोस्ती यूं तो माया जाल है,
एक हकीकत भी है खयाल भी है.
कभी जमीं, कभी फलक भी है.
दोस्ती झूठ भी है सच भी है.
दिल में रह जाए तो कसक भी है.
कभी यह हार भी है, जीत भी है.
दोस्ती साज भी है, संगीत भी है,
शेर भी, नमाज भी, गीत भी है,
वफ़ा भी दोस्ती है,
दिल से निकली दुआ भी दोस्ती है.
बस इतना समझ ले तू
एक अनमोल हीरा है दोस्ती,
खामोशी की पीर है दोस्ती.

नन्ही कवयित्री सृष्टि दोस्ती को गहराई से महसूस करती है. अपने हमउम्र सहपाठियों को आगाह भी करती है कि दोस्ती करनी हो तो सावधानी के साथ करो. ऐसा न हो कि कल दोस्ती के नाम पर किसी छलिये द्वारा छल लिये जाओ. किशोरावस्था में इस प्रकार के खतरे की आशंका बनी रहती है. ऐसे में सृष्टि की यह रचना मशाल का काम कर सकती है. बस थोड़ी-सी सावधानी हो, थोड़ी-सी समझदारी हो तो जीवन महक उठता है और होने लग जाता है फूलों की बगिया का अहसास. इससे आगे भी बहुत कुछ होने लगता है, जिसपर बखूबी प्रकाश डाल रही हैं रांची की कवयित्री **पुष्पा पाण्डेय.** इनकी कविता का शीर्षक है-**फूलों की बगिया.**

फूलों की बगिया में होता, एक अलग अहसास.
लगा महकने जीवन भी यह, जगी नई इक आस.
फूल- फूल पर तितली बैठी, करें सभी से प्यार.
गूंज रहा मतवाला भौरा, कली-कली के द्वार..
जूही चंपा और चमेली, हटकर खड़ा गुलाब.
सुन्दर से भी सुन्दरतम यह, चला प्रेम सैलाब.
कोने- कोने से आती है, सुरभित मंद समीर.
दूर- दूर तक जाए खुशबू , पहुंच गया कश्मीर..
कांटों के भी साथ खिला है, राजा फूल गुलाब.
शूल फूल साथी जब दोनों, होते सच हैं ख्वाब.
सुख-दुख दो नदियों का तट है, बहती जीवन धार.
होता रवि के बाद हमेशा, रजनी का सत्कार..
फूलों सा हम हँसना सीखें, खुशबू दें उपहार.
हृदय बाग में फूल खिले जो, करुणा हो आधार.
प्रभु के चरणों में अर्पित हैं, धरती के ये फूल.
पावन निर्मल पुष्प सभी हैं, रखते भी हैं शूल..

पुष्पा जी महकती बगिया से एक पुष्प उठाकर प्रभु के चरणों में अर्पित कर देती हैं और वह पुष्प धन्य हो जाता है, जबकि उसके साथ शूल भी होता है. यह तो सर्वमान्य तथ्य है कि जीवन में जितना महत्व फूल का है, उतना ही शूल का भी है. फूल बगिया में खुशबू बिखेरता है तो शूल उसकी रक्षा करता है. यदि कांटे न हों तो किसी बगिया रौंदनेवालों पर अंकुश कौन लगाएगा. आवश्यकता इस बात की है कि कांटों के प्रयोग में सावधानी बरती जाये. ऐसा न हो कि सावधानी हट जाये और कोई दुर्घटना घट जाये. फिर तो सारे के सारे शौक धरे के धरे रह जाएंगे. इन्हीं शब्दों के साथ अगले सप्ताह तक के लिए आज्ञा चाहता हूं. जय हिंद ! जय झारखंड ! !

आत्महत्या की बढ़ती समस्या और समाज

हाल ही में एक सूचना प्राप्त हुई. भारत सरकार के मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक वर्ष में भारत में 39,500 लोगों ने आत्महत्या की. भारत की सामाजिक संरचना और पुलिस की उपलब्धता को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि यह संख्या कई गुना ज्यादा भी हो सकती है . कुछ शताब्दी पूर्व लिखे गए एक प्रसिद्ध अंग्रेज़ी उपन्यास का एक नन्हा पात्र निराशा और अवसाद के कारण आत्महत्या कर लेता है .एक स्नातक के छात्र के रूप में उस उपन्यास को पढ़कर मैं बहुत परेशान और विचलित हुआ था . मैं सोचा करता था कि क्या परिवार, समाज और परिवेश के वातावरण में इतनी निराशा, अवसाद और घुटन भी हो सकती है कि कोई बालक आत्महत्या करने का निर्णय ले ? आत्महत्या के इस आंकड़े को देखकर यह तो अवश्य मुझे लगा और सभी देशवासियों को लगना चाहिए कि सब कुछ ठीक नहीं है और इस विषय पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है. प्रायः आवश्यकता है कि हरेक राज्य में होने वाली आत्महत्याओं की अलग-अलग केस स्टडी कर विस्तृत शोध करवाया जाय और इस अभिशाप को दूर करने हेतु प्रभावी कदम उठाया जाए.

चौराहा
प्रमोद कुमार झा

अभी हाल में केरल की घटना कई एक गम्भीर सवाल लेकर खड़ी है. एक एमबीबीएस डॉक्टर युवती ने विवाह टूट जाने से हताश होकर आत्महत्या कर ली. उसका मंगेतर उसका सहकर्मी था और दोनों एक दूसरे से अच्छी तरह परिचित थे. परिवारों की सहमति के बाद जब विवाह निश्चित होना था तो लड़के के परिवार वालों ने लंबी शर्तें रख दीं. इन शर्तों को सुनकर आम आदमी तो बेहोश ही हो जाय. लड़की वाले को विवाह पूर्व एक बीएमडब्लू गाड़ी देनी थी, डेढ़ सौ तोला सोना देना था, कुछ ज़मीन, फ्लैट वगैरह देनी थी. लड़की वाले इस मांग को पूरा करने में असमर्थ थे. निराशा में आकर एक युवा प्रतिभाशाली डॉक्टर ने आत्महत्या कर ली. प्रायः जीवित रहकर उस युवा डॉक्टर अपने सामान्य जीवन काल में दसों हज़ार लोगों की जान बचा पाती. यहां कुछ बातें गौर करने की है कि 1.आम धारणा कि दक्षिण भारत के राज्यों में दहेज नहीं है. 2.लड़की पढ़ी लिखी हो तो दहेज नहीं देना पड़ता. 3.शिक्षित समाज में दहेज प्रथा समाप्त हो गयी है. 4.दहेज के लिए मात्र लड़के के माता-पिता ही जिम्मेद्दार हैं. असल में दहेज एक सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रश्न बना हुआ है. जिसके बेटे की शादी में जितना दान-दहेज, रुपया पैसा मिलता है उसकी समाज उतनी 'तारीफ' करता है. विचित्र बात है किसी लड़के की तरह ही अपने लड़की को भी उच्च शिक्षा दिलाने के बाद भी लड़की को दहेज की वेदी पर क्यों कुर्बान करना चाहते माता-पिता? लड़की की शादी अपनी ही विरादरी में क्यों हो? माता-पिता अपनी बच्चियों को आज़ाद, स्वाभिमानी इंसान क्यों नहीं बनने देना चाहते. खैर ये तो हुई एक श्रेणी की आत्महत्या. एक अलग श्रेणी की आत्महत्या है ऐसे विद्यार्थियों की, जिन्हें बाल्यावस्था से ऊचित योग्य शिक्षा नहीं दी जाती, पर 'आरक्षण' के बल पर उनका नामांकन आईआईटी, ऐम्स एवं अन्य मेडिकल कॉलेज में हो जाता है. वहां की पढ़ाई और शिक्षा के उच्च स्तर के साथ कदम मिलाकर चलना उनके लिए कठिन होता जाता है. आंकड़े बताते हैं प्रतिवर्ष बीसियों ऐसे भी छात्र अवसाद से ग्रसित होकर आत्महत्या कर लेते हैं . माता पिता की इच्छा के अनुसार डॉक्टर/इंजीनियर बनने हज़ारों छात्र कोटा जाते हैं. प्रतिवर्ष और दर्जनों छात्र - छात्राएं आत्महत्या करते हैं ऐसी चिट्ठी छोड़कर कि 'मुझे माफ़ करना मां, मुझसे यह नहीं हो पायेगा'. सोचने की गंभीर आवश्यकता है कि प्रत्येक परिवार, समाज, सरकार, शैक्षणिक संस्थानों को. प्रत्येक स्कूल, कॉलेज, मेडिकल कॉलेज एवं अन्य संस्थानों में अवश्य रूप से काउंसिलर की उपलब्धता सुनिश्चित की जाय और विशेषज्ञ की सलाह लेकर इस नई समस्या का निदान ढूंढा जाय. ध्यातव्य है आत्महत्या सभी श्रेणी के गरीब, अमीर, उच्च जाति, पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति सबों के युवक और युवतियां ही कर रहे हैं. कहीं तो कुछ बड़ी समस्या है. ज़रा सोचिएगा .

जे जन वर्धा जात हैं, ते नहीं वर्धा होय

यहां पर अतिथियों के लिए जो अतिथि गृह बने हैं, उनके नाम हिंदी साहित्यकारों के नाम पर हैं यथा नागार्जुन अतिथि गृह, फादर बुल्के अतिथि गृह, दिनकर अतिथि गृह आदि.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा से रामायण उत्सव का आमंत्रण मेरे लिए परम आह्लाद कारी रहा. यह उत्सव अयोध्या शोध संस्थान लखनऊ के सौजन्य से गत 28-29 नवंबर को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के तुलसी भवन के मिर्जा गालिब सभागार में आ य ोजित हुआ. इसके स ंय ोज क संकल्पक डॉ. अ व ध ेश कुमार और अ य ोध्य ा शोध संस्थान के निर्देशक डॉ. लव कुश द्विवेदी थे और इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में महासेतु का काम बंधुवर डॉ. प्रकाश नारायण त्रिपाठी ने किया. केंद्रीय विषय था 'राम काव्य परंपरा और उसका प्रदेय. इसमें देश और विदेश के अनेक गणमान्य विद्वानों और विदुषियों ने अपनी सहभागिता प्रदान की.

यायावर की डायरी
जंग बहादुर पाण्डेय

रांची से मैं अपने प्रिय शिष्य और सहयोगी डॉ. प्रशांत गौरव (संप्रति सहायक प्रोफेसर हिन्दी विभाग, गोस्सनर कालेज, रांची) के साथ वर्धा गया था. डॉ. प्रशांत गौरव भी इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में विधिवत विशिष्ट वक्ता के रूप में आमंत्रित थे. उनके कारण मेरी वर्धा की यह शैक्षणिक यात्रा सुखद एवं आनंददायक हो गई. मैं अपने पाठकों को बताना चाहता हूं कि महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा भारत का एकलौता ऐसा विश्वविद्यालय है, जिसकी स्थापना भारत सरकार ने 1996 में संसद द्वारा पारित एक अधिनियम द्वारा की थी. इस अधिनियम को भारत सरकार के राजपत्र में 8 जनवरी 1997 को प्रकाशित किया गया. इस विश्वविद्यालय का ध्येय वाक्य (मोटो) है ज्ञान शांति और मैत्री. यह विश्वविद्यालय महाराष्ट्र के वर्धा जिले में महात्मा गांधी हिल्स पर अवस्थित है. यों तो महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा पहले भी अनेक बार गया गया था, लेकिन

इस बार विधिवत भ्रमण का संयोग बना. वर्धा में तीन पर्वत शृंखलाएं हैं, लेकिन सबसे सुंदर और रमणीय महात्मा गांधी हिल्स है. यह विश्वविद्यालय वर्धा शहर से लगभग 10 किलो मीटर दूर पहाड़ी पर स्थित है. इसकी अनेक विशेषताएं हैं. यहां पर अतिथियों के लिए जो अतिथि गृह बने हैं, उनके नाम हिंदी साहित्यकारों के नाम पर हैं यथा नागार्जुन अतिथि गृह, फादर बुल्के अतिथि गृह, दिनकर अतिथि गृह आदि. उसी प्रकार छात्रावासों के भी नाम किसी न किसी कवि साहित्यकार के नाम पर हैं. यथा महादेव छात्रावास, प्रेमचंद छात्रावास सुभद्रा कुमारी चौहान छात्रावास आदि. विश्वविद्यालय में जितने भवन हैं, उनके भी नाम हिंदी के बड़े-बड़े कवियों या साहित्यकारों के नाम पर हैं यथा तुलसी भवन, प्रसाद भवन, दिनकर भवन आदि. केंद्रीय पुस्तकालय का नाम स्वामी सहजानंद सरस्वती के नाम पर है. विश्वविद्यालय परिसर में जो विभिन्न सड़कें हैं, उनके नाम भी साहित्यकारों या कवियों के नाम पर हैं. यथा प्रेमचंद मार्ग, दिनकर मार्ग, अज्ञेय मार्ग, महादेवी वर्मा मार्ग आदि. विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की स्मृतियों को संजोकर रखने के लिए एक गांधी पार्क है, जिसमें गांधी जी के जीवन से जुड़ी प्रायः सभी चीजें पार्क में अवस्थित हैं.चाहे वह गांधी जी की बकरी (निर्मला) हो या गांधी की लाठी और चश्मा हों. इस पार्क में राष्ट्र पिता गांधी जी मूर्तिमान और जीवंत हो उठे हैं. मेरे गुरुदेव डॉ. वचन देव कुमार कहा करते थे- जे जन वर्धा जात हैं, ते जन बर्धा होय. अर्थात् जो वर्धा जाते हैं वे बैल(मूर्ख) हो जाते हैं. लेकिन मैं अपने गुरु जी के विचारों से असहमति जताते हुए कहना चाहूंगा - जे जन वर्धा जात हैं, ते नहिं वर्धा होय. अर्थात् जो वर्धा जाते हैं, वे कभी मूर्ख नहीं हो सकते या वे कभी बूढ़े नहीं हो सकते या वे वार्धक्य को जीत लेते हैं. ऐसा मैंने महसूस किया. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का पवित्र आश्रम सेवाग्राम और संत विनोबा भावे का पवित्र आश्रम पवनार वर्धा में ही स्थित हैं. अतः वर्धा की यात्रा एक बार सबको करनी चाहिए.

जंगल में टनाटन

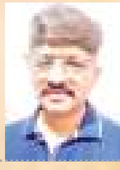

नश्तर
सुधीर राघव

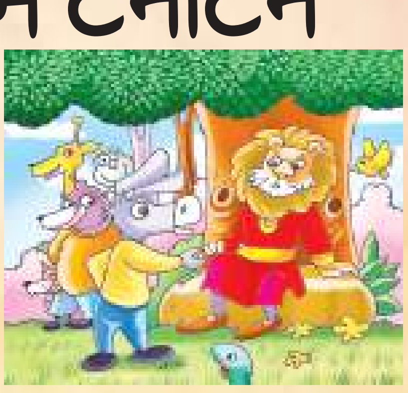

जंगल में राजा गधे का विरोध बढ़ गया था. इस बात ने केलोबेलो कंपनी के मालिक दुलीचंद सुनामी को चिंता में डाल दिया. उसने केलोबेलो के सीईओ झेंगा झकोई को बुलाकर फटकारा, 'तुम जंगल की नब्ज नहीं समझ पा रहे हो! माहौल पूरी तरह गधे के खिलाफ बन गया है, तुम्हारे न्यूज चैनल क्या कर रहे हैं?' झेंगा ने दबी आवाज में कहा, 'मालिक हम तो अपनी ओर से पूरी कोशिश कर रहे हैं. आपके कहने पर हमने डीपफेक बनाकर गधे को शेरनियों संग भी नचवा दिया था. इस पर तो गधूजी खुद भी बहुत खुश हुए थे.' सुनामी ने चिढ़कर कहा, 'जंगल को कोई नई चीज बताओ. उन्हें धर्म के बारे में बताओ. स्वर्ग के बारे में बताओ. वहां मिलने वाली सुविधाओं के बारे में बताओ. यह भी बताओ कि मौत के बाद सिर्फ उन्हीं जानवरों को स्वर्ग मिलेगा जो गधे को वोट देंगे, क्योंकि जानवरों की जन्नत में आप सिर्फ गधे की पूंछ पकड़कर ही जा सकते हैं.' इसके बाद तो जंगल के हर न्यूज़ चैनल पर जंगल के स्वर्ग और जंगल के धर्म की चर्चा थी. जानवर यह जानकर बहुत गर्व महसूस कर रहे थे कि उनका भी एक धर्म है, जिसके बारे में उन्हें पहले पता ही नहीं था. धर्म का नाम भी कितना अच्छा है, टनाटन. सुनते ही मन में घंटियां बजने लगती हैं और सिर श्रद्धा से झुक जाता है. सब जानवर यह जानकर भी चकित थे कि गधे को वोट देने से हर जानवर को मरने के बाद जन्नत मिलेगी, जहां वे रोज बला की खूबसूरत 74 शेरनियों के साथ ऐश कर सकेंगे. वहां उन्हें रोज पांच किलो मांस या घास, जो जानवर जो खाता है, वह मुफ्त मिलेगा. सभी मादाओं को दो हजार तरह की श्रृंगार सामग्रियां मिलेंगी. सबको अपनी मांद और घोंसला मिलेगा. हर सुख-सुविधा मुफ्त होगी. गधे की पूंछ पकड़कर जन्नत जाने की बात को तो कुछ छोटी बुद्धि के छोटे जानवरों ने इस कदर सच मान लिया कि आसपास घूम रहे गधे की पूंछ पकड़कर लटक गये और गधे की जोरदार दुलत्ती से तत्काल जन्नत सिधार गए. इस तरह दुलीचंद सुनामी के आइडिया ने पूरे जंगल की हवा बदल दी और गधा फिर भारी बहुमत से जीत गया. न्यूज चैनलों के प्रभाव में जंगल के सभी जानवरों ने अपना जीविका धर्म छोड़कर टनाटन धर्म को अपना लिया और सब हर पल जन्नत में मिलने वाली सुविधाओं के ख्याल में खोये रहने लगे. कोई भी जानवर अब जीना नहीं चाहता था, सब मरने को आतुर थे. सभी ने गधे को वोट दिया था, इसलिए सबको विश्वास था कि जन्नत उसे ही मिलने वाली है. उधर, दुलीचंद ने फिर झेंगा को बुलाकर आदेश दिया कि जंगल की सारी सुविधाएं खात्मकर दो. सभी फलदार पेड़ काट दो, पत्तियां झाड़ दो और घास जला दो.' झेंगा ने चौंकते हुए कहा, 'ऐसे तो सब जानवर मर जाएंगे!' सुनामी ने नर्म आवाज में कहा, 'उन्हें मरने दो, वे भी यही चाहते हैं. जानवरों के मर जाने पर हम जंगल साफ कर अपना कारखाना लगाएंगे.' 'तब गधे का क्या होगा मालिक!' झेंगा और बुरी तरह से चौंक गया. सुनामी हंसते हुए बोला, 'उसे भी काट देना, फिर उसकी हमें कोई जरूरत नहीं होगी. अगर तुम्हारे मन में उसके प्रति दया है तो उसे किसी चिड़ियाघर में डाल देना. आखिर बच्चों को भी तो पता लगे कि गधा कैसा होता है!'

अनिल की कलाकृतियों में है ओजपूर्ण प्रदर्शन

कला-संवाद
मनोज कुमार कपरदार

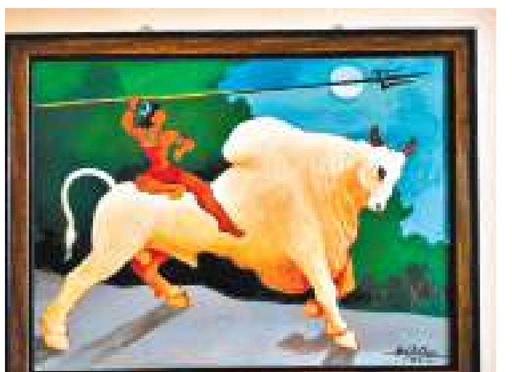

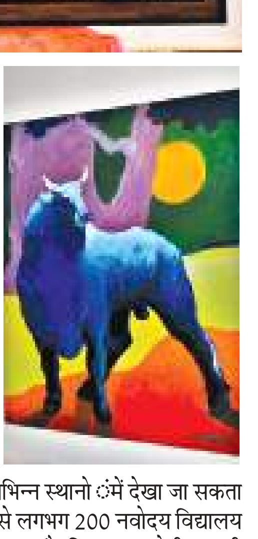

समकालीन कला अनेक कला आन्दोलन और शैलियों का प्रतिनिधित्व करती है. समकालीन कला में विषय और माध्यम की सीमायें टूट चुकी हैं. कलाकार अधिक व्यक्तिगत और स्वतन्त्र हो चुका है. समकालीन कलाकार विज्ञान ,तकनीक ,कम्प्यूटर संचार माध्यमों आदि की उपज है. अतः उसकी प्रतिभा और सृजनशीलता उसे नये -नये प्रयोग के लिये प्रेरित करती है. परन्तु इस कला के रसास्वादन के लिये समसामयिक कला का ज्ञान होना अति आवश्यक है. समकालीन कला की विचारधारा के अन्तगत कलाकार की विशुद्धतावादी दृष्टिकोण प्रेरणाभूत है. कलाकार की आत्मिक अनुभूति के अतिरिक्त विशुद्धता का कोई माप दण्ड नहीं होता, तभी तो अनिल पृथ्वी जैसे कलाकार आत्मिक अनुभूति के आधार पर एक नई कलाकृति गढ़ते है. किसी भी चीज को किस तरह से और कितने तरीके से उकेरा जा सकता है, यह कौशल अनिल पृथ्वी के कलाकृतियो ंमें व्याप्त है. देखने की उपयोगिता, गम्भीरता और महत्व को कलाकार बार-बार उकेरा करते हैं. इनका मानना है कि किसी भी वस्तु का सौंदर्य केवल वाह्य रूपों में नहीं उसके भीतर भी होता है. भीतर तक जाने के लिए या गहरे पैठने के लिए भी देखना ही होता है, और यह देखना सरसरी निगाह से सम्भव नहीं है. भीतर तक जाने की दुष्टि जिसके पास है जीवन जीने का आनंद उसके पास है, तभी तो नन्दी जैसे विषय पर केन्द्रीत होकर अनिल कुमार पृथ्वी जैसे कलाकार कार्य कर रहे है और इनकी कलाकृतियां देश के विभिन्न स्थानो ंमें देखा जा सकता है. इनकी बनायी गई कलाकृतियों से लगभग 200 नवोदय विद्यालय सुशोभित हो रहे हैं. इनका मानना है कि कला प्रेमी इनकी कलाकृतियों को देखकर आत्मिक आनंद प्राप्त करें. कला और उसके अंगों की पहचान तो इन्हें शांति निकेतन के कला भवन परिसर में ही मिला है.

नन्दी एक जैविक मान्यता के रूप में माना जाता है. इसका प्रमाण सिन्धू घाटी सभ्यता में मिले सिक्के के ऊपर छपा हुआ विशाल नन्दी से मिलता है और आज हर हिन्दू परिवार नन्दी की पूजा करते हैं. पुराणों के अनुसार नन्दी शिव के वाहन तथा अवतार भी हैं. जिन्हें शिवमंदिरो ंमें प्रतिष्ठित किया जाता है. संस्कृत में नन्दी का अर्थ प्रसन्नता या आनंद है. नन्दी को शक्ति संपन्नता और कर्मठता का प्रतीक माना जाता है. आज बड़ी तेजी से बदलते व्यापार की प्रणाली में कम से कम समय में अधिक से अधिक धन अर्लित करने की होड़ लगी है. फलतः दूध बेचने वाले लोगों की मनसा यही रहती है कि उसकी गाय हर बार बाछी ही जन्म दे. क्योंकि आधुनिक कृषि अब तकनीक पर आधारित हो गई हैं. इस लिहाज से बैल अब अपासांगि होते जा रहा है. इस प्रकार भविष्य में सांढ़ का अस्तित्व खतरे में पड़ जायेगा औरतथा सांढ़ व नंदी केवल इतिहास के पन्नों मे सिमट कर रह जायेगा. इसी मानसीकता को झकझोरने के उद्येश्य से अनिल पृथ्वी ने नन्दी व सांढ़ की ओजपूर्ण शारीरिक बलिष्ठता और शक्ति को अपनी कलाकृतियों के माध्यम से दिखाने की कोशिश की है. यह कहा जा सकता है कि कलाकार जब अपनी अन्तरानुभूति को जगत की गति में लय कर देगातभी उसके जीवन दर्शन के पीछे छिपी मान्यतायें - चाहे वे सुन्दर हों या असुन्दर और उनमें वैचित्रय वैविध्य भी चाहे कितना ही हो दर्शक पर प्रत्यक्ष और क्रियाशील प्रभाव डाल सकेंगी.

फलों से लदे वृक्ष की विनम्रता

जन्मदिन पर विशेष

काफी पहले से चित्रा मुद्गल दी की किताबों से मिलती रही थी. मेरे पास उनकी अनेक पुस्तकें थीं. पढ़ ली थीं. पढ़ने के बाद एक सकारात्मकता का वलय बन गया था. उनके बारे में, अवध मुद्गल जी से उनकी मित्रता, प्रेम के बारे में पढ़ रखा था. आवां नहीं पढ़ सकी थी, पर आंच पहुंच रही थी चारों ओर से. उधर नाला सोपारा की चर्चा भी आम. पर हम कभी नहीं मिले थे.

संकोचवश मोबाइल नंबर रहते हुए भी कभी न बात की थी, न मैसेज भेजा. काफी दिनों बाद उन्हें फोन से बताया, अनेक संग्रहों संग मैं आपकी ₹लोकप्रिय कहानियां₹ से मिल चुकी हूं. वे बहुत खुश हुई थीं. और हमारे बीच लेखक-पाठक के बीच की आत्मीयता का वितान तन चुका था. व्हाट्स एप पर बीच-बीच में बातें होने लगीं. बेहद व्यस्त सर्जक को ज्यादा तंग करना अच्छा नहीं लगता, अतः कम ही पोस्ट करती थी.

होली आई तो एकाएक उनकी भेजी बहुत ही अर्थपूर्ण तस्वीर ने ध्यान खींचा. एक चट्टान की बेहद पतली सी दरार के बीच से उगकर लहराती लाल, पीली, गुलाबी, नारंगी, श्वेत लिली. आत्मीय मैसेज भी-

"क्यों ना इस बार हम रंग-बिरंगी फूलों की पंखुड़ियों से होली खेलें!"

बहुत खुशी मिली.

बाद में भी वे कभी गुलाब, कभी दिल, कभी एक चेहरे पर तीन दिलवाला इमोजी भेजती रहीं. तब इमोजी से ही भावनाएं व्यक्त करने का चलन बढ़ रहा था. एक्टिविस्ट चित्रा दी सदा समय के साथ कदम मिलाकर चलती हैं.

इस साल फरवरी में इंडिया नेटबुक्स बीपीए फाउंडेशन का कथा रत्न सम्मान लेने के लिए दिल्ली जाना हुआ. आमंत्रण पत्र में चित्रा मुद्गल दी का नाम देखकर खुश कि मिलने का अवसर अब आ चला. देश-विदेश के चर्चित नामों के साथ उनका भी नाम था. उन्हें विशिष्ट सम्मान मिलना था.

अनिता रश्मि

फोन पर बातें हुईं. उन्होंने बताया, ₹सेहत बहुत खराब है. देखो आ पाती हूं या नहीं.₹

उक्त समारोह में ममता कालिया जी, नासिरा शर्मा जी नहीं आ पाई थीं लेकिन अस्वस्थता के बावजूद चित्रा दी आईं. काफी दुबली लगीं लेकिन खूबसूरती वही. सबसे बड़ी बात, आते ही लोगों से घिरने पर उनका स्नेह छलक पड़ा. किसी का हाथ सहलाया, किसी का कंधा, किसी की पीठ, किसी से गले मिलकर हाल-चाल पूछा...बच्चों सी निश्छलता और अति उत्साह के साथ. बड़ी सी गोल बिंदी उनकी पहचान रही है. और अभी मन को भी हमलोग पहचान पा रहे थे. लग ही नहीं रहा था कि इतनी बड़ी लेखिका हैं. बीमार थीं तो साथ में आए परिजन परेशान, उन्हें आराम करने देने की गुजारिश कर रहे थे. लेकिन वे अति उत्साह में. कई बार मंच पर खड़ी होतीं, कभी बैठ जातीं. सब मंत्रमुग्ध! जब मैं सम्मान लेने आगे बढ़ी, सामने सोफे पर बैठीं चित्रा दी ने छूकर जैसे आशीर्वाद दिया.

लौटने पर भी अंकवार में भरकर आशीर्वचन कहे. बेहद खुश नजर आईं. हाथों को इस तरह कसकर जकड़ लिया कि मैं थोड़ी देर साथ ही ठिठकी रह गई. सब अभिभूत थे, हम भी. मैंने उन्हें साथ की तस्वीर भेज दी थी. लिखा, "यह प्यार बना रहे दीदी. मिलकर समृद्ध हुई." जवाब में पंक्तिबद्ध गुलाबों की लालिमा और दिल की इमोजी.

इधर दो-तीन दिन पूर्व भी अभिव्यक्ति का बड़ा माध्यम इमोजी प्यार बरसाता हुआ आया, जब स्वस्थ रहकर रचनात्मक रहने की कामना की. वे जवाब नहीं भी दे सकती थीं. पर तरुवर तो तरुवर होता है.

स्मृति शेष शैलप्रिया : मां सरस्वती अगर सांवरी होती तो...

डॉ. निवास चंद्र ठाकुर

हां, संभवतः 1981 का कोई महीना था. मैं पच्चीस-छब्बीस बरस का युवा आकाशवाणी रांची में सहायक संपादक पद पर आ चुका था. विदुषी और ख्यात कवयित्री श्रीमती ग्रेस कुजूर अधिशासी थीं साहित्य की और मुझे उनके साथ कार्यक्रम में जोड़ा गया था. हिंदी कविताओं के कार्यक्रम 'नई रचनाएं' में एक दिन एक दुबली-पतली सांवरी सी, ललाट पर टिकुली लगाए, चेहरे पर ओज, बहुत हौले-हौले हमारे कक्ष में आईं. सांवरेपन में इतने पानी और तेज ने मुझे आकर्षित किया. साड़ी और सारा परिधान बहुत सरल और बांधनेवाला था. मन को बिना सोचे-समझे लगा कि यह सांवरी नहीं गोरी होतीं तो सरस्वती लगतीं और मां सरस्वती अगर सांवरी होतीं तो शायद...

शब्दाडंबर रहित कविताएं

कल्पना की उड़ान रुकी उनकी बेहद हल्की आवाज से "जी, मैं शैलप्रिया. आज कविता पाठ की रिकॉर्डिंग का आमंत्रण मिला है...". "ओ.. अच्छा-अच्छा! आइए न आइए... बैठिए न. जी हां, तीन बजे है रिकॉर्डिंग. अच्छा हुआ आप ढाई बजे आ गईं. मैं निवास चंद्र ठाकुर हूं. सहायक संपादक पद पर." मुस्कुराते हुए उन्होंने कहा कि नामपट्ट पढ़ लिया है मैंने आपका. फिर कहां से, कब, कैसे आदि की चर्चा हम दोनों के बीच हुई और तबतक मैडम ग्रेस कुजूर एक मीटिंग के बाद कमरे में मुस्कुराती हुई आईं. शैलप्रिया जी आपको मिलवाऊं, ये ठाकुर जी हैं बहुत अच्छे साथी. अब तक आप मिल चुकी होंगी. फिर उन्होंने कविताओं की स्क्रिप्ट ली, मुझे पढ़ने दे दिया. अपनी समझ से मैंने कविताएं पढ़ीं. बहुत सरल, साफ-साफ, कहीं कोई शब्दाडंबर नहीं. मुझे अच्छी लगीं कविताएं, मैंने बताया. उन्होंने कहा आप हस्ताक्षर कर दीजिए और इन्हें लेकर शालीग्राम भारती जी (प्रस्तुतीकरण सहायक) के साथ स्टूडियो चले जाइए.

शैलप्रिया जी से यह पहला परिचय था मेरा. फिर वे नियमित आने लगीं और कालांतर में मैं स्वतंत्र रूप से हिंदी साहित्य अनुभाग देखने लगा तो उन्हें प्रायः आमंत्रित करने लगा.

आरोप का अंधेरापन प्रतिभा का उजास

मुझे बहुत बाद में पता चला कि शैल जी सुपरिचित, सुप्रसिद्ध कवि विद्याभूषण जी की धर्मपत्नी हैं. विद्याभूषण जी ने कभी नहीं बताई थी ये बात. बाद में मैं अविभाजित बिहार के समस्त आकाशवाणी केंद्रों से प्रसारित होनेवाले साहित्यिक पत्रिका कार्यक्रम 'शतदल' में भी आमंत्रण देने लगा. मुझे याद नहीं है पर एक दो लोगों ने कहा, अरे भाई ठाकुर जी, विद्याभूषण जी इनको कविताओं में मदद कर देते हैं. मैं समझ गया कहने का आशय. मुझे बात सही नहीं लगी. 'शतदल' की कविताओं में मैंने एक-दो बार उनसे चार-चार पंक्तियां बदल देने का अनुरोध किया. उनका बदलाव पहले से भी बेहतर निखर आया. मन में उपजा धुंधलका मिटा गया. आकाश और शुभ्र और नीला लगने लगा.

शोध में उद्धरण

मैंने अपनी पीएच.डी थिसिस में कई कवियों की कविताओं सहित उनकी कविताओं के भी उद्धरण रखे हैं - कवयित्री शैलप्रिया अपनी बहुत ही सरल भाषा में जीवन के विविध रंग जीवंत कर देती हैं. इनके बिंब इसी धरती के हमारे आसपास के होते हैं.

जयंती विशेष : 11 दिसंबर

इनकी कविताओं की बुनावट और कसावट बोधगम्य बिंबों से समय की सच्चाई के साथ हमारी भेंट करवा देती है.

आकाशवाणी से प्रसारित शैलप्रिया कि इस कविता में मुक्ति की छटपटाहट है. अभावों, शोषण, विसंगतियों के बहुविध थपेड़ों से मुक्ति की यह छटपटाहट है. राजकमल चौधरी के 'मुक्ति प्रसंग' की तरह बहुत कुछ अमूर्त-अबूझ नहीं रहते हैं इनके काव्य-रूप. 'मुक्ति प्रस्ताव' कविता में शैलप्रिया साधारण दिखने वाली बातों में विराट मुक्ति का प्रस्ताव रखती हैं -

जिंदगी के पठार पर/ एक बूढ़ा आदमी/बीमार बच्चे को/सिर्फ थपकियां देकर सुलाता है./ढिबरी की टिमटिमाती जोत में/ मां के माथे पर पसीने की बूंदें उगती हैं/ वह केवल लोरियां गा सकती है/ इलाके के डागदर ने पुरजा में/ क्या लिखा है? क्या पता/ दवा की बोतलों में अमृत है या जहर/ यह बूढ़ा आदमी नहीं जानता/ वह मां नहीं पढ़ सकती/मगर अगली सर्दियों में/ सब कुछ हो जाता है सर्द/ जब रात ढले बोतल-सा लुढ़कता/ आता है उसका मर्द.

शैलप्रिया की टूटती-हारती, जुल्म-सितम सहती औरत ने एक अलग औरत होने का सपना देख लिया है -

कल मैंने सपने में देखा है/मोम सी गुड़िया/लोहे के पंख लगा चुकी है/मौत के कुएं से नहीं डरती वह/बेड़ियों से बगावत करती है/जुल्मों से लड़ती है/और मेरे भीतर एक नई/औरत गढ़ती है. कवयित्री शैलप्रिया का व्यक्तित्व ऊपर से अपार शांति का सागर लगता था, पर कौन-सी लहरें, कितने प्रवाह, कितने भूकंप अपने अंतर में छिपाए धधकती थीं, पता नहीं. उनका सारा काव्य गलत स्थितियों से विद्रोह का स्वप्न है. यह सुखद संयोग रहा कि उनके बच्चे प्रियदर्शन, अनुराग अन्वेषी और अनामिका यानी रेमी मुझसे व्यक्तिगत रूप से जुड़ गए. बिना अनिवार्य योग्यता स्नातक किए भी मैंने प्रियदर्शन को युववाणी प्रस्तुति में रख लिया और कहता रहा - भारी मत लिखो, बोल-चाल में लिखो. अनुराग भारी नहीं लिखता था, पर तब बहुत चंचल, नटखट था. रेमी को भी मैं कार्यक्रमों में बुलाता था.

बाद के दिनों में अनुराग आकाशवाणी के युववाणी विभाग में आकस्मिक उद्घोषक के रूप में आता था. उस समय भी उसे मैं अपने विभाग में कविता पाठ के लिए आमंत्रित करता था. और यह बात है 1994 नवंबर की, जब वह रांची में था और शैलप्रिया के इलाज के लिए उन्हें लेकर विद्याभूषण जी और अनामिका दिल्ली में प्रियदर्शन के साथ थे. मैंने अनुराग को कविता पाठ के लिए आमंत्रित किया था. उसकी सारी कविताएं मां पर केंद्रित थीं, जिनका प्रसारण दिसंबर के पहले हफ्ते में किसी दिन तय था. रिकॉर्डिंग हो चुकी थी लेकिन इन कविताओं के प्रसारण से पहले 1 दिसंबर को ही शैलप्रिया सबको छोड़कर चली गईं. 2 दिसंबर के रांची के तीनों दैनिक अखबार के पहले पन्ने पर शैलप्रिया के निधन की खबर थी. हम सब स्तब्ध थे. मैं किशोर गंज स्थित उनके घर गया. अनुराग से मुलाकात हुई. बातचीत में पता चला कि 94 के 11 दिसंबर को शैलप्रिया जी 48 वर्ष की हो जातीं. विद्याभूषण जी के अभिन्न मित्र कालिकिंकर, अशोक पागल वहीं थे. उदय वर्मा (शैलप्रिया के भाई) से भी मुलाकात हुई. कुछ देर रुकने के बाद बोझिल मन से लौट आया यह तय करते हुए कि अनुराग की कविताओं के प्रसारण का जो तय दिन है, उस दिन तो होगा ही. शैलजी के जन्मदिन पर इन कविताओं को विशेष रूप से प्रसारित किया जाएगा. हम भारी कदमों से लौट रहे थे क्योंकि पता चला कि शैलजी के शरीर को दिल्ली से रांची लाया जाएगा. लेकिन यह 3 दिसंबर को ही मुमकिन होगा. 3 दिसंबर को हमसब ने शैलप्रिया जी के अंतिम दर्शन किए, लेकिन आज भी उनका मुस्काता चेहरा दिल-दिमाग में अपनी छाप लिए उपस्थित रहता है.

अंतिम फैसला

कविता विकास

अब तक आपने पढ़ा ...

रुकैया और जावेद एक-दूसरे से बेपनाह मुहब्बत करते थे. रुढ़िवादी परिवार में यह बात किसी के गले नहीं उतरती कि लड़की अपनी पसंद के लड़के से निकाह कर रही है. इसलिए जावेद को यह वास्ता देकर कि वह उसे भूल जाए, रुकैया घर में गुमसुम पड़ी रहती है. उसकी भाभी अपने एक ममेरे भाई शौकत से उसका निकाह करवाना चाहती है जो कुवैत में रहता था. वह एक तलाकशुदा ऐय्याशी पुरुष था. रुकैया अपनी ज़िन्दगी बर्बाद होते देख रही थी. उसे अपने जिस छोटे भाई पर विश्वास था कि वह इस निकाह को तोड़ने मे मदद करेगा, उसने भी बिरादरी मे अपनी बदनामी होने के डर से हथियार डाल दिए. अब आगे पढ़िए...

अब मेरे पास कोई रास्ता नहीं बचा था. मुझे अपने भाग्य पर दया आ रही थी. भाभी ने मेरी चुप्पी का मतलब यही समझा कि मैं इस निकाह के लिए तैयार हूं. आनन-फानन में कुवैत सूचना भेजी गयी कि लड़की शादी के लिए राजी है. यहां इंतज़ामात भी शुरू हो चुके हैं. अब बस आप यहां आने की तारीख बता दें. भाभी ने अपनी पुरानी लेकिन अच्छी साड़ियों का एक बक्सा ठीक किया. चार दिन बाद निकाह की तारीख पक्की हुई. उसी दिन सवेरे शौकत यहां आने वाले थे. रुकैया का रोते - रोते बुरा हाल था. इस बीच जावेद ने एक बार भी संपर्क नहीं साधा था. उसे सारी दुनिया ही झूठी लगने लगी थी.

निकाह के दो दिन पहले दोनों भाभियां सोनार के घर गयी हुईं थीं. दोनों बड़े भाई भी होटल बुक कराने और दावत का एडवांस आदि देने निकले हुए थे. उनके जाने के बाद छोटे भाई भी निकल पड़े. करीब एक-डेढ़ घंटे बाद छोटे भाई का फ़ोन आया कि पिछली गली में उनके एक दोस्त शमीम जिन्हें वह अच्छी तरह जानती थी, उसके घर पहुंच जाए. पिछली रात वह एक अंगूठी और गरारे की बात कर रहे थे, उसने सोचा कि शायद उनके नाप लेने होंगे, इसलिए बुलाया है. जैसे-तैसे घर से वह निकल पड़ी. चेहरा सूजा हुआ था. शमीम के घर पहुंच कर उसे घोर आश्चर्य हुआ कि उनके साथ जावेद भी खड़ा था. छोटे ने कहा-" रुकैया, तू जावेद के साथ मेरठ चली जा. यहां से पंद्रह मिनट में तुम दोनों बस-स्टैंड पहुंच जाओगे और आधे घंटे के बाद मेरठ की बस खुलेगी. तुम्हारे जाने के बाद के तूफ़ान को मैं संभाल लूंगा. एक नरक से निकाल कर मैं दूसरे नरक में तुम्हें नहीं ठेल सकता." एक लम्बी श्वांस भर कर कहा-"कह दूंगा कि बदचलन थी इसलिए भाग गयी. मुझे पता है कि तुम्हें खोजने के लिए वे ज्यादा दौड़-भाग भी नहीं करेंगे. अभी काफी वक्त है, भाभी शौकत को समझा देंगी. तुम दोनों जल्द ही निकाह कर लेना और इधर भूल कर भी न आना. मुझे कोई फ़ोन-वोन नहीं करना. समय इस ज़ख्म को भर देगा. मैं उचित समय देख कर तुम दोनों से संपर्क करूंगा." इतना कहते हुए छोटे भाई ने मेरे हाथों में दस हज़ार की गड्डियां पकड़ा दीं. मैं क्षण भर के लिए अवाक रह गई. सब कुछ एक ड्रामे की तरह था. मैं भाई से गले मिल कर रो पड़ी. दूसरे ही क्षण दुपट्टे से चेहरे को ढंक लिया और तेज़ क़दमों से हम बस स्टैं की ओर चल पड़े.

समाप्त

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

व्यंग्य ›› बर्बरीक

छुपा हुआ एनिमल

कहा जाता है- मैन इज ए सोशल एनिमल. मतलब मनुष्य एक सामाजिक जानवर है जिसे गलती से सामाजिक प्राणी समझ लिया गया है. हालांकि जब वह अपने क्रूरतम रूप में रहता है तो जानवर भी शर्मा जाता है. हर आदमी के अंदर एक एनिमल छुपा होता है जिसे बड़ी जतन से वह ढंके रहता है. नाखून, पंजे, खून सनी दाढ़ सब छुपाकर वह सभा सोसाइटी में बैठता है, अच्छी-अच्छी बातें करता है. लेकिन जरा सा माहौल मिलते ही सब नाखून पंजे निकाल लेता है. खासतौर पर जब किसी स्त्री या किसी दलित या मुसलमान से एकांत में कोई बात व्यवहार करना हो तब उसका एनिमलत्व पूरे शबाब पर होता है. चार मर्द जमा हों और किसी अकेली, स्मार्ट, कामकाजी स्त्री के बारे में बात कर रहे हों तो उन्हें गौर से सुनिए. उनके अंदर का एनिमल खुलकर बाहर आता है. किसी हिन्दू गिरोह की बातें सुनिए जब वहां पर कोई मुसलमान न हो. पूरी शब्दावली बदली हुई सुनाई देगी. यकीन नहीं होगा कि यही वो लोग थे जो थोड़ी देर पहले तक ठीक ठाक बातें कर रहे थे. यह खून सनी दाढ़ कहाँ छुपी थी? शायद

यही सब देखकर निदा फ़ाज़ली ने कहा था- हर आदमी में होते हैं दस बीस आदमी/जिसको भी देखना कई कई बार देखना. चुनाव में ही हर उम्मीदवार की उम्मीद को हवा देना और चुनाव के ऐन पहले हवा निकाल देने का खेल भी बहुत पुराना है. किसी मोहल्ले के वोटर अचानक पाला बदल लेते हैं. सब समझ जाते हैं कि रात में ही चुनाव में कुछ खेला हो गया. सामूहिक रूप से एनिमल बाहर निकल आए हैं. अकेली लड़की रात को निकल जाए तो एनिमल्स की गुर्राहट चारों ओर गूंजने लगती है. सोशल मीडिया पर आपने कुछ महामानव के विरुद्ध लिख दिया तो लकडबग्घे आपको घेर लेंगे. ये नए एनिमल ही ट्रोल कहलाते हैं. किसी काम की जगह पर जाएं तो एनिमल ही एनिमल- थाना, कचहरी, सरकारी दफ्तर हर जगह. सबसे मजेदार है विश्वविद्यालयों में एनिमल्स का पाया जाना. विश्वविद्यालय में लेक्चरर के एकमात्र पद के लिए जबरदस्त घेरेबंदी. विभिन्न दलों के छात्रों के बीच जबरदस्त हंगामा. पार्टियां में पाये जाते पार्टी एनिमल जिनके बारे में पता नहीं चलता कि वे दरअसल करते क्या है सिर्फ उनके किस्से रहते हैं. तो किस्सा कोताह यह कि एनिमल दरअसल कहीं बाहर घूमते हुए नहीं मिलते, वे दरअसल आदमी के अंदर छुपे हुए होते हैं. तभी तो निहायत ही स्त्री विरोधी फिल्में भी हिट हो रही हैं. उन्हें हमारे अन्दर का एनिमल सपोर्ट करता है. उन्हें हिट होने में मदद करता है. यह हमें बताता भी है कि कैसा देश हम बना रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

38 लाख लूट मामले में शक के दायरे में कर्मी

मुजफ्फरपुर । 7 दिसंबर को अहियापुर के सहबाजपुर में भारत फाइनेंस के कार्यालय से लूट की घटना मामले में पुलिस की जांच में तेजी आई है. हथियार के बल पर अपराधियों ने 38 लाख रुपये की लूट की थी. साथ ही कर्मी का मोबाइल भी लूट लिया गया था. अब लुटे गए मोबाइल लोकेशन के आधार पर लुटेरों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस छापेमारी कर रही है. जिला पुलिस की विशेष टीम ने शुक्रवार को मुजफ्फरपुर के कांटी और पूर्वी चंपारण के मेहसी, चकिया, मोतिहारी तक छापेमारी की. हालांकि देर रात तक टीम के हाथ खाली रहे.

पटना में युवक की गोली मारकर हत्या

पटना । राजधानी पटना के दानापुर में बदमाशों ने एक युवक की हत्या कर दी है. घटना को अंजाम देने के बाद बदमाशों ने युवक का शव मिथिला कॉलोनी के पास झाड़ियों में फेंक दिया. शनिवार को शव मिलने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा है. युवक की पहचान दीघा निवासी व चालक अमित कुमार के रूप में की गयी है. वहीं पुलिस ने मिथिला कॉलोनी से लावारिस हालत में स्कॉर्पियो बरामद की है. सीसीटीवी फुटेज में युवक को ले जाते हुए डब्बू और अविनाश उर्फ चिंटू की तस्वीर कैमरे में कैद हुई है.

छोटे भाई की गर्दन पर तलवार से किया हमला

जमुई । जमुई जिले के खैरा थाना क्षेत्र अंतर्गत अम्बातरी गांव में शुक्रवार की देर रात मामूली विवाद को लेकर शराब के नशे में बड़े भाई ने अपने छोटे भाई के गर्दन पर तलवार से हमला कर दिया. जिसमें छोटा भाई गंभीर रूप घायल हो गया. वहीं, घायल को परिजनों द्वारा इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया जहां उसकी हालत देखते हुए पीएमसीएच रेफर कर दिया गया. घायल युवक की पहचान अम्बातरी गांव निवासी डिगन मांझी के 30 वर्षीय पुत्र अजय मांझी के रूप में की गई है. हालांकि आरोपी भागने में सफल रहा, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है.

राजद सुप्रिमो लालू परिवार ने तिरुपति में की पूजा-अर्चना

एजेंसी । पटना

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने शनिवार को पूरे परिवार के साथ तिरुपति बालाजी मंदिर में पूजा-अर्चना की. तेजस्वी और राजश्री की शादी की आज दूसरी सालगिरह भी है. इस खास मौके पर तेजस्वी-राजश्री की बेटी कात्यायनी का मुंडन संस्कार भी संपन्न हुआ. डिप्टी सीएम ने अपने 'एक्स' हैंडल पर तस्वीर शेयर कर इसकी जानकारी दी. तेजस्वी ने चार तस्वीर शेयर की है. दो तस्वीर में लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव, राजश्री और उनकी बेटी कात्यायनी नजर आ रही है. वहीं

तेजस्वी-राजश्री की बेटी का हुआ मुंडन

तीसरी तस्वीर में तेजस्वी यादव, पत्नी राजश्री और बेटी कात्यायनी हैं. चौथी तस्वीर में तेजस्वी और तेज प्रताप ने मां राबड़ी देवी के साथ फोटो खिचवाई है.

श्री तिरुपति बालाजी के दिव्य दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया : तेजस्वी ने एक्स पर लिखा कि सवेरे आंध्र प्रदेश के तिरुमाला पर्वत स्थित उत्कृष्ट शिल्प कौशल के अद्भुत उदाहरण एवं भक्ति, विश्वास और श्रद्धा के प्रतीक भगवान श्री तिरुपति बालाजी मंदिर में सपरिवार पूजा-अर्चना व दिव्य दर्शन कर सकारात्मक ऊर्जा एवं आशीर्वाद प्राप्त किया. गर्भगृह में विराजमान भगवान वेंकटेश्वर से समस्त प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और कल्याण के लिए मंगल प्रार्थना की. आज शादी की सालगिरह के विशेष दिन पर बेटी कात्यायनी का मुंडन संस्कार भी संपन्न हुआ. आगे लिखा कि सकारात्मक ऊर्जा उत्सर्जित करने वाले पौराणिक ऐतिहासिक व आध्यात्मिक स्थलों की यात्रा ज्ञानार्जन, शुभता, दिव्य हस्तक्षेप, आध्यात्मिक सांत्वना, आत्म-साक्षात्कार, ध्यान और परमात्मा से जुड़ने का जरिया, व्यक्तिगत व सामुदायिक विकास तथा मानव जीवन के मूल उद्देश्य की गहराई को समझने की चाह रखने वालों के लिए एक मार्गदर्शन के रूप में भी कार्य करती है.

तेजस्वी-राजश्री की शादी की दूसरी सालगिरह : बता दें कि तेजस्वी यादव और राजश्री की शादी आज से दो साल पहले 9 दिसंबर 2021 को हुई थी. दिल्ली में दोनों ने पारिवार के करीबी सदस्यों की मौजूदगी में सात फेरे लिये थे. इसी साल मार्च में चैती नवरात्रि के समय पर दोनों माता-पिता बने थे. इसलिए उनकी बेटी का नाम कात्यायनी रखा गया है.

आओ जानें

महात्मा गांधी सेतु : 1982 में पूर्व पीएम इंदिरा गांधी ने नींव रखी थी

बिहार महात्मा गांधी सेतु या गंगा सेतु भारत का तीसरा सबसे लंबा नदी पुल है. इस पुल की लंबाई 5.75 किमी (3.57 मील) और चौड़ाई 25 मीटर (82 फीट) है. महात्मा गांधी सेतु बिहार के बिहार राज्य के पटना में स्थित है. दक्षिण में पटना

और उत्तर में हाजीपुर इस पुल से जुड़े हुए हैं. चूंकि गांधी सेतु गंगा नदी के ऊपर स्थित है. इसलिए इस पुल को गंगा सेतु के नाम से भी जाना जाता है. इस पुल का उद्घाटन भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने मई 1982 में हाजीपुर में एक समारोह में किया था.

शिक्षा माफिया बच्चा राय के ठिकानों पर छापेमारी

ईडी की जब्त जमीन पर राय ने फिर कर लिया कब्जा, हड़कंप

संवाददाता । हाजीपुर

वैशाली में शनिवार की सुबह ईडी (ईडी) की टीम छापेमारी करने पहुंची. शिक्षा माफिया बच्चा राय के स्कूल, कॉलेज, घर समेत कई ठिकानों पर ईडी की छापेमारी हुई है. सुबह-सुबह छापेमारी से हड़कंप मच गया है. सुबह करीब 8.30 बजे से यह छापेमारी हो रही है. पुलिस की टीम और ईडी को मिलाकर लगभग 50 लोग छापेमारी में शामिल हैं. पूरा मामला हाजीपुर के भगवानपुर प्रखंड का है. बच्चा राय 2016 में हुए बिहार बोर्ड के इंटर टॉपर घोटाले का मास्टरमाइंड है. आय से अधिक संपत्ति को लेकर बच्चा राय की जमीन पर ईडी ने कब्जा कर लिया था. बाद में बच्चा राय ने ईडी द्वारा जब्त की गई संपत्ति पर धीरे-धीरे कब्जा करना शुरू कर दिया था. ईडी की ओर से इस मामले में थाने में शिकायत भी की गई है.

ईडी के सहायक निदेशक राजीव रंजन ने भगवानपुर थाना में 24 नवंबर को आवेदन दिया है. इस मामले में 29 नवंबर को प्राथमिकी दर्ज की गई है. कब्जे वाली जमीन पर शिक्षा माफिया बच्चा राय द्वारा भवन का निर्माण कराया जा रहा था. इस

खास बातें

- आय से अधिक संपत्ति को लेकर ईडी ने कब्जा किया था जमीन
- ईडी को मिलाकर लगभग 50 लोग छापेमारी में शामिल थे

मामले में सदर एसडीपीओ ओमप्रकाश ने बताया है कि ईडी की ओर से भगवानपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है. हम लोग इस मामले में जांच पड़ताल कर रहे हैं. जो भी आवश्यक कार्रवाई होगी वह करेंगे. यह छापेमारी भगवानपुर के कीरतपुर राजारामपुर में हो रही है. रिपोर्ट के अनुसार, बच्चा राय ने ईडी की ओर से जब्त बिल्डिंग को अपने कब्जे में ले लिया. इतना ही नहीं बल्कि अवैध तरीके से निर्माण कराया और वह इंटरमीडिएट स्कूल खोलने वाला था. उसने बिहार बोर्ड में आवेदन भी दिया. ऐसे में इंटर टॉपर घोटाले को लेकर फिर सवाल उठने लगे हैं कि कहीं दोबारा खेल की नए सिरे से तैयारी तो नहीं की जा रही थी?

बिहार में टॉप की थी रूबी राय : बता दें कि 2016 में बिहार बोर्ड इंटर टॉपर घोटाले का पर्दाफाश हुआ था. आर्ट्स से इंटरमीडिएट की छात्रा रूबी राय ने बिहार में टॉप किया था. जब टॉपर की लिस्ट सामने आई तो रूबी राय से पत्रकारों ने कुछ सवाल किया था. जवाब देते हुए रूबी राय फंस गई थी. इसके बाद मामला हाईलाइट हुआ तो जांच बैठी जिसके बाद परत दर परत मामला खुलता चला गया था. इसी में बच्चा राय मास्टरमाइंड निकला था.

छापेमारी

निगरानी जांच में अबतक दो करोड़ रु का हिसाब

पटना । सीवान के जिला शिक्षा पदाधिकारी मिथिलेश कुमार के दफ्तर और सीवान स्थित आवास के साथ पटना में उनके मकान पर निगरानी की टीम ने जांच पड़ताल की. जांच के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी के संपत्ति को लेकर जो खुलासे हुए, वह चौंकाने वाले थे. निगरानी विभाग की ओर से कहा गया है कि सीवान का शिक्षा पदाधिकारी करोड़ों रुपए के चल अचल संपत्ति का मालिक है. शुक्रवार सुबह से शाम तक चली रेड से पता चला कि उन्होंने अपने पद पर रहते हुए भ्रष्टाचार किया और अवैध संपत्ति बनाई. चौकाने वाली बात यह है कि यह वहीं शिक्षा पदाधिकारी हैं, जिन्हें इसी वर्ष अप्रैल माह में राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया था.

सीवान में कार्यालय और आवास से 14 लाख कैश बरामद : निगरानी की ओर से कहा गया है जिला शिक्षा पदाधिकारी, सीवान के विरूद्ध लगभग 87,08,054 रुपया का प्रत्यानुपातिक धनार्जन का कांड दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है.

पटनाः शनिवार को पटना वीमेंस कॉलेज की छात्राएं मानवाधिकार दिवस पर एक अभियान में हिस्सा लेती हुईं.

9वीं के छात्र की हत्या, 4 लोग घायल

संवाददाता । बांका

बौंसी प्रखंड के बंधुआकुरावा थाना क्षेत्र के झालर गांव में शुक्रवार की शाम एक छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई. गोलीबारी की घटना में चार लोग जख्मी भी हुए हैं. घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है. मृतक छात्र की पहचान झालर गांव निवासी भूपेंद्र यादव के पुत्र अरुण यादव (14 वर्ष) के रूप में हुई है. वह उच्च विद्यालय में कक्षा 9वीं का छात्र था. गोलीबारी के बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने सभी जख्मियों को बौंसी स्थित रेफरल अस्पताल पहुंचाया.

एक वाहन, आधा दर्जन कारतूस और हथियार को भी जब्त किया. एक व्यक्ति को हिरासत में भी लिया है. इधर, रेफरल अस्पताल बौंसी में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. कुमारी अर्चना ने जख्मी कुलदीप राय (45 वर्ष) की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल भागलपुर रेफर कर दिया. वहीं, मृतक अरुण की मां तारा देवी (40 वर्ष), पड़ोसी इंदु देवी (30 वर्ष) और कुलदीप राय की पुत्री श्रद्धा कुमारी (7 वर्ष) का रेफरल अस्पताल में इलाज चल रहा है.

क्या है पूरा विवाद?

मृतक अरुण के बड़े पिता कार्तिक यादव ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार की सुबह सड़क पर वाहन लगाने को लेकर अरुण के भाई पंकज से चिलकारा पंचायत के पूर्व मुखिया पप्पू यादव का विवाद हुआ था. इसी विवाद में शाम में पूर्व मुखिया पप्पू यादव अपने भाई हिमांशु, अमर, चाचा समुद्र यादव, कुलदीप यादव और चालक डोमा यादव के साथ काले रंग की स्कॉर्पियो से आया और गाली-गलौज करते हुए गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया. इस घटना में उनके भतीजे अरुण की छाती में गोली लगी जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई. इस गोलीबारी की घटना में चार अन्य लोग भी जख्मी हो गए.

कारोबार

विमल को अडाणी इंफ्रा इंडिया का सीईओ बनाया

नयी दिल्ली । अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के पारेषण कारोबार के प्रमुख विमल दयाल को अडाणी इंफ्रास्ट्रक्चर इंडिया का सीईओ नियुक्त किया गया है. अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि दयाल अडाणी इंफ्रास्ट्रक्चर इंडिया की ताप, नवीकरणीय ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं के कार्यान्वयन की देखरेख करेंगे. बयान में कहा गया है कि नेतृत्व परिवर्तन अडाणी इंफ्रास्ट्रक्चर व्यवसाय की बढ़ी हुई वृद्धि का समर्थन करने के लिए किया गया है.

टीवीएस ने राहत कार्य के लिए 3 करोड़ दिये

नयी दिल्ली । टीवीएस मोटर कंपनी ने शनिवार को कहा कि उसने तमिलनाडु में चक्रवात 'मिचौंग' के कारण हुए नुकसान के मद्देनजर राहत कार्य में सहायता के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में तीन करोड़ रुपये का दान दिया है. कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस धनराशि का इस्तेमाल उन समुदायों को आवश्यक राहत और सहायता प्रदान करने के लिए किया जाएगा जो चक्रवात से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं. टीवीएस मोटर कंपनी के प्रबंध निदेशक सुदर्शन वेणु ने कहा, बाढ़ से लोगों के लिए बहुत अधिक कठिनाई पैदा हुई है.

कुंदन एनर्जी 1,000 करोड़ से करेगी विकसित

देहरादून । कुंदन ग्रीन एनर्जी ने उत्तराखंड में 1,000 करोड़ रुपये के निवेश से 80 मेगावाट की पनबिजली परियोजनाएं विकसित करने के लिए एक प्रारंभिक समझौता किया है. कंपनी ने एक बयान में कहा कि कुंदन ग्रीन एनर्जी ने इसके लिए उत्तराखंड सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं. बयान के अनुसार, समझौते के तहत 1,000 करोड़ रुपये के निवेश से राज्य की पनबिजली उत्पादन क्षमता में नई परियोजनाओं के माध्यम से 80 मेगावाट जोड़ने की परिकल्पना की गई है.

सरकार की कोशिशों के बावजूद खिलौनों के आयात में कमी नहीं आ रही है

देसी निर्माताओं को हो रहा नुकसान

भाषा । नयी दिल्ली

देसी खिलौने के बाजार को बढ़ाने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने कई नियम बनाए हैं, लेकिन इसकी अनदेखी हो रही है. इन नियमों का सख्ती से पालन नहीं हो रहा है. सरकार की कोशिशों के बावजूद टॉयज के इंपोर्ट में कमी नहीं आ रही है. इससे देसी निर्माताओं को नुकसान हो रहा है. खिलौना निर्माता सरबजीत सिंह ने बताया कि बीआईएस ने मैन्युफैक्चरर्स के लिए लाइसेंसिंग प्रक्रिया आसान की है. रिन्युअल फीस में भी रियायत दी जाती है. माइक्रो इंडस्ट्रीज को कई तरह की छूट मिलती है. इन सबके बावजूद निर्माताओं का माल उम्मीद के मुताबिक नहीं बिक रहा है. दरअसल, अलग-अलग तरह से विदेशी खिलौने इंपोर्ट हो रहे हैं. उससे नुकसान झेलना पड़ रहा है. बीआईएस का नियम 14 साल से कम उम्र के बच्चों के खिलौनों पर लागू होता है. ऐसे में एक्सपोर्टर अपने टॉयज पर शो करते हैं कि वो 14 साल के अधिक उम्र के बच्चों के लिए है. फिर ये बीआईएस नॉर्म्स से बाहर हो जाते हैं. ये टॉयज आसानी से इंपोर्ट हो जाते हैं. यहां पेचकस से

खास बातें

- माइक्रो इंडस्ट्रीज को कई तरह की छूट मिलती है
- देश में बहुत कम मैन्युफैक्चरर्स के पास लाइसेंस है

कसकर ''मेक इन इंडिया'' डब्बों में पैककर बेचते हैं जबकि भारत में खिलौना नहीं बना है. सरबजीत ने बताया कि बीआईएस लागू होने से पहले 85 प्रतिशत खिलौने बाहर से आते थे. तमाम प्रयासों के बावजूद इंपोर्ट में ज्यादा कमी नहीं ला सके हैं. आज भी 50 से 60 प्रतिशत खिलौने विदेश से आते हैं. कुछ टॉयज मिस डिक्लियरेंस करके लाए जा रहे हैं. इनमें खिलौने का नाम नहीं होता है. उसमें गिफ्ट और डेकोरेटिव आइटम शो करते हैं. इससे इंपोर्ट ड्यूटी और बीआईएस से भी बच जाते हैं. सरकार को इस पर ध्यान देना होगा. द टॉयज असोसिएशन ऑफ इंडिया के चीफ कॉर्डिनेटर अमिताभ खरबंदा ने कहा कि बीआईएस ने तय कर रखा है कि एक पार्टिकुलर खिलौना 3 साल या 5 साल से ऊपर का बच्चा ही खेल सकता है.

मगर, इंपोर्टेड खिलौनों पर लिखा होगा कि उसे 14 साल से ज्यादा उम्र के बच्चे खेल सकते हैं, तो यह नियमों का सरासर उल्लंघन है. कोई भी निर्माता 10 तरह के खिलौने बनाता है. यदि सभी पर लिखे कि 14 साल से बड़े बच्चे खेलेंगे, तो किसी को लैब लगाने की जरूरत ही नहीं है. बच्चे दुकान में खिलौना देखकर पसंद करते हैं. कोई ग्रेडिंग पर ध्यान नहीं देता. इस तरह की समस्याओं पर सरकार को गौर करना चाहिए. कोशिश हो कि देसी निर्माताओं का प्रोडक्शन और बिजनेस दोनों बढ़े.

द टॉयज असोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रेजिडेंट अजय अग्रवाल ने कहा कि इंपोर्टेड टॉयज पर बीआईएस के नियम लागू नहीं हो पा रहे हैं. काफी मात्रा में खुला माल विदेश से आ रहा है. बाआईएस को गहन विचार करना होगा. मैन्युफैक्चरर्स को प्रोटेक्ट करने की जरूरत है. नियम ऐसे हों, जिससे लोकल निर्माताओं को काम मिले. अभी पॉलिसी में क्लियरिटी नहीं है. खिलौनों के पार्ट्स के साथ तैयार टॉयज भी विदेश से आ रहे हैं. दिल्ली और देश के दूसरे बाजार विदेशी खिलौनों से भरे हैं. सरकार भारतीय खिलौना निर्माताओं और व्यापारियों को आगे बढ़ाना चाहती है. फिर भी इंडस्ट्री ग्रोथ अपेक्षा के अनुरूप नहीं है. देश में बहुत कम मैन्युफैक्चरर्स के पास लाइसेंस है. अधिक से अधिक लोगों को लाइसेंस दिए जाएं. व्यापारियों और निर्माताओं के संग इंटरेक्शन होगा, तो अधिक लोग खिलौना उद्योग से जुड़ेंगे. बाआईएस के संदर्भ में इंपोर्ट पॉलिसी के मापदंड स्पष्ट होने चाहिए.

इंडीग्रिड कोष

इंडीग्रिड ने 670 करोड़ रुपये जुटाए

नयी दिल्ली । बिजली क्षेत्र की बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट इंडीग्रिड ने संस्थागत नियोजन के जरिये 670 करोड़ रुपये जुटाए हैं. कंपनी ने एक बयान में कहा कि भारत के पहले सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध बिजली क्षेत्र के बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट ने सेबी द्वारा निर्धारित संस्थागत नियोजन प्रक्रिया के माध्यम से सफलतापूर्वक 670 करोड़ रुपये जुटाए हैं. बयान के अनुसार, पांच दिसंबर को शुरू हुई आईपी में मौजूदा और नए भारतीय और वैश्विक संस्थागत निवेशकों, दोनों की ओर से मजबूत मांग देखी गई. इंडीग्रिड ने सितंबर, 2023 में तरजीही निर्गम के जरिए 400 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए थे. हाल ही में संपन्न संस्थागत नियोजन के साथ कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में सफलतापूर्वक 1,070 करोड़ रुपये का इक्विटी कोष जुटाया है. इंडीग्रिड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी हर्ष शाह ने एक बयान में कहा, धन जुटाने की इस प्रक्रिय में हमें अपने यूनिट धारक आधार का विस्तार करने में मदद की है, जिसमें बीमा कंपनियों, पेंशन फंड, म्यूचुअल फंड और घरेलू संस्थानों के दीर्घकालिक निवेशकों से लेकर निवेशक आधार तक 90% से अधिक की मांग शामिल है.

पटना में अभिनेत्री नीतू चंद्रा संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करती हुई.

आयात-निर्यात सरकार के लिए वास्तविक लाभार्थियों की पहचान करना महत्वपूर्ण

ब्याज छूट योजना में लाभार्थियों की पहचान करना अहम

एजेंसी । नयी दिल्ली

सरकार के लिए विभिन्न निर्यात क्षेत्रों को प्रदान की गई ब्याज छूट योजना के वास्तविक लाभार्थियों की पहचान करना महत्वपूर्ण है. शोध संस्थान जीटीआरआई ने शनिवार को यह बात कही. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने खेप भेजने के पहले और बाद में रुपया निर्यात ऋण की सुविधा अगले साल 30 जून तक देने के लिए शुक्रवार को ब्याज समरूपता या सब्सिडी योजना के तहत 2,500 करोड़ रुपये के अतिरिक्त आवंटन को मंजूरी दे दी. यह योजना एक अप्रैल, 2015 को शुरू की गई थी और इसकी अवधि 31 मार्च, 2020 तक ही रखी गई थी. लेकिन, बाद में कोविड-19 महामारी के समय इसकी अवधि एक साल के

लिए और फिर बाद में इसकी तिथि व आवंटन और बढ़ा दिया गया. वैश्विक व्यापार अनुसंधान पहल (जीटीआरआई) ने कहा, योजना का अभी तक कोई विस्तृत अध्ययन नहीं किया गया है.

सरकार के लिए वास्तविक लाभार्थियों की पहचान करना महत्वपूर्ण है. कम खर्च को ध्यान में रखते हुए यह संभव है कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के बजाय कुछ बड़ी संस्थाएं सबसे अधिक लाभ उठा रही हैं. इसमें कहा गया कि यह पता लगाना भी जरूरी है कि किन उत्पाद समूहों को सबसे अधिक ऋण मिलता है और इस योजना के माध्यम से छोटी फर्मों की सहायता करने में बैंकों की प्रभावशीलता की जांच की जानी चाहिए. जीटीआरआई के सह-संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, एक संपूर्ण अध्ययन में यह भी पता चल सकता है कि क्या कुछ वस्तुओं, जैसे कम मात्रा, उच्च मूल्य वाले सामान, जैसे हीरे और सोने के आभूषण, को बाहर रखा जाना चाहिए, जिनका दुरुपयोग होने की आशंका है.

विस्तृत अध्ययन से ही पूरी सच्चाई सामने आ सकती है. इस योजना की लागत औसतन लगभग 3,000 करोड़ रुपये है. भारत से 50,000 से अधिक एमएसएमई विभिन्न उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं, साथ ही योजना के तहत आने वाले उत्पादों के लिए एक लाख से अधिक अन्य निर्यातक भी हैं.

खास बातें

- अलग-अलग तरह से विदेशी खिलौने इंपोर्ट हो रहे हैं
- माइक्रो इंडस्ट्रीज को कई तरह की छूट मिलती है

सीआईएबीसी ने बिहार सरकार को लिखा पत्र

शराब की खपत, बिक्री पर प्रतिबंध हटाने का किया आग्रह

एजेंसी । नयी दिल्ली

मादक पेय विनिर्माता निकाय सीआईएबीसी ने शनिवार को बिहार सरकार से शराब की बिक्री पर प्रतिबंध हटाने का आग्रह किया. निकाय ने कहा कि ऐसा करने से राज्य के राजस्व संग्रह को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी. गौरतलब है कि मणिपुर में 30 साल के अंतराल के बाद शराब की बिक्री और खपत को वैध कर दिया गया है. कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन अल्कोहलिक बेवरेज कंपनीज (सीआईएबीसी) ने यह भी कहा कि बिहार में शराबबंदी खत्म होने से वहां की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा, खराब गुणवत्ता वाली शराब का गैरकानूनी व्यापार खत्म होगा और जहरीली शराब की त्रासदियों को रोका जा सकेगा. सीआईएबीसी के महानिदेशक विनोद गिरी ने कहा कि मणिपुर सरकार ने एक सकारात्मक कदम उठाया है और इससे राज्य को 600-700 करोड़ रुपये का वार्षिक कर राजस्व अर्जित करने और अवैध शराब की बिक्री के खतरे से निपटने में मदद मिलेगी.

उन्होंने कहा, बिहार सरकार को भी इसका पालन करना चाहिए और शराबबंदी हटानी चाहिए. गिरि ने कहा कि बिहार अवैध और नकली शराब के प्रसार, जहरीली शराब की घटनाओं, अपराध सिंडिकेट के बढ़ने और वैध सरकारी राजस्व के नुकसान के रूप में शराबबंदी नीति की 'भारी कीमत' चुका रहा है.

जिला प्रशासन की तैयारी पूरी, अलग-अलग टीम के साथ ब्लड लेकर एंबुलेंस रहेगी तैनात

उपराष्ट्रपति के आगमन को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

संवाददाता। धनबाद

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ रविवार को धनबाद के आईआईटी आईएसएम में दीक्षांत समारोह में भाग लेने पहुंचेंगे. उपराष्ट्रपति के आगमन को लेकर जिला प्रशासन की पुख्ता तैयारी है, तो वहीं स्वास्थ्य विभाग को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है. स्वास्थ्य विभाग की ओर से इसके लिए अलग-अलग टीम तैनात किए गए हैं.

वहीं अस्पताल में ब्लड बैंक में रक्त की उपलब्धता रखी गई है. उपराष्ट्रपति के काफिले में एंबुलेंस के साथ मेडिकल टीम की तैनाती रहेगी.

इस टीम में हृदय रोग विशेषज्ञ, मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ के अलावा मेडिसिन, सर्जरी, पैथोलॉजी सहित अन्य के विशेषता के डॉक्टर मौजूद होंगे. जिले में कार्डियोलॉजिस्ट नहीं रहने से रांची से कार्डियालॉजिस्ट मंगाए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग की एक टीम एसएनएमएमसीएच तो दूसरी टीम सदर अस्पताल में तैनात रहेगी.

अधिकारियों ने किया निरीक्षण : उपराष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के ब्लड बैंक का अधिकारियों ने शनिवार को निरीक्षण किया. यहां रक्त पर्याप्त मात्रा उपलब्ध कराया गया है. सिविल सर्जन डॉ. चंद्रभानु प्रतापन ने बताया कि प्रोटोकॉल के तहत सभी तैयारियां पूरी गर ली गई है. किसी भी प्रकार के आपात चिकित्सकीय व्यवस्था के लिए टीम पूरी तरह से तैनात रहेगी. उपराष्ट्रपति के आगमन के बाद उन्हें दिए जाने वाले भोजन की भी स्वास्थ्य विभाग फूड सेफ्टी के तहत जांच करेगा. जांच के बाद ही संबंधित खाद्य पदार्थ को उपराष्ट्रपति के समक्ष परोसा जाएगा. इसके लिए भी स्वास्थ्य विभाग की ओर से अलग से टीम क तैनात की गई है.

जमशेदपुर प्रशासन ने किया मॉक ड्रिल

जमशेदपुर। जमशेदपुर में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के आगमन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तैयारी कर ली है. उपराष्ट्रपति एक्सएलआरआई की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने पर प्लैटिनम जुबली समारोह में शामिल होने शहर आ रहे हैं. उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ रविवार को दोपहर दो बजे एक्सएलआरआई पहुंचेंगे. इससे पहले वे विशेष विमान से रांची एयरपोर्ट पहुंचेंगे. इसके बाद उपराष्ट्रपति जमशेदपुर के लिए रवाना होंगे. एक्सएलआरआई के कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति के साथ झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, टाटा स्टील लिमिटेड के सीईओ सह एमडी टीवी नरेंद्रन, एक्सएलआरआई के डायरेक्टर फादर एस जॉर्ज फर्नांडिस भी मौजूद रहेंगे. कार्यक्रम के बाद वे सोनारी एयरपोर्ट रवाना हो जाएंगे. इस कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन तैयारी में जुटा हुआ है. शनिवार को उपायुक्त, एसएसपी समेत जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बैठक कर कार्यक्रम में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रणनीति बनाई. ड्यूटी में तैनात रहने वाले दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों व जवानों को जरूरी दिशा निर्देश दिए.

आओ जानें
सामान्य ज्ञान

- झारखंड क्षेत्र स्वागत परिषद का गठन कब हुआ था– 9 अगस्त 1995
- झारखंड में कितने जनजातीय समूह हैं– 32
- झारखंड में कितने विश्वविद्यालय हैं– 7
- झारखंड में मिट्टी के कितने प्रकार हैं– 6
- झारखंड किस राज्य से कटकर बना हैं– बिहार
- झारखंड का स्थापना दिवस कब हैं– 15 नवंबर
- झारखंड बनते समय राज्य में कितने जिले थे– 18
- झारखंड में छोटानागपुर टेनेंसी कानून किस वर्ष बनाया गया– 1908
- झारखंड में सर्वाधिक महिला साक्षरता वाला जिला कौन है– रांची
- हुंडरू जलप्रताप किस जिले में है– रांची

ब्रीफ खबरें

विभिन्न समस्याओं से प्राचार्य को कराया अवगत

चांडिल। ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन ने शनिवार को सिंहभूम कॉलेज चांडिल में इंटरमीडिएट की विभिन्न समस्याओं को लेकर प्राचार्य डॉ सरोज कैबर्त से मुलाकात की और समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपा. एआईडीएसओ के सिंहभूम कॉलेज कमेटी की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष की परीक्षा फॉर्म भरने में कई समस्याएं आ रही हैं. विद्यार्थियों को बैंक का चालान जमा करने के लिए चांडिल स्टेशन के समीप स्थित बैंक ऑफ इंडिया के नीमडीह शाखा जाना पड़ रहा है.

16 युवकों के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण

गढ़वा । भवनाथपुर प्रखंड के झगड़ाखाड़ स्थित कल्याण गुरुकुल से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 16 युवकों को विनय कंस्ट्रक्शन कंपनी सोलापुर महाराष्ट्र में नौकरी मुहैया कराई गई है. गुरुकुल में आयोजित कार्यक्रम में युवकों के बीच नियुक्ति पत्र वितरण किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीडीओ नंदजी राम ने नियुक्ति पत्र दिया. कार्यक्रम से पूर्व मुख्य अतिथि बीडीओ नंदजी राम ने कल्याण गुरुकुल परिसर में हलदर पौधरोपण किया. बीडीओ ने कहा कि गुरुकुल के कई छात्र प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार पा चुके हैं.

17 को पेंशनर समाज का मिलन समारोह

मनोहरपुर। इंदिरानगर (मनोहरपुर) में शनिवार को पेंशनर समाज मनोहरपुर,आनंदपुर इकाई की बैठक शिवचरण गोप की अध्यक्षता में हुई.जिसमें पेंसनर समाजहीत में विभिन्न विंदुओं पर चर्चा हुई. साथ ही बैठक में हर वर्ष की भांति मिलन समारोह सह वनभोज का आयोजन करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया. वहीं पेंसनर समाज के सचिव विपिनचंद्र महतो ने बताया कि पेंसनर समाज का मिलन समारोह सह वनभोज का आयोजन 17 दिसंबर को किया जाएगा. जिसकी तैयारी को लेकर विशेष रूप से बैठक बुलाई गई थी.

किसानों को क्षतिपूर्ति देने की मांग

चांडिल। आजसू पार्टी चांडिल प्रखंड अध्यक्ष दुर्योधन गोप के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने अनुमंडल पदाधिकारी से मिचोंग चक्रवात के कारण किसानों को हुई क्षति का सर्वे कराकर क्षतिपूर्ति देने की मांग की है. शनिवार को सौंपे गए पत्र में आजूस पार्टी ने कहा कि चक्रवात मिचौंग के प्रभाव से चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में भारी बारिश हुई है. बारिश के कारण किसानों के खेत में काटकर रखे गए धान की फसल बर्बाद हो गई है. आजसू पार्टी ने मामले को संज्ञान में लेते हुए चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के गरीब किसानों का सर्वे कराकर उन्हें चिन्हित करते हुए नुकसान का क्षतिपूर्ति देने की मांग की है.

स्नातक के बाद होती है नयी शुरुआत : प्रो मौसमी

जमशेदपुर। एलबीएसएम कॉलेज की प्रभारी प्राचार्य प्रो मोसमी पॉल ने कहा कि स्नातक की डिग्री हासिल करना केवल एक पड़ाव है. यहां से नयी शुरुआत होती है. वह शनिवार को कॉलेज के हिंदी विभाग की ओर से स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए आयोजित विदाई समारोह को संबोधित कर रही थीं. उन्होंने कबीर को उद्धत करते हुए कहा कि 'धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय, माली सींचे सौ घड़ा, ॠतु आए फल होय,' यानी जीवन में लक्ष्य निर्धारण करना और उसके लिए धैर्य के साथ कर्म करते हुए निरंतर प्रयासरत रहना जरूरी है.

कांग्रेस सांसद धीरज साहू के ठिकानों से करोड़ों की बरामदगी मामला

नकली गांधी परिवार को पहुंचाने थे 300 करोड़ रुपये : सीपी सिंह

संवाददाता। रांची/जमशेदपुर

कांग्रेसी सांसद धीरज साहू के ठिकानों से बरामद हुए 300 करोड़ रुपये देश के नकली गांधी परिवार सोनिया गांधी और राहुल गांधी के यहां पहुंचाए जाने थे, लेकिन भनक लगते ही आईटी ने रेड किया और उसे बरामद कर लिया. उक्त बातें जमशेदपुर पहुंचे भाजपा विधायक सीपी सिंह ने कही.

उन्होंने बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि 300 करोड़ रुपये बैंक की शोभा बढ़ाने के बजाए किसी के आवास या कार्यालय में अलमीरा की शोभा क्यों बढ़ा रहे थे. जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कमान संभाली है, तब से हमारा देश डिजिटल भारत बनने की ओर बढ़ रहा है. ऐसी स्थिति में घर में इतनी बड़ी राशि नकद के रूप में रखना इस ओर इंगित करता है कि यह राशि झारखंड के लूट, खसोट व घोटाले की राशि है. अब इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं यह जांच का विषय है. उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से इसमें हस्तक्षेप कर मामले की जांच करने का आग्रह किया, ताकि यह पता चल सके कि यह राशि कैसे जमा हुई.

सीपी सिंह ने कहा कि कांग्रेस के डीएनए में ही भ्रष्टाचार और लूट है. इंदिरा गांधी के समय में भी नागरवाला कांड हुआ था लेकिन उसे दबा दिया गया. पंडित नेहरु के काल में भी जीप घोटाला कांड हुआ था. कांग्रेस के प्रत्येक शासन काल में इस तरह के घोटाले और लूट होते रहे हैं.

प्रेस वार्ता में मौजूद सीपी सिंह, सांसद और अन्य भाजपा नेता.

10 दिसंबर को धरना देगी भाजपा

उन्होंने इंडिया एलायंस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह भ्रष्टाचारी एलायंस है. इसमें शामिल सभी दल अपने-अपने क्षेत्रों में महारत हासिल किये हुए हैं और यह भ्रष्टाचारियों का समूह है. भारतीय जनता पार्टी 300 करोड़ बरामद होने के मामले को लेकर 10 दिसंबर को धरना देगी. क्योंकि झारखंड की स्थिति किसी से छुपी हुई नहीं है. बिना चढ़ावे यहां कोई काम नहीं होता. हर लोग परेशान और त्रस्त है. झारखंड सरकार सिर्फ जनता को सिर्फ दिग्भ्रमित करने के लिए सरकार आपके द्वार कार्यक्रम रही है. सरकार ने जो वायदे किये उसे पूरा नहीं किया. न ही नियोजन नीति बनाई और न ही स्थानीय नीति, 1932 के खतियान पर भी कोई निर्णय नहीं लिया. युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था, लेकिन किसी को यह नहीं मिला. सरकार सिर्फ भ्रष्टाचार करने में व्यस्त है. सिंह ने आशंका जताई कि पकड़े गए पैसे दिल्ली पहुंचाने के लिए रखे गए थे लेकिन बीच में ही छापेमारी हो गई. हो सकता है कि पूर्व में भी पैसे पहुंचाए गए हो. अंदेशा जताते हुए बताया कि इस पैसे का इस्तेमाल छत्तीसगढ़ में किया जा सकता था. वहां अगर ऐसी स्थिति बनती कि बहुमत में कोई नहीं है तो इस पैसे से वहां खरीद-फरोख्त की जा सकती थी. प्रेस वार्ता में सांसद विद्युत् वरण महतो, भाजपा जिलाध्यक्ष गुंजन यादव के साथ अन्य मौजूद थे.

पीएम मोदी के सपने को साकार करना है : बीडी राम

पलामू। पड़वा प्रखंड के लोहड़ा पंचायत स्थित मध्य विद्यालय के प्रांगण में ''विकसित भारत संकल्प यात्रा'' का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद पलामू विष्णु दयाल राम, भारतीय जनता के जिला अध्यक्ष विजयानंद पाठक, वरिष्ठ नेता श्याम नारायण दुबे, विनोद कुमार सिंह, विभाकर नारायण पाण्डेय, प्रफुल्ल कुमार सिंह, अविनाश कुमार वर्मा, जिला परिषद सदस्य प्रमोद कुमार सिंह, शिव कुमार मिश्रा, जिला प्रतिनिधि विजय ओझा, कार्यक्रम के नोडल पदाधिकारी, पंडवा प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदेश्वर प्रसाद उपस्थित थे. मौके पर सांसद बीडी राम ने कहा कि ''विकसित भारत संकल्प यात्रा'' के माध्यम से लोगों को केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दी जा रही है. प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, किसान सम्मान निधि योजना, केसीसी, पोषण अभियान, जनधन योजना, सुरक्षा बीमा योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना इत्यादि योजनाओं की समुचित जानकारी जनता को दी जा रही है.

राशन नहीं मिलने पर बीडीओ से शिकायत

भवनाथपुर (गढ़वा) । पंडरिया पंचायत के बेलपहाड़ी गांव में संचालित जविप्र दूकानदार संजय पासवान द्वारा लाभुकों के बीच तीन माह का राशन नहीं वितरण किये जाने से आक्रोशित राशन कार्डधारियों ने मुखिया पति अनिल चौबे के नेतृत्व में प्रखंड मुख्यालय पहुंचकर बीडीओ सह एमओ नंदजी राम से डीलर की शिकायत की. ताहिर अंसारी, मानमती देवी, गीता देवी, सुचिता देवी, अमजद अली, मुसनी देवी, कलमनी देवी, प्रमिला देवी, पुष्पा देवी, ताहिरन खातून, मुनि देवी, फुल्काली देवी, प्रतिमा देवी, आबिद हुसैन, अफरोज बीबी, शुकनी देवी, आईशा बीबी, , आदि लाभुकों ने बीडीओ को बताया कि डीलर संजय पासवान द्वारा हमलोगों का सितंबर, अक्टूबर व नवंबर माह का इ पॉश मशीन से पर्ची निकाले जाने के बाद भी राशन नही दिया गया है.

डिफेंस मेकैनिज्म को चकमा देता है एचआइवी : डॉ रवि

धनबाद। एसएसएलएनटी महिला कॉलेज में एनएसएस द्वारा एड्स अवेरनेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया. प्राचार्या डॉ. शर्मिला रानी ने कार्यक्रम के वक्ताओं डॉ. रवि रंजन झा एवं डॉ. ॠषभ राणा तथा इंटर्स डॉ. निकिता और डॉ. कोमला का स्वागत किया. डॉ. रवि रंजन झा ने बताया कि एचआईवी और एड्स पर्यायवाची नहीं हैं. इसे बढ़ने में समय लगता है. इसलिए समय पर जांच बहुत ज़रूरी है. डॉ. राणा ने कहा एड्स फैलने का कारण मच्छर नहीं है. इसका कारण वायरस होता है. एचआईवी हमारे शरीर के डिफेंस मेकैनिज्म को चकमा देता है और बीमारियों को पैदा करता है. सबसे पहली बार वर्ष 1976 में अफ्रीकन ट्राइबल में इसे पाया गया था.

न्यूज अपडेट

खानूडीह के पूर्व मुखिया समर्थकों के साथ कांग्रेस में हुए शामिल

महुदा/बाघमारा। प्रखंड के खानूडीह पंचायत के पूर्व मुखिया तथा वर्तमान मुखिया प्रतिनिधि गोपाल महतो अपने समर्थकों के साथ पुनः कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए. इस मौके पर शनिवार को पूर्व मंत्री सह झारखंड प्रदेश कांग्रेस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष जलेश्वर महतो ने अपने आवास में पार्टी में शामिल होने वाले सभी लोगों को माला पहनाकर स्वागत किया. वहीं जलेश्वर महतो ने नव आगूंतक कार्यकर्ताओं से कांग्रेस पार्टी की मजबूती के लिए मिलकर कार्य करने का निवेदन किया. खानुडीह पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि गोपाल महतो ने कहा कि वे किसी कारण से भाजपा में शामिल हो गए थे, किंतु वे आज जलेश्वर महतो के नेतृत्व में अपना घर वापसी किए हैं.

इंडस्ट्रियल स्टेबिलिटी एंड रिफॉर्म ऑर्गेनाइजेशन का गठन

आदित्यपुर । आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों ने इंडस्ट्रियल स्टेबिलिटी एंड रिफॉर्म ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) का गठन शनिवार को आदित्यपुर स्थित होटल द क्रूज में हुआ. कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ. शनिवार को संगठन का प्रारंभिक रूप से संचालन के लिए तीन सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई. अध्यक्ष रूपेश कतरियार, महासचिव संदीप, मिश्रा संदीप, कोषाध्यक्ष उत्तम कुमार चौधरी को चुना गया. जिसकी घोषणा वरिष्ठ उद्यमी अरुण तिवारी और नंद कुमार सिंह ने किया. इस मौके पर हंसराज जैन, नंद कुमार सिंह, शंभू जायसवाल, मनोज कुमार, समीर सिंह, लक्ष्मण राय, पंकज कुमार, राकेश कुमार, अभिनित मुटरेजा, इंद्रजीत सिंह सोखी समेत अन्य लोग मौजूद थे.

भ्रष्टाचार एक गंभीर अपराध है: जीपी झा

लोहरदगा । एमबी डीएवी विद्यालय लोहरदगा मैं माननीय प्राचार्य जीपी झा के नेतृत्व व निर्देशन में भ्रष्टाचार निरोध दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया. उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार एक गंभीर अपराध है जो सभी देशों की सामाजिक और आर्थिक विकास को कमजोर करता है. आज के समय में भ्रष्टाचार से कोई देश, क्षेत्र या समुदाय बचा नहीं है. यह दुनिया के सभी हिस्सों में फैल गया है यह आर्थिक विकास को धीमा ही नहीं करता बल्कि बुनियाद को समाप्त कर देता है. पूरे विश्व में एक समृद्ध समाज को बनाए रखने के लिए भ्रष्टाचार को खत्म करना ही इस दिन का मनाने का मुख्य उद्देश्य है. आने वाली पीढ़ी को भ्रष्टाचार के परिणाम से अवगत करवाने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में भ्रष्टाचार के परिणाम पर आधारित नाटक मंचन किया गया.

संत नंदलाल स्मृति विद्या मंदिर में मना 40वां स्थापना दिवस

घाटशिला । संत नंदलाल स्मृति विद्या मंदिर का 40वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथि कोल्हान विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. राजेंद्र भारती, विद्यालय सचिव सुलोचना देवी बगारिया, सह सचिव एस के देवड़ा, विद्यालय प्रशासिका शोभा गनेरीवाल, विद्यालय प्रबंधक डॉ प्रसेनजीत कर्मकार, प्राचार्या नीलकमल सिन्हा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया. गणेश वंदना के द्वारा कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत हुई.

छोटानागरा पंचायत में लगा शिविर, उमड़ी भीड़

मनोहरपुर। मनोहरपुर प्रखंड अंतर्गत छोटानागरा पंचायत में आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का शुभारंभ एलआरडीसी केके मुंडू, प्रमुख गुरुवार देवगम, बीडीओ शक्तिकुंज, मुखिया मुनि देवगम, राजेंद्र बाड़ा एवं अन्य ने दीप प्रज्वलित कर किया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड प्रमुख गुरुवारी देवगम ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का सोच है कि राज्य के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजना का लाभ पहुंचाई जाए. इसी को देखते हुए पंचायत में शिविर का आयोजन कर रही है. लगातार तीसरे साल आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के द्वारा लाखों गरीब, जरूरतमंद लोगों को सरकार की योजना का लाभ दिया गया.

अंबाकोठी में वार्ड 8,9 और 10 में लगा शिविर

लातेहार। आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत नगर पंचयात क्षेत्र के वार्ड नंबर 8,9 और 10 के शिविर का आयोजन अम्बाकोठी विवाह मंडप में किया गया. शुभारंभ विधायक प्रतिनिधि प्रभात कुमार और नगर पंचायत के प्रशासक राजीव कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया. प्रभात कुमार ने आपकी योजना आपकी सरकार आपसरकार के द्वार कार्यक्रम के उद्देश्य को बताया. कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को अधिक से अधिक लोगों को लाभ देना है. कार्यक्रम लाभुकों बीच आवास के सांकेतिक चाभी, वृद्ध महिलाओं के बीच कंबल, धोती-साड़ी, राशन कार्ड का वितरण किया गया.

शिविर में विधायक व डीसी ने योजनाओं की दी जानकारी

संवाददाता। चांडिल

चांडिल अनुमंडल अंतर्गत चांडिल प्रखंड के चौका और कुकड़ु प्रखंड के चौड़ा में शनिवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत आयोजित पंचायत स्तरीय शिविर में विधायक सविता महतो व जिले के उपायुक्त रविशंकर शुक्ला शामिल हुए. शिविर का शुभारंभ करने के बाद विधायक सविता महतो ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सरकार के महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी देते हुए सभी को योजनाओं का लाभ लेने की अपील किया. उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार की ओर से कई जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है. मौके पर विधायक सविता महतो ने बुजुर्गों के बीच कंबल सहित अन्य कई लाभुकों के बीच परिसंपतियों का वितरण किया.

योग्य लाभुक उठाएं योजनाओं का लाभ : सरायकेला-खरसावां जिले के उपायुक्त रविशंकर शुक्ला ने शिविर में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि योग्य व्यक्ति सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ उठाएं. उन्होंने कहा शिविर के माध्यम से मिल रहे आवेदनों का त्वरीत निष्पादन करने की कोशिश की जा रही है. इस अवसर पर विभिन्न विभागों की ओर से कुल 22 स्टॉल लगाए गए थे.

चंदनकियारी प्लस टू उवि और बरमसिया प्लस टू उवि में खुशी क्लास आयोजित

सकारात्मक सोच जरूरी : चौहान

संवाददाता। चंदनकियारी

प्लस टू विद्यालय चंदनकियारी और बरमसिया प्लस टू उवि में शनिवार को खुशी क्लास का आयोजन खुशी क्लास और लाइफ केयर हॉस्पिटल रांची के संयुक्त बैनर तले किया गया. खुशी क्लास के संस्थापक मुकेश सिंह चौहान ने खुशी मिशन के बारे में बताते हुए कहा कि अपने जीवन में खुश रहना चाहिए, सकारात्मक होना चाहिए, कभी भी अपने जीवन में तनाव /टेंशन को खुद पर हावी नहीं होने देना चाहिए, किसी भी परिस्थिति में हमें सकारात्मक सोच रखनी चाहिए. सभी अच्छी बातों को खुद में आत्मसात करना चाहिए.

उन्होंने कहा कि अंक किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व का पैमाना नहीं है. इस बात पर जोर दिया कि हमें अपने जीवन में " मुझे यह करना है" यह सोच रखना चाहिए, न कि "यह होना चाहिए" यह सोच. उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच मनुष्य को सफल बनाता है.

चौहान ने सकारात्मकता से सजी कहानी भी सुनाई- एक 25 साल की युवती अपने पिता के साथ ट्रेन में सफर कर रही थी. खिड़की से बाहर देखते हुए जोर से चिल्लाई- पिताजी देखो ये पेड़ पीछे जा रहे हैं. पिता मुस्कुरा दिए. पास में बैठे लोगों ने सोचा, लड़की इतनी बड़ी है और इसका व्यवहार बच्चों के जैसा है. शायद ये लड़की मानसिक रूप से कमजोर है. कुछ देर में युवती फिर चिल्लाई- पिताजी देखो ये बादल हमारे साथ दौड़ रहे हैं. तभी पास बैठे लोगों में से एक ने लड़की के पिता से कहा- माफ कीजिएगा, पर आप अपनी लड़की का इलाज किसी अच्छे डॉक्टर से क्यों नहीं कराते ? लड़की के पिता मुस्कुरा कर बोले- अपनी बेटी का इलाज करवा कर अभी हम लोग हॉस्पिटल से ही आ रहे हैं. मेरी बेटी जन्म से अंधी थी. हॉस्पिटल में उसके इलाज के बाद आज से ही इसने दुनिया देखना चालू किया है. अब बोगी में बैठे सभी लोगों के दिल में उस युवती के प्रति अपार स्नेह उमड़ पड़ा था.

माहौल गर्म | रैयतों के अनिश्चितकालीन रास्ता रोको आंदोलन के दौरान कंपनी समर्थक व रैयत आमने-सामने

घंटों रहा तनावपूर्ण माहौल, मारपीट करने को उतावले थे दोनों पक्ष

संवाददाता। तेतुलमारी

बीसीसीएल एरिया पांच के तेतुलमारी कोलियरी में संचालित चेन्नई राघा आउटसोर्सिंग कंपनी में रैयतों के अनिश्चितकालीन रास्ता रोको आंदोलन के नौ वे दिन कंपनी समर्थक व रैयत आमने-सामने हो गए. वहा घंटो तनावपूर्ण माहौल बना रहा है. दोनों पक्ष एक दूसरे से दो दो हाथ करने के लिए उतावले हो रहे थे. सुबह दस बजे से लेकर शाम छह बजे तक वहां दोनों पक्षों में तनाव का माहौल बना रहा.

स्थिति को देखते हुए मौके पर एतियातन तेतुलामारी कतरास इस्ट बसुरिया थाने की पुलिस सहित भारी संख्या में सीआईएसएफ जवानों की तैनाती की गई है.इधर दोपहर को महाप्रबंधक अनूप कुमार राय धरना स्थल पर पहुंच कर रैयतों से वार्ता की. घंटों चली वार्ता बेनतीजा रही . प्रबंधन के लाख समझाने बुझाने के बावजूद रैयत मुआवजा व नियोजन को तत्काल देने पर अड़े रहे. इधर आजसू पार्टी के प्रदेश महासचिव संतोष महतो ने कहा कि बी सी सी एल प्रबंधक रैयतों के आंदोलन को गैर कानूनी बता रही है और रास्ता भी रैयतों से ही मांग रही है. यह दोहरापदंड नहीं चलेगा. वहीं आंदोलन का नेतृत्व कर रहे आजसू नेता नरेश महतो ने कहा कि एक दिसंबर से हमलोग धरना पर बैठे हैं ओर 9 वें दिन बाद प्रबंधन वार्ता करने पहुंचे रहे हैं. हमारे जमीन पर बिना मुवावजा और बिना नियोजन दिए कोयला का एक ढेला उत्पादन नहीं करने देंगे. प्रबंधन को तय करना है कि या तो यहां काम बंद कर दें या फिर रैयतों को नियोजन और मुआवजा तत्काल दे.

खास बातें

- सुबह से शाम तक दोनों पक्षों में तनाव का माहौल रहा
- घंटों चली वार्ता, पर नहीं निकाल सका कोई नतीजा

पेज एक का शेष...

500 करोड़ ₹ से ज्यादा जब्त

सूत्रों ने बताया मैनेजर के पास से आयकर विभाग की टीम को जो नकदी मिली है, वह दो सौ करोड़ से ज्यादा है. अब तक की गिनती में 200 करोड़ रुपये मिल चुके हैं.

नोट गिनने में बैंक के अफसरों-कर्मियों के छूट रहे पसीने : नोटों की संख्या इतनी ज्यादा है कि गिनने के काम में लगे आयकर के अफसरो के साथ ही साथ बैंक अधिकारियों-कर्मियों के पसीने छूट रहे हैं. वैसे धीरज साहू के ठिकानों पर आईटी की रेड अभी भी जारी है. उनके ठिकानों से अभी और भी कैश बरामद होने की संभावना जतायी जा रही है. सूत्रों ने बताया कि जिस तरह से आयकर की टीम को अलग-अलग ठिकानों से नोट बरामद हो रहे हैं, उससे लगता है कि अभी आंकड़ा और बढ़ सकता है. **25 मशीनों से हो रही नोटों की गिनती:** सूत्रों की माने तो मैनेजर के पास जब्त राशि बड़ी है. यहां नोट गिनने के लिए 25 मशीनें लगाई गई हैं. बैंक में नोट गिनने के लिए स्टेट बैंक समेत अन्य दूसरे बैंकों के कर्मचारियों को भी लगाया गया है.

5000 स्कूल खोलने की...

विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि 13-14 साल तक एक हाथ से जब इस राज्य को नहीं लूट सकें तो 2014 में डबल इंजन की सरकार बनने के बाद दोनों हाथों से लूटा. सीएम ने कहा कि सरकार बनने के बाद तीसरी बार सरकार आपके दरवाजे पर पहुंची है. 20 सालों में जो पदाधिकारी कभी आपके गांव नहीं गये, आज गांव-गांव, टोला-टोला जा रहे हैं. आपके दरवाजे पर कैंप लगाया जा रहा है. योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है. सीएम ने देवघर में आयोजित सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में 255 करोड़ की 64 योजनाओं का शिलान्यास किया. 5721 लाभुकों के बीच 7 करोड़ 96 लाख की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया. इस अवसर पर मंत्री आलमगीर आलम, मंत्री बादल पत्रलेख, मंत्री हफीजुल हसन, मंत्री सत्यानंद भोक्ता, कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव समेत स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद थे.

तीन राज्यों में हार से ज्यादा...

इसके साथ ही भाजपा झारखंड की सरकार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर भी निशाना साध रही है. अगर यह मामला और तूल पकड़ता है और भाजपा इसे बड़ा मुद्दा बनाने में सफल हो जाती है, तो हिंदी पट्टी के राज्यों में कांग्रेस को सहयोगी तलाशने में भी मुश्किल हो सकती है.

डब्ल्यूपीएल नीलामी: 'अनकैप्ड' भारतीय काशवी व वृंदा ने मारी बाजी

डब्ल्यूपीएल में सबसे महंगी अनकैप्ड खिलाड़ी बनीं काशवी गौतम, बेस प्राइस से 20 गुना अधिक पैसों में बिकी

भाषा । मुंबई

गुजरात जायंट्स ने पंजाब की तेज गेंदबाज काशवी गौतम को शनिवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नीलामी में दो करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया. काशवी का 'बेस प्राइस' (आधार मूल्य) 10 लाख रुपये का था. गुजरात जायंट्स और यूपी वारियर्स दोनों ने उनके लिए बोली लगायी. लेकिन गुजरात की टीम डब्ल्यूपीएल के दूसरे चरण के लिए उनकी सेवायें लेने के लिए बोली जीतने में सफल रही. एक और 'अनकैप्ड' (जिसने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला हो) भारतीय क्रिकेटर कर्नाटक की 22 वर्षीय वृंदा दिनेश के लिए बड़ी बोली लगी जिन्हें यूपी वारियर्स ने 1.3 करोड़ रुपये में खरीदा. वृंदा और काशवी दोनों ही हाल में भारत ए के लिए इंग्लैंड ए के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला में खेली थीं.

10
लाख रुपये था काशवी गौतम का बेस प्राइस

02
करोड़ में गुजरात ने काशवी को टीम में शामिल किया

1.3
करोड़ रुपये में यूपी ने वृंदा को टीम में शामिल किया

काशवी गौतम

वृंदा दिनेश

सदरलैंड को दिल्ली ने दो करोड़ में खरीदा

नीलामी के शुरुआती चरण में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों के लिए ऊंची बोलियां लगी जिसमें ऑल राउंडर अनाबेल सदरलैंड को दिल्ली कैपिटल्स ने दो करोड़ रुपये में खरीदा. इसके बाद गुजरात की टीम ने बल्लेबाज फोएबे लिचफील्ड को एक करोड़ रुपये में टीम में शामिल किया. गुजरात जायंट्स ने इस साल मार्च में खेले गए शुरुआती चरण के बाद 22 साल की सरदलैंड को रिलीज कर दिया था. उनके लिए गत चैंपियन मुंबई इंडियंस ने भी बोली लगायी लेकिन फिर वह पीछे हट गये और अंत में दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें खरीद लिया. दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाज शबनीम इस्माइल को मुंबई इंडियंस ने 1.20 करोड़ रुपये में टीम में शामिल किया जो उनके 'बेस प्राइस' से तीन गुना था. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने नीलामी के शुरु में आस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वारेहैम को 40 लाख रूपये में खरीदा. उन्होंने इंग्लैंड की केट क्रास को 30 लाख रुपये और 37 साल की भारतीय स्पिनर एकता बिष्ट को 'बेस प्राइस' से दुगनी कीमत पर 60 लाख रुपये में टीम में शामिल किया.

आओ जानें

आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी

खिलाड़ी	टीम	मूल्य	वर्ष
सैम कुरेन	पंजाब किंग्स	18.50 करोड़	2023
कैमरून ग्रीन	मुंबई इंडियंस	17.50 करोड़	2023
बेन स्टोक्स	चेन्नई सुपर किंग्स	16.25 करोड़	2023
क्रिस मॉरिस	राजस्थान रॉयल्स	16.25 करोड़	2022
निकोलस पूरन	लखनऊ सुपर जाइंट्स	16 करोड़	2021
युवराज सिंह	दिल्ली डेयरडेविल्स	16 करोड़	2015
रोहित शर्मा	मुंबई इंडियंस	16 करोड़	2023
रवीन्द्र जड़ेजा	चेन्नई सुपर किंग्स	16 करोड़	2023
ऋषभ पंत	दिल्ली कैपिटल्स	16 करोड़	2023
इशान किशन	मुंबई इंडियंस	15.25 करोड़	2022

ब्रीफ खबरें

बीएफसी ने मुख्य कोच सिमोन को हटाया

बेंगलुरु । इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में खराब प्रदर्शन के बीच बेंगलुरू एफसी ने शनिवार को मुख्य कोच सिमोन ग्रैसन और सहायक कोच नील मैकडोनाल्ड से नाता तोड़ने का फैसला किया. नये मुख्य कोच की नियुक्ति तक भारत के पूर्व खिलाड़ी रेनेडी सिंह इस जिम्मेदारी को निभाएंगे. क्लब ने शुक्रवार को अपने पिछले मैच में मुंबई एफसी के खिलाफ 0-4 की बड़ी हार के बाद कोचिंग स्टाफ के साथ अलगाव का फैसला किया. ग्रैसन की देखरेख में टीम 2022-2023 सत्र में डूरंड कप जीतने के अलावा आईएसएल और सुपर कप की उपविजेता रही थी. मौजूदा सत्र में हालांकि टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है. बारह टीमों की तालिका में बेंगलुरु एफसी नौवें पायदान पर है.

मुंबई सिटी ने क्रातकी को मुख्य कोच बनाया

मुंबई । इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम मुंबई सिटी एफसी चेक गणराज्य के पेट्र क्रातकी को मौजूदा सत्र के लिए टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है. क्रातकी इससे पहले मुंबई सिटी की सहयोगी क्लब मेलबर्न सिटी से जुड़े थे. 42 साल के इस कोच को 2024-25 सत्र के आखिरी तक टीम की जिम्मेदारी सौंपी गयी है. क्रातकी ने पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर 15 साल तक फुटबॉल खेला है. रक्षापंक्ति के इस खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया में हीडलबर्ग यूनाइटेड के साथ अपना करियर खत्म करने से पहले म्लाडा बोलेस्लाव और स्लोवन लिबरेक जैसे चेक गणराज्य के कुछ क्लबों का प्रतिनिधित्व किया है.

कार्तिक व गोपी करेंगे भारत की अगुवाई

कोलकाता । एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता कार्तिक कुमार और ओलंपियन गोपी थोनाकाल के साथ फॉर्म में चल रही तमसी सिंह रविवार को यहां होने वाली टाटा स्टील कोलकाता 25 किलोमीटर में अंतरराष्ट्रीय लाइन-अप को चुनौती पेश करेंगी. लंबी दूरी के धावक कार्तिक ने हांगझोउ एशियाड में पुरुषों की 10,000 मीटर रेस में रजत पदक जीता था, वह 1998 में गुलाबचंद के बाद इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने थे. वहीं एक और चैंपियन धावक और अनुभवी गोपी भी हर कदम पर कार्तिक को चुनौती पेश करेंगे. इन दोनों के अलावा एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता गुलवीर सिंह भी रेस में हिस्सा लेंगे.

अश्विनी और तनीषा की जोड़ी फाइनल में

गुवाहाटी । भारत की तनीषा क्रैस्टो और अश्विनी पोनप्पा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला युगल के फाइनल में जगह बनाई. पिछले सप्ताह लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 टूर्नामेंट में उप विजेता रही अश्विनी और तनीषा की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने 36 मिनट तक चले सेमीफाइनल मैच में नीदरलैंड की तीसरी वरीयता प्राप्त डेबोरा जिल और चेरिल सेनेन को 21-12, 21-12 से हराया. महिला एकल में मालविका बांसोड़ हालांकि सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई और थाईलैंड की लालिनराट चाइवान से 12-21, 14-21 से हार गईं.

टी-20 : युवा भारतीय टीम और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला मुकाबला आज

भारतीय टीम के भविष्य पर होंगी नजरें

भाषा । डरबन

युवा भारतीय टीम जब रविवार को यहां शुरू हो रही तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में मजबूत दक्षिण अफ्रीका के सामने होगी तो उसकी कोशिश उन मुश्किल सवालों के जवाब ढूंढने की होगी जिससे उसे रूबरू होना होगा. चोटिल कप्तान हार्दिक पंड्या इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) शुरू होने तक बाहर हैं और मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ब्रेक पर हैं. इसके अलावा जून में होने वाले विश्व कप से पहले विराट कोहली और रोहित शर्मा के टी-20 भविष्य को लेकर स्पष्टता नहीं है तो कोई भी दक्षिण अफ्रीका में टीम की सफलता या विफलता के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कह पायेगा. टी-20 विश्व कप के लिए भारत की कोर टीम को लेकर स्थिति आईपीएल के एक महीने बाद ही स्पष्ट हो पायेगी क्योंकि उस समय खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस चयन का मानंदड रहेगा. अगर रोहित और विराट को अंतिम एकादश में चुना जाता है तो दक्षिण अफ्रीका का दौरा कर रही टीम अचानक से बहुत अलग हो जायेगी. सूर्यकुमार यादव की अगुआई में टीम ने घरेलू मैदानों पर ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से मात दी और एक सामान्य भारतीय खेल प्रेमी भी इस बात से सहमत होगा कि विश्व कप के 72 घंटों के भीतर हुई श्रृंखला में ज्यादा कुछ दाव पर नहीं लगा था. ऑस्ट्रेलिया ने कोर गेंदबाजी आक्रमण को आराम दिया था और कुछ सीनियर भी इतने थके थे कि वे तीसरे मैच के बाद स्वदेश रवाना हो गये. जनवरी के मध्य में अफगानिस्तान के खिलाफ श्रृंखला से पहले दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला भारत के लिए अंतिम बड़ी अंतरराष्ट्रीय टी-20 श्रृंखला होगी. भारतीय टीम के लिए समस्या यही है कि अगर जायसवाल, गिल और गायकवाड़ की तिकड़ी बल्लेबाजी करती है तो ईशान किशन चौथे नंबर के बाद ज्यादा अच्छे विकल्प नहीं हैं. चौथे नंबर पर भारत के नंबर एक टी-20 बल्लेबाज और कप्तान सूर्यकुमार मौजूद हैं. फिर विकेटकीपर की जगह पर किशन को जितेश शर्मा से कड़ी चुनौती मिलेगी क्योंकि वह छठे नंबर पर 'फिनिशर' के तौर पर बेहतर होते दिख रहे हैं.

फिर पांचवें नंबर का स्थान है जहां श्रेयस अय्यर को मार्को जेनसेन, जेराल्ड कोएत्जी और एंडिले फेलुकवायो की शॉर्ट पिच गेंदों से चुनौती मिलने की उम्मीद है. अगर अय्यर को खिलाया जाता है तो रिंकू सिंह के लिए कोई जगह नहीं होगी जो भी अच्छे 'फिनिशर' साबित हो रहे हैं और उन्होंने खुद ही 'बीसीसीआई डॉट टीवी' पर कहा था कि वह पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे.

खास बातें

- मैच भारतीय समयानुसार शाम साढ़े सात बजे शुरू होगा
- भारत की निगाहें मुश्किल सवालों के सही जवाब ढूंढने पर होगी

टीमें

- **भारत :** सूर्यकुमार यादव (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, रूतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा (उप कप्तान), वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, दीपक चाहर.
- **दक्षिण अफ्रीका :** एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्जस्के, नांद्रे बर्गर, जेराल्ड कोएत्जी (पहला और दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय), डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को जेनसेन (पहला और दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय), हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एंडिले फेलुकवायो, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स और लिजाड विलियम्स.

भारतीय गेंदबाजों को मुश्किल में डाल सकते हैं द. अफ्रीकी बल्लेबाज

दक्षिण अफ्रीकी टीम में क्विंटन डिकॉक नहीं होंगे लेकिन हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर, कप्तान एडेन मार्कराम, ट्रिस्टन स्टब्स और मैथ्यू ब्रीट्जस्के भारतीय गेंदबाजों को मुश्किल में डाल सकते हैं. रविंद्र जडेजा इस श्रृंखला में उपकप्तान है और उनके सातवें नंबर पर बल्लेबाजी की उम्मीद है. दूसरे स्पिनर निश्चित रूप से 'गुगली' विशेषज्ञ रवि बिश्नोई होंगे जो अब दुनिया के नंबर एक टी-20 स्पिनर हैं.

रबाडा को आराम, एनगिडी चोटिल

दक्षिण अफ्रीका के मुख्य तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा को आराम दिया गया है जबकि एनरिक नोर्किया और लुंगी एनगिडी चोटिल हैं लेकिन टीम अपने मैदान पर काफी मजबूत होगी. भारत टी-20 श्रृंखला के लिए 17 खिलाड़ियों को ले जा रहा है और इनमें से केवल तीन श्रेयस अय्यर, मुकेश कुमार और ईशान किशन 50 ओवर प्रारूप का भी हिस्सा हैं. टीम के सामने कई मुश्किल मुद्दे होंगे जिसमें सलामी बल्लेबाज और तीसरे नंबर के बल्लेबाज को पिछले टी-20 विश्व कप में भारत के लिए अभिशाप रही रक्षात्मक होने की प्रवृति को बदलना होगा. यशस्वी जायसवाल पहले ही दिखा चुके हैं कि वह किस आक्रामक स्तर की बल्लेबाजी करते हैं और शुभमन गिल अब सभी प्रारूपों में पहली पसंद बन गये हैं जबकि रूतुराज गायकवाड़ को भी 52 गेंद में खेली गयी 100 रन की पारी के बाद नजरअंदाज करना मुश्किल होगा.

अफ्रीकी पिचों के लिए अतिरिक्त अभ्यास करने की जरूरत : रिंकू

भाषा । डरबन

भारत के मध्यक्रम के बल्लेबाज रिंकू सिंह का मानना है कि दक्षिण अफ्रीकी पिचों की अतिरिक्त रफ्तार और उछाल को देखते हुए अतिरिक्त प्रयास और अभ्यास की जरूरत होगी. भारतीय टीम के पहले अभ्यास सत्र के बाद दक्षिण अफ्रीका की पिच के बारे में रिंकू ने कहा कि मैनें जब यहां बल्लेबाजी की तो भारतीय विकेटों की तुलना में अधिक उछाल लगा. उन्होंने कहा कि रफ्तार अधिक है लिहाजा तेज गेंदबाजी के खिलाफ अधिक अभ्यास करना होगा. भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टी-20 मैच रविवार को खेलेगी. रिंकू पांचवें या छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिये उतरेंगे. उन्होंने कहा कि मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने उन्हें स्वाभाविक खेल दिखाने के लिये कहा है. उन्होंने बीसीसीआई टीवी से कहा कि पहले सत्र का मैने बहुत मजा लिया चूंकि मौसम अच्छा था. राहुल द्रविड़ सर के साथ खेलने का मौका मिलना सुखद अहसास था. उन्होंने मुझे कहा कि अपने अंदाज में बल्लेबाजी करता रहूं और खुद पर भरोसा बनाये रखूं. रिंकू ने कहा कि 2013 से पांचवें छठे नंबर पर खेलते रहने से उन्हें भारत के लिये भी यही जिम्मेदारी निभाने का भरोसा मिला. उन्होंने कहा कि मैं 2013 से उत्तर प्रदेश के लिये पांचवें या छठे नंबर पर खेल रहा हूं लिहाजा मुझे इसकी आदत है. चार पांच विकेट गिरने के बाद इस क्रम पर खेलना कठिन होता है लेकिन मुझे खुद पर भरोसा है. मैं जितना संयम के साथ खेलूंगा, उतना ही अच्छा खेल सकूंगा.

बंगाल व केरल विजय हजारे ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में

भाषा । राजकोट

कप्तान सुदीप कुमार घरामी और अनुभवी अनुस्तुप मजूमदार के शतकों की मदद से बंगाल ने शनिवार को यहां गुजरात को आठ विकेट से करारी शिकस्त देकर विजय हजारे ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रियांक पांचाल (101) के शतक की मदद से नौ विकेट पर 283 रन बनाए, जिसके जवाब में बंगाल ने 46 ओवर में दो विकेट पर 286 रन बनाकर जीत हासिल की. बंगाल की तरफ से सुदीप कुमार ने 132 गेंद पर नाबाद 117 रन बनाकर पारी संवारने का काम किया जबकि मजूमदार ने 88 गेंद पर नाबाद 102 रन की आक्रामक पारी खेली. इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 209 रन की अटूट साझेदारी की. बंगाल क्वार्टर फाइनल में सोमवार को हरियाणा का सामना करेगा. गुजरात की पारी पांचाल के चारों ओर घूमती रही. उनके अलावा सौरभ चौहान ने 53 और उमंग कुमार ने 65 रन का योगदान दिया. एक अन्य मैच में सलामी बल्लेबाज कृष्ण प्रसाद (137 गेंद पर 144 रन) और रोहन कुनुमल (95 गेंद पर 120 रन) के शतकों की मदद से केरल ने महाराष्ट्र को 153 रन से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई.

कुश्ती महासंघ का चुनाव 21 दिसंबर को

भाषा । नयी दिल्ली

भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनाव 21 दिसंबर को होंगे और उसी दिन नतीजों की भी घोषणा कर दी जायेगी. निर्वाचन अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी. निर्वाचन अधिकारी जस्टिस (रिटायर्ड) एम एम कुमार के कार्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया कि मतदान, मतगणना और नतीजों की घोषणा एक ही दिन होगी. चुनाव के नतीजे पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में लंबित रिट याचिका के नतीजे पर निर्भर होंगे. चुनाव आमसभा की विशेष बैठक के दौरान होंगे और सात अगस्त को बनाई गई मतदाता सूची के अनुरूप होंगे. बयान में कहा गया कि डब्ल्यूएफआई के चुनाव पर पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने 11 अगस्त को रोक लगा दी थी जिसकी वजह से 12 अगस्त को चुनाव नहीं हो सके. उच्चतम न्यायालय ने रोक हटा दी है और अब चुनाव की बाकी प्रक्रियायें संशोधित कार्यक्रम के अनुसार उसके आगे से 21 दिसंबर को होगी.

इसमें कहा गया कि इस चुनाव के नतीजे पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में लंबित रिट याचिका के नतीजे के मुताबिक घोषित किये जायेंगे. भारतीय वुशू महासंघ के प्रमुख भूपेंदर सिंह बाजवा की अगुवाई में इस समय आईओए द्वारा गठित तदर्थ समिति डब्ल्यूएफआई के दैनंदिनी काम का संचालन कर रही है. खेल मंत्रालय ने बृजभूषण शरण सिंह की अध्यक्षता वाले महासंघ को निलंबित कर दिया था. भारत के शीर्ष पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर प्रदर्शन किया था.

खास बातें

- 21 दिसंबर को ही होगी नतीजों की घोषणा
- चुनाव पर पंजाब व हरियाणा हाई कोर्ट ने गाई थी रोक

दूसरा टेस्ट : फिलिप्स और सैंटनर ने की शानदार साझेदारी

न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को हराया, श्रृंखला बराबर

भाषा । मीरपुर (बांग्लादेश)

बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज एजाज पटेल (57 रन देकर छह विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद ग्लेन फिलिप्स और मिचेल सैंटनेर की दबाव में बेहतरीन साझेदारी से न्यूजीलैंड शनिवार को चौथे दिन के खेल के दौरान बांग्लादेश को चार विकेट से शिकस्त देकर दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला को 1-1 से बराबर करने में सफल रहा. बारिश से प्रभावित इस टेस्ट को जीतने के लिए न्यूजीलैंड को 137 रन का लक्ष्य मिला था लेकिन टीम 69 रन तक छह विकेट गंवाकर मुश्किल में थी. पहली पारी में 72 गेंद में 87 रन बनाकर टीम को मुश्किल से उबारने वाले फिलिप्स ने एक बार फिर संकटमोचक की भूमिका निभाते हुए 48 गेंद में नाबाद 40 रन बनाये. उन्होंने सैंटनर के साथ सातवें विकेट के लिए 70 रन की अटूट साझेदारी कर टीम की जीत सुनिश्चित की। सैंटनर ने 39 गेंद में तीन चौके और एक छक्का की मदद से नाबाद 35 रन बनाये. मैन ऑफ द मैच फिलिप्स ने अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का लगाया. बांग्लादेश के लिए मेहदी हसन ने दूसरी पारी में 52 रन देकर तीन जबकि ताइजुल इस्लाम ने 58 रन देकर दो विकेट लिये. शरीफुल इस्लाम को एक सफलता मिली. बांग्लादेश ने पहली पारी में 172 जबकि न्यूजीलैंड ने 180 रन बनाये थे. बांग्लादेश ने पहला मैच 150 रन से जीता था और उसके पास न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली बार टेस्ट श्रृंखला जीतकर इतिहास रचने का मौका था लेकिन टीम ने दूसरी पारी में लचर बल्लेबाजी से यह मौका गंवा दिया. लक्ष्य का पीछा करते समय न्यूजीलैंड की शुरुआत भी खराब रही. शरीफुल ने डेवोन कॉनवे (दो) को पगबाधा किया तो वहीं ताइजुल ने केन विलियमसन (11) और मेहदी ने हेनरी निकोल्स (तीन) को आउट किया. एक छोर से सतर्कता से बल्लेबाजी कर रहे टॉम लैथम (26) और डेरिल मिचेल (19) भी अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे.

खास बातें

- न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को चार विकेट से हराया
- न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स बने मैन ऑफ द मैच

कुश्ती — 22 दिसंबर होगा से सीनियर राज्यस्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन

राज्य के लगभग 800 प्रतिभागी लेंगे भाग

संवाददाता । रांची

झारखंड की 24वीं सीनियर पुरुष फ्री स्टाइल, ग्रीको रोमन स्टाइल एवं महिला राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतिय ोगित ा 2023 का आयोजन 22 से 24 दिसंबर तक खेलगांव के गणपतराय इंडोर स्टेडियम में होगा. झारखंड राज्य कुश्ती संघ एवं रांची जिला कुश्ती संघ के तत्वावधान से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है. इस सीनियर राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में झारखंड प्रदेश के सभी जिलों से लगभग 240 महिला पहलवान, 480 पुरुष पहलवान समेत तकनीकी पदाधिकारी प्रशिक्षक एवं टीम मैनेजर सहित कुल 800 प्रतिभागी भाग लेंगे.

इस प्रतियोगिता के आधार पर झारखंड टीम का गठन किया जाएगा, जो 2 से 05 जनवरी 2024 तक जयपुर (राजस्थान) में आयोजित सीनियर महिला/पुरूष राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे.

खास बातें

- प्रतियोगिता के आधार पर झारखंड टीम का होगा गठन
- चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में लेंगे भाग

प्रतियोगिता के लिए भारवर्ग

- **फ्री स्टाइल :** 57, 61, 65, 70, 74, 78, 86, 92, 97, 125 केजी
- **ग्रीको रोमन :** 55, 60, 63 67, 72, 77 ,82, 87, 97, 130 केजी
- **महिला :** 50, 53, 55, 57, 59, 62, 65, 68, 72, 76 केजी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नहीं खेलेंगे किर्गियोस

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी निक किर्गियोस ने पुष्टि की है कि वह चोटिल होने के कारण अगले महीने होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नहीं खेलेंगे. इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कि उन्हें पूर्ण फिटनेस हासिल करने के लिए अभी थोड़ा समय चाहिए और इस कारण वह लगातार दूसरे वर्ष इस ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में नहीं खेल पाएंगे. किर्गियोस का नाम टूर्नामेंट की प्रवेश सूची में भी शामिल नहीं था. इस साल के शुरू में भी घुटने का ऑपरेशन करवाने के कारण वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नहीं खेल पाए थे. इसके बाद उनकी कलाई में भी चोट लग गई थी. किर्गियोस विंबलडन 2022 के फाइनल में नोवाक जोकोविच से हार गए थे तथा 2023 में उन्होंने केवल एक आधिकारिक एकल मैच खेला.

हीली बनीं ऑस्ट्रेलियाई कप्तान भारत दौरे से संभालेंगी कमान

भाषा । मेलबर्न

दिग्गज मेग लैनिंग के संन्यास लेने के बाद एलिसा हीली को ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की सभी प्रारूपों में प ूर्णक ालिक कप्तान नियुक्त किया गया है और वह इस महीने भारत दौरे से अपनी नई भूमिका शुरू करेंगी. ऑस्ट्रेलिया की टीम 21 दिसंबर से मुंबई में एक टेस्ट, तीन वनडे और इतने ही टी-20 मैचों की श्रृंखला के लिए भारत का दौरा करेगी।

हीली ने इससे पहले जून से इंग्लैंड, आयरलैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व किया था. एडिलेड स्ट्राइकर्स को महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में लगातार दो खिताब दिलाने वाली ऑलराउंडर तहलिया मैकग्रा टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया है. तैंतीस साल की हीली पिछले कुछ समय से शानदार लय में है. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 14 साल से सक्रिय हीली इससे पहली टीम की उपकप्तान थी. हीली ने नई भूमिका मिलने के बाद कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया के झंडे को ऊंचा रखने के लिए जो भी करना होगा वह करेंगी. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की वेबसाइट 'क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से हीली ने कहा कि मैं कप्तान की भूमिका स्वीकार करके सम्मानित महसूस कर रही हूं. मैं हमारी टीम का नेतृत्व करने के अवसर के लिए आभारी हूं. मैंने वास्तव में पिछले कुछ महीनों में खिलाड़ियों के समर्थन का लुत्फ उठाया है. उन्होंने कहा कि मेरा दृष्टिकोण वही रहेगा जो पहले था.

जन्मदिन की बधाई

हैदराबाद। हैदराबाद के गांधी भवन में शनिवार को पार्टी की नेता सोनिया गांधी के 77वें जन्मदिन पर आयोजित समारोह के दौरान कांग्रेस नेता माणिकराव ठाकरे और अन्य के साथ तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने केक काटकर बधाई दी.

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे नई दिल्ली में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को उनके जन्मदिन की बधाई देते हुए.

आओ जानें

दुनिया के सबसे टॉप 22 अमीर लोग (संपत्ति बिलियन डॉलर में)

एलन मस्क	229	एफबी मैयर्स	86.9
बर्नार्ड आर्नाल्ट	176	अमेंको ओर्टेगो	76.2
जैफ बियोस	162	जिम वाल्टन	73.7
लैरी एलिशन	139	रॉब वाल्टन	71.7
बिल गेट्स	128	एलेक वाल्टन	70.7
वारेन बफेट	122	माइकल डेल	69.3
लैरी पेज	122	गौतम अडानी	65.2
स्टीव बिल्मर	16	चार्ल्स कोह	64.8
मार्क जुकरबर्ग	108	जूलिया कोह	64.8
मुकेश अंबानी	92.0	झांग शानशन	62.1
कार्लोस स्लिम	88.8	जॉन मार्स	53.9

ब्रीफ खबरें

नक्सलियों ने की एक ग्रामीण की हत्या

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में शनिवार को नक्सलियों ने एक ग्रामीण की हत्या कर दी. पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण की पहचान कोमल मांझी के रूप में हुई है. उन्होंने बताया कि मांझी जब छोटेडोंगर गांव में एक देवी मंदिर में पूजा करके लौट रहा था तब अज्ञात नक्सलियों ने उस पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया. अधिकारियों ने बताया कि मांझी छोटेडोंगर के एक लोकप्रिय वैद्यराज के भतीजे थे और दोनों (चाचा-भतीजे) को पूर्व में नक्सलियों से जान से मारने की धमकी मिली थी. अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल से एक कथित माओवादी हस्तलिखित पर्चा बरामद किया गया है.

कांग्रेस ने नतीजों को लेकर की समीक्षा बैठक

नयी दिल्ली। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने राजस्थान और मिजोरम के हालिया विधानसभा चुनावों में पार्टी को मिली हार की समीक्षा के लिए शनिवार को अलग-अलग बैठकें कीं. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में समीक्षा बैठक बुलाई थी. इस बैठक में पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे. मिजोरम के लिए समीक्षा बैठक पहले हुई. इसके बाद राजस्थान के चुनाव नतीजों को लेकर समीक्षा बैठक की. पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं राजस्थान के लिए हुई समीक्षा बैठक में भाग लिया. कांग्रेस के मिजोरम प्रभारी भक्त चरण दास ने कहा, विचार-विमर्श हो रही है.

अभिनेत्री लीलावती को दी श्रद्धांजलि

बेंगलुरु। कन्नड़ की मशहूर अभिनेत्री लीलावती को बड़ी संख्या में लोगों ने श्रद्धांजलि दी जिनका आठ दिसंबर को निधन हो गया था. लीलावती के बेटे विनोद राज ने बताया कि अभिनेत्री का अंतिम संस्कार शहर के बाहरी इलाके में सोलादेवनहल्ली में उनके फार्महाउस में होगा. राज भी एक अभिनेता हैं. अंतिम दर्शनों के लिए 86 वर्षीय अभिनेत्री का पार्थिव शरीर शहर के बाहरी इलाके नेलमंगला के आंबेडकर मैदान में रखा गया जहां बड़ी संख्या में लोग श्रद्धांजलि देने पहुंचे. लीलावती ने मलयालम, तमिल और तेलुगु सहित 600 से अधिक फिल्मों में काम किया है. उन्हें सांस लेने में परेशानी और बढ़ती उम्र से संबंधित बीमारियों के कारण शुक्रवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उन्होंने अंतिम सांस ली.

श्रीनगर में दर्ज हुई मौसम की सबसे ठंडी रात

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में इस मौसम की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई जब न्यूनतम तापमान शून्य से 4.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया. अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी में शुक्रवार की रात तापमान बृहस्पतिवार को दर्ज हुए शून्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले दो डिग्री कम दर्ज किया गया. अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर में दर्ज हुआ तापमान इस मौसम का सबसे कम तापमान है. कश्मीर घाटी में पहलगाम सबसे ठंडा स्थान रहा. अधिकारियों ने कहा कि दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से पांच डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया.

मोदी ने किया विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से संवाद

चुनाव नतीजों से साफ है कि 'मोदी की गारंटी' में दम है

एजेंसिया। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर उन्होंने स्वार्थ के बजाय सेवाभाव को सर्वोपरि रखा होता, तो देश की बहुत बड़ी आबादी अभाव, मुसीबतों व तकलीफों में नहीं रहती. उन्होंने कहा कि हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव के नतीजों ने साफ कर दिया है कि 'मोदी की गारंटी' में दम है.

प्रधानमंत्री ने यह बातें वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के लाभार्थियों के साथ संवाद करने के बाद अपने संबोधन में कही. उन्होंने कहा, देश में हाल में हुए विधानसभा चुनावों के परिणामों की आज भी बहुत चर्चा हो रही है. इन चुनाव के नतीजों ने साफ कर दिया है कि मोदी की गारंटी में ही दम है. मैं सभी मतदाताओं का आभारी हूं, जिन्होंने मोदी की गारंटी पर भरोसा किया.

विकसित भारत संकल्प यात्रा का लक्ष्य : उन्होंने कहा, जब लाभ मिलता है तो एक विश्वास बढ़ता है. जिंदगी जीने की एक नई ताकत आ जाती है. इस कार्यक्रम में देश भर से 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के हजारों लाभार्थी वर्चुअल रूप से शामिल हुए. कार्यक्रम के दौरान पूरे देश से 2,000 से अधिक वैन, हजारों कृषि विज्ञान केंद्र और सामान्य सेवा केंद्र भी जुड़े. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में केंद्रीय मंत्री, सांसद, विधायक और स्थानीय स्तर के प्रतिनिधि भी शामिल हुए. 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' पूरे देश में सरकार की प्रमुख योजनाओं को शत-प्रतिशत पूरा करने के लक्ष्य के साथ शुरू की गई है ताकि सभी लक्षित लाभार्थियों तक समयबद्ध तरीके से इन योजनाओं का लाभ पहुंचना सुनिश्चित किया जा सके.

भीख मांगने की प्रवृति घटी

उन्होंने कहा, अगर विपक्षी दलों ने राजनीतिक स्वार्थ के बजाये सेवाभाव को सर्वोपरि रखा होता, सेवाभाव को ही अपना काम समझा होता तो देश की बहुत बड़ी आबादी अभाव में, मुसीबतों में, तकलीफों में न रहती. विकसित भारत संकल्प यात्रा'' को जरूरतमंदों तक पहुंचने का बहुत बड़ा माध्यम बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बहुत ही कम समय में अब तक सवा करोड़ से अधिक लोग 'मोदी की गारंटी' वाली गाड़ी तक पहुंचे हैं और उसका स्वागत किया है, उससे जुड़ने की कोशिश की है और उसे सफल बनाने का काम किया है. उन्होंने कहा, पहले जो भीख मांगने की मन:स्थिति रहती थी अब वह चली गई. सरकार ने जरूरतमंदों की पहचान की और फिर उन तक लाभ पहुंचाने के लिए कदम उठाए. तब ही आज लोग कहते हैं– मोदी की गारंटी यानी, गारंटी पूरी होने की गारंटी.

खास बातें

- देश भर से हजारों लाभार्थी वर्चुअल रूप से शामिल हुए
- पूरे देश से 2,000 से अधिक व सामान्य केंद्र भी जुड़े

मोदी की गारंटी वाली गाड़ी का लोगों में उत्साह

उन्होंने कहा कि 'मोदी की गारंटी' वाली गाड़ी पहुंचने के बाद लगभग एक लाख नए लाभार्थियों ने उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन के लिए आवेदन किया है. उन्होंने कहा, इस यात्रा के दौरान मौके पर ही 35 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड भी दिए गए हैं. उन्होंने कहा कि सरकार की लगातार कोशिश है कि जब मोदी की गारंटी वाली गाड़ी पहुंचे तो गांव का हर एक व्यक्ति उस गाड़ी तक जरूर पहुंचना चाहिए, तभी हर लाभार्थी तक पहुंचा जा सकेगा. प्रधानमंत्री ने कहा कि 'मोदी की गारंटी' वाली गाड़ी को लेकर जो उत्साह गांव-गांव में दिख रहा है वह अपने आप में अद्भुत है. उन्होंने कहा कि देश भर के गांवों में करोड़ों परिवारों को केंद्र सरकार की किसी न किसी योजना का लाभ जरूर मिला है.

केसीआर बने बीआरएस विधायक दल के नेता

हैदराबाद। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव (केसीआर) को नयी विधानसभा में शनिवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का विधायक दल का नेता चुना गया. नवनिर्वाचित बीआरएस विधायकों की यहां हुई बैठक में इस संबंध में घोषणा की गई. बीआरएस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'विधानसभा सत्र से पहले तेलंगाना भवन में हुई बीआरएस विधायक दल की बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव को बीआरएसएलपी का सर्वसम्मति से नेता चुना गया.' उसने बताया कि पूर्व विधानसभा अध्यक्ष पी श्रीनिवास रेड्डी ने राव के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका पूर्व मंत्रियों टी श्रीनिवास यादव और के. श्रीहरि ने समर्थन किया. बैठक की अध्यक्षता बीआरएस संसदीय दल के नेता के. केशव राव ने की. बीआरएस ने हालिया विधानसभा चुनाव में कुल 119 सीट में से 39 सीट जीतीं. कांग्रेस को 64 सीट मिलीं, जबकि भाजपा, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन और भाकपा को क्रमश: आठ, सात और एक सीट मिली.

पीएम 17 को वाराणसी आएंगे स्वर्वेद मंदिर का लोकार्पण करेंगे

एजेंसी। वाराणसी

प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी की संकरी गलियों में घूमेंगे. यह खबर सुर्खियों में है. खबरों के अनुसार राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दौरे पर आ रहे हैं. जानकारी के अनुसार श्री मोदी 17 दिसंबर को दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी (काशी) आ रहे हैं. बताया जाता है कि प्रधानमंत्री पहली बार गंगा किनारे के इलाके की संकरी गलियों में पैदल भ्रमण करेंगे. इन गलियों में वे आम जन से सीधे रूबरू होंगे. इस क्रम में प्रधानमंत्री मोदी विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल होंगे. नमो घाट पर काशी तमिल संगमम में शामिल होने वाले दक्षिण भारतीय मेहमानों से मुलाकात करेंगे. गंगा आरती में शामिल होंगे.

उमरहां में 64 हजार वर्ग फीट में स्वर्वेद महामंदिर तैयार : जान लें कि पीएम की यात्रा को लेकर नगर निगम द्वारा गलियों को सजाने का काम शुरू है. प्रधानमंत्री के रात्रि विश्राम की बात करें तो वे बीएलडब्ल्यू गेस्ट हाउस में ठहरेंगे. वाराणसी दौरे के दूसरे दिन 18 दिसंबर को प्रधानमंत्री हेलिकॉप्टर से उमरहां (चौबेपुर) जायेंगे.

नमो घाट पर काशी तमिल संगमम में शामिल होंगे

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे को लेकर जिला प्रशासन सहित भाजपा पदाधिकारियों ने तैयारी शुरू कर दी है. सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री 17 दिसंबर को दोपहर के समय काशी पहुंचेंगे. नदेसर स्थित कटिंग मेमोरियल ग्राउंड में विकसित भारत संकल्प यात्रा का हिस्सा बनेंगे. इसके बाद नमो घाट पर काशी तमिल संगमम में शामिल होंगे. बताया जाता है कि नमो घाट पर बन रहे हेलिपैड पर पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हेलिकॉप्टर उतरेगा. यहां के बाद प्रधानमंत्री कालभैरव मंदिर और आदिविश्वेश्वर वॉर्ड की गलियों में पैदल घूमेंगे.

शूटर्स-स्पेशल सेल में मुठभेड़, दो धराए

भाषा। नयी दिल्ली

लॉरेंस गैंग का मामला

दिल्ली से बड़ी खबर सामने आ रही है. यहां वसंतकुंज के पास लॉरेंस गैंग के शूटर्स और स्पेशल सेल के बीच शनिवार को मुठभेड़ हुई है. इस दौरान दोनों तरफ से ताबड़तोड़ गोलियां चली. जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने लॉरेंस गैंग के दो शूटरों को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार शूटर में से एक नाबालिग है. जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि लॉरेंस गैंग के दो शार्प शूटर वसंत कुंज इलाके में हैं. सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल उनको पकड़ने गयी. इस दौरान स्पेशल सेल और लॉरेंस गैंग के शूटर्स के बीच मुठभेड़ हो गयी. बता दें कि दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने शुक्रवार 8 दिसंबर को गोल्डी बराड़ और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो शूटरों को गिरफ्तार किया था. गोल्डी बराड़ के कहने पर इन दोनों शूटरों ने 3 दिसंबर 2023 को पंजाब के एक पूर्व विधायक के घर पर गोलीबारी की थी. गिरफ्तार शूटर्स की पहचान हरियाणा के सोनीपत निवासी आकाश और चरखी दादरी निवासी अखिल के रूप में हुई है. गोल्डी ने पूर्व विधायक को धमकी भरे ऑडियो लिए भेजकर करोड़ों रुपये की रंगदारी मांगी थी. गोल्डी के कहने पर उसके गुर्गों ने पंजाब के पूर्व विधायक की दो शराब की दुकानें जला दी थी.

गाजा में तत्काल संघर्ष विराम प्रस्ताव पर अमेरिका का वीटो

एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र

अमेरिका ने गाजा में तत्काल मानवीय संघर्ष विराम की मांग कर रहे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के लगभग सभी सदस्यों और कई अन्य देशों द्वारा समर्थित एक प्रस्ताव के खिलाफ विश्व निकाय में शुक्रवार को वीटो का इस्तेमाल किया. प्रस्ताव के समर्थकों ने तीसरे महीने भी युद्ध जारी रहने पर और लोगों की मौत तथा तबाही को लेकर आगाह किया और इसे दुखद दिन बताया.

सुप में प्रस्ताव के पक्ष में एक के मुकाबले 13 वोट पड़े : संयुक्त राष्ट्र की 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद में प्रस्ताव के पक्ष में एक के मुकाबले 13 वोट पड़े. ब्रिटेन मतदान से दूर रहा. अमेरिका के उप राजदूत रॉबर्ट वुड ने इजराइल पर सात अक्टूबर को हमास के हमले की निंदा करने या इजराइल के अपनी रक्षा करने के अधिकार को स्वीकार करने में नाकामी के लिए वोट को लेकर सुरक्षा परिषद की निंदा की. हमास के आतंकवादियों ने इजराइल पर हमले के दौरान करीब 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी. उन्होंने कहा कि सैन्य कार्रवाई रोकने से हमास को गाजा पर शासन जारी रखने और अगले युद्ध के लिए बीज बोने में मदद मिलेगी.

आईएसआईएस

महाराष्ट्र-कर्नाटक के 41 ठिकानों पर रेड, 13 धराए

मुंबई। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) के 41 ठिकानों पर छापेमारी कर रही है. आतंकी संगठन आईएसआईएस की साजिश के खिलाफ कर्नाटक और महाराष्ट्र में कई ठिकानों पर रेड चल रही है. महाराष्ट्र में आईएसआईएस के सबसे अधिक ठिकानों पर एजेंसी ने छापा मारा है. जिसमें पुणे में 2, ठाणे ग्रामीण में 31, ठाणे शहर में 9 और मीरा भयंदर में 1 स्थान पर तलाशी ली जा रही है. वहीं कर्नाटक में एक स्थान पर छापेमारी चल रही है. एनआईए ने गिरफ्तार आतंकियों की निशानदेही पर यह कार्रवाई की है. छापेमारी के बाद एनआईए ने 13 लोगों को गिरफ्तार किया है. छापेमारी के दौरान एनआईए ने आतंकियों के अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन और विदेशी-आधारित आईएसआईएस हैंडलर्स की भागीदारी की बड़ी साजिश का खुलासा किया है.

बिहार के सीएम यूपी से लड़ सकते हैं लोकसभा चुनाव

मोदी को चुनौती देने वाराणसी जाएंगे नीतीश

एजेंसिया। वाराणसी

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के बाद अब आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक पार्टियों को अपनी कमर कसते देखा जा रहा है. इसी क्रम में बिहार के सीएम नीतीश कुमार वाराणसी में चुनाव प्रचार करने आने वाले हैं. एनडीए गठबंधन को हराने के लिए देश की तमाम विपक्षी पार्टियों ने इंडिया गठबंधन बनाया है. जिसके चलते कयास लगाए जा रहे हैं कि जनता दल (यूनाइटेड) के नेता और बिहार के सीएम नीतीश कुमार यूपी से लोकसभा का चुनाव लड़ सकते हैं. वाराणसी लोकसभा सीट पर बीते दो लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव जीत कर प्रधानमंत्री बनते देखे गए हैं. ऐसे में इंडिया गठबंधन की ओर से नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने वाराणसी से प्रचार अभियान की शुरुआत करेंगे. उन्हें इंडिया गठबंधन का पीएम चेहरा बताए जाने की उम्मीद की जा रही है. इसी बीच खबर मिल रही है कि बिहार के सीएम नीतीश कुमार लोकसभा चुनाव प्रचार का आगाज वाराणसी से करने जा रहे हैं.

17 को वाराणसी आएंगे पीएम मोदी : बता दें कि 24 दिसंबर को वाराणसी में नीतीश कुमार की चुनावी जनसभा से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 दिसंबर को वाराणसी आ रहे हैं. पीएम नरेंद्र मोदी भी वाराणसी से ही लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर अपने चुनाव प्रचार का शंखनाद करेंगे.

24 को वाराणसी में करेंगे चुनावी जनसभा

आगामी लोकसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार 24 दिसंबर को अपनी पहली जनसभा वाराणसी में करेंगे. वाराणसी के कुर्मी वोट बैंक को अपने पाले में करने के लिए बिहार के सीएम नीतीश कुमार वाराणसी के रोहनिया में जनसभा को संबोधित करेंगे. इसकी पुष्टि बिहार के कैबिनेट मंत्री और जेडीयू के संगठन मंत्री ने की है. फिलहाल नीतीश कुमार के उत्तर प्रदेश में फूलपुर, बनारस और अम्बेडकर नगर से चुनाव लड़ने की चर्चा जोरों पर हो रही है. वहीं दूसरी ओर नीतीश कुमार प्रतापगढ़ से भी चुनाव लड़ सकते हैं.

पंजाब के फिरोजपुर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के समीप ड्रोन बरामद

चंडीगढ़। पंजाब के फिरोजपुर जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के समीप एक खेत से एक ड्रोन बरामद किया गया. सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि सुरक्षाबलों ने शुक्रवार रात करीब 10 बजकर 10 मिनट पर फिरोजपुर में माबोके गांव के समीप ड्रोन की गतिविधि देखी और उसके बाद उसे बरामद किया. उन्होंने बताया कि शनिवार को तलाश अभियान के दौरान बीएसएफ कर्मियों ने खेत से चीन निर्मित एक ड्रोन बरामद किया है.

दुखद शादी की रस्म निभाने जा रहे थे घरवाले, 22 लोग घायल हो गए हैं

महिलाओं और बच्चों पर दीवार गिरी, सात की हुई मौत

संवाददाता। लखनऊ

यूपी के मऊ में हुए एक हादसे में 5 महिलाएं, दो बच्चे समेत सात लोगों की मौत हो गयी है. हादसा शुक्रवार को हुआ. खबरों के अनुसार शुक्रवार दोपहर बाद लगभग तीन बजे मटमंगरा रस्म निभाने निकलीं महिलाओं व बच्चों पर निर्माणाधीन मकान की दीवार गिर गयी. इसके मलबे में दबकर सात लोगों की मौत हो गयी. इस हादसे में 22 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं. घायलों को आजमगढ़ जिला अस्पताल समेत विभिन्न निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है.

महिलाएं, बच्चे मटमंगरा के लिए बाग में जा रहे थे : जानकारी के अनुसार इस्लामपुरा परती निवासी व्यवसायी बृजेश गुप्ता के बेटे बालेंदु का विवाह आज शनिवार को तय था. घर में हल्दी की रस्म जारी थी. इस क्रम में महिलाएं, बच्चे और रिश्तेदार मटमंगरा के लिए बाग में जा रहे थे. डीजे की धुन पर नाच-गाना चल रहा था. घर से निकल कर कुछ दूर ही पहुंचे ही थे कि रास्ते के बगल की दीवार अचानक भरभराकर उन पर गिर गया. कई लोग मलबे में दब गये. हड़कंप मच गया. आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी. सूत्रों के अनुसार मटमंगरा रस्म निभाने जा रही महिलाएं जब दीवार के पास पहुंचीं, उस दौरान जोर से डीजे बज रहा था. आवाज जैसे ही दीवार से टकराई, उसमें कंपन होने लगा. एक दिन पूर्व बारिश हुई थी.

घायलों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया

हादसे की जानकारी मिलते ही डीआईजी अखिलेश कुमार सहित जिलाधिकारी अरुण कुमार, पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय समेत भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंच गये. घटना स्थल पर दो जेसीबी मंगायी गयी. इसके बाद मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने का काम शुरू हुआ. अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने सात को मृत घोषित कर दिया. इनमें 5 महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं. 22 लोग गंभीर हालत में विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराये गये.

सीएम योगी ने हादसे पर गहरा दुख जताया

सीएम योगी ने इस हादसे पर गहरा दु:ख जताया है. सीएम ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये राहत राशि दिये जाने का निर्देश जारी किया है. गंभीर रूप से घायलों को 50-50 हजार रुपए प्रदान किये जायेंगे. सीएम ने सभी घायलों का नि:शुल्क इलाज किये जाने की बात कही है. साथ ही हादसे के जिम्मे दार दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने भी आदेश दिया गया है.

अकबरुद्दीन ओवैसी का विरोध

भाजपा के विधायक भड़के शपथ लेने से इनकार किया

एजेंसी। हैदराबाद

तेलंगाना की राजनीति फिर उबाल पर है. एआईएमआईएम विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी को प्रोटेम स्पीकर बनाये जाने का भाजपा ने विरोध जताया है. बता दें कि राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन की ओर से नियुक्ति पर मुहर लगने के बाद अकबरुद्दीन ओवैसी ने आज शनिवार को विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर के तौर पर शपथ ली.

ओवैसी की नवनियुक्त विधायकों को शपथ दिलायेंगे : चंद्रायनगुट्टा से विधायक (ओवैसी) नवनियुक्त विधायकों को शपथ दिलायेंगे. लेकिन अकबरुद्दीन ओवैसी को प्रोटेम स्पीकर

ओवैसी को प्रोटेम स्पीकर बनाये जाने पर भाजपा विधायक टी राजा सिंह भड़क गये: ओवैसी को प्रोटेम स्पीकर बनाये जाने पर भाजपा विधायक टी राजा सिंह भड़क गये. कहा कि नयी सरकार और राज्य में कांग्रेस के नये मुख्यमंत्री बनने के बाद रेवंत रेड्डी और कांग्रेस का असली चेहरा जनता के सामने आ गया है.

बनाये जाने से भाजपा आगबबूला है. पार्टी ने एलान किया कि उसके विधायक ओवैसी के सामने शपथ नहीं लेंगे. सभी समारोह का बहिष्कार करेंगे. जान लें कि नया विधानसभा का पहला सत्र शनिवार से शुरू हो गया है.

प्रकृति की गोद में मैथन डैम.

डैम के आसपास के क्षेत्र को सजाने-संवारने में जुटा डीवीसी प्रबंधन

नववर्ष पर पर्यटकों के स्वागत को तैयार हो रहा मैथन डैम

संवाददाता। मैथन

नए साल कुछ दिन बाद आनेवाला है. नववर्ष का जश्न मनाने आने वाले सैलानियों के लिए मैथन डैम को दुल्हन की तरह सजाया-संवारा जा रहा है. डीवीसी प्रबंधन डैम के आसपास के स्थानों, पार्क आदि को सजाने में जुटा हुआ है. वहीं, नाविक भी नौकाओं को दुरुस्त कर रंग-रोगन कर रहे हैं. डैम की फेंसिंग, पार्कों में बनाये गए विभिन्न प्रकार के जंगली जानवरों, जलाशय के किनारे पत्थरों आदि को रंगों से सजाने का काम अंतिम चरण में है. डैम के समीप स्थित मिलेनियम पार्क, गोल्डेन पार्क, नेहरू पार्क, फूलबागान समेत अन्य पार्कों की साफ-सफाई कर रंग-बिरंगे फूलों से आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है, ताकि सैलानी सारे तनाव को भूल कर डैम के प्राकृतिक सौंदर्य व मनमोहक दृश्यों का आनंद ले सकें.

डैम सैलानियों की पहली पसंद

प्रकृति की गोद में बना मैथन डैम सैलानियों की पहली पसंद है. यह मैथन डैम प्रकृति की मनोहारी छटाओं और देवी स्थान (मां कल्याणेश्वरी मंदिर) के लिए भी पूरे देश में जाना जाता है. सही अर्थों में यह प्राकृतिक सौंदर्य और भक्ति का अनूठा संगम है. यहां की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने दूर-दराज के क्षेत्रों से भी लोग आते हैं. जाड़े का मौसम शुरू होते ही यहां सैलानियों का जमघट लगने लगता है. लोग परिवार के साथ पहुंच कर नदी किनारे, खूबसूरत वादियों में, पहाड़ों व पेड़ों के झुरमुटों के बीच पिकनिक का आनंद लेते हैं. बड़ा दिन यानी क्रिसमस पर्व पर 25 दिसंबर और पहली जनवरी को तो भीड़ इतनी जुटती है कि जगह कम पड़ जाती है. बसों व निजी वाहनों से हजारों लोग सपरिवार यहां पहुंचते हैं.

आओ जानें

10 दिसंबर का इतिहास

- 1582 – फ्रांस ने ग्रेगोरियन कैलेंडर का उपयोग शुरू किया.
- 1896 – नोबेल पुरस्कार के संस्थापक अल्फ्रेड बर्नहार्ड नोबेल का निधन.
- 1898 – पेरिस संधि के बाद स्पेन–अमेरिका युद्ध समाप्त हुआ.
- 1902 – तस्मानिया में महिलाओं को मत देने का अधिकार मिला.
- 1950 – संयुक्त राष्ट द्वारा अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस घोषित किया गया.
- 1992 – गुजरात में देश की पहली होवरक्राफ्ट सेवा की शुरूआत.
- 2001 – दिग्गज अभिनेता अशोक कुमार का निधन.
- 2007 – क्रिस्टीना फर्नांडीज डी किर्चनेर अर्जेंटीना की पहली महिला राष्ट्रपति बनीं.
- 2016 – इस्तांबुल में एक फुटबॉल स्टेडियम के पास धमाकों में 38 लोगों की मौत.

झाड़ी में मिली नवजात बच्ची छात्राओं ने उठा कर लाया घर

संवाददाता। बेंगाबाद (गिरिडीह)

बेंगाबाद में मां की ममता को शर्मसार करने वाली घटना घटी है. यहां एक मां द्वारा जन्म देने के बाद नवजात को झाड़ियों में फेंक दिया गया था. नवजात बच्ची को झाड़ी में देख दो स्कूली छात्राओं ने उसे उठा कर घर लाया. दोनों छात्राओं के इस कार्य की सराहना सभी लोग कर रहे हैं. झाड़ी में नवजात मिलने की सूचना पाकर पुलिस इंस्पेक्टर ममता कुमारी, थाना प्रभारी प्रशांत कुमार, एसआई विकेश मेहरा मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली.

मामला बेंगाबाद थाना के बगल स्थित नीचे हरिजन टोला की है. बताया गया कि नवजात बच्ची बस्ती के नीचे एक नाला के पास झाड़ियों में पाई गई है. फिलहाल बेंगाबाद पुलिस द्वारा नवजात बच्ची को चाइल्ड वेलफेयर कमिटी गिरीडीह भेजा गया है. बच्ची के नाभ में क्लिप(कोड क्लेम्प) लगा हुआ है. जिसे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि बच्ची को किसी हॉस्पिटल में जन्म दिया गया है. जिसके बाद उसे झाड़ियों में फेंक दिया गया है. छात्राओं ने बताया कि शनिवार दोपहर के समय वह दोनों मैदान की तरफ गयी थी इसी दौरान झाड़ियों में नवजात के होने का पता चला. जिसके बाद वे दोनों मौके पर पहुंची तो देखा झाड़ियों के बीच नवजात बच्ची रो रही थी. नवजात को झाड़ी से उठाकर लाने वाली दो छात्राएं नीलम कुमारी और लक्ष्मी कुमारी को उपहार देकर सम्मानित किया गया. पुलिस इंस्पेक्टर ममता कुमारी और हरिला पंचायत के मुखिया सुधीर रजवार ने दोनों छात्राओं के इस कार्य की प्रशंसा की और उन्हें उपहार दिया. मौके पर इंस्पेक्टर ममता कुमारी ने कहा कि दोनों बच्चियों ने समाज के लिए मिशाल स्वरूप काम किया है. बताया गया कि कई लोगों ने नवजात को झाड़ियों में देखा मगर किसी ने नहीं उठाया. दोनों छात्राओं ने नवजात को घर लाकर सराहनीय काम किया है.

ऑड्रे हाउस में हुए टाटा स्टील झारखंड लिटरेरी मीट में मना रचनात्मक संवाद का जश्न

शब्दों की दुनिया बहुत आकर्षक है निराशावादी न लिखें : ममता कालिया

संवाददाता। रांची

राजधानी के ऑड्रे हाउस में आयोजित टाटा स्टील झारखंड लिटरेरी मीट में देश के प्रसिद्ध साहित्यकारों का जमावड़ा लगा. क्षेत्रीय और वैश्विक साहित्य के साथ-साथ कला और संस्कृति पर चर्चा हुई. कार्यक्रम में प्रसिद्ध लेखिका और कवयित्री ममता कालिया ने कहा कि उन्होंने 16 साल की उम्र से लेखन शुरू किया था. लेखन की विधा काफी चुनौतीपूर्ण है. शब्दों की दुनिया काफी आकर्षक है, जो चीजें आप किसी से नहीं पूछ सकते हैं उन्हें कागज पर लिखकर उनके उत्तर तलाश कर सकते हैं.

आज लिखने के लिए बेशुमार विषय हैं. देश और समाज में हो रहे परिवर्तनों को पकड़कर हम अच्छे लेखक बन सकते हैं, लेकिन कोशिश करें कि हम निराशावादी न लिखें. उन्होंने कहा कि यह भ्रम है कि सिर्फ वियोगी ही कवि बनते हैं. सिस्टम से लड़कर भी लोग कवि बनते हैं. भले ही आज डिजिटल युग आ चुका है, लेकिन आज भी लेट कर किताब पढ़ने से पूजा-अर्चना और तीर्थ करने से कम संतोष नहीं होता है. कहा कि साहित्य का मतलब निष्पक्षता है, लेकिन अब यह पक्षधरता की ओर बढ़ रहा है.

बाहुबली : 63 इनसाइट्स इनटू जैनिज्म का विमोचन

पौराणिक कथाकार देवदत्त पटनायक ने कार्यक्रम में अपनी नई पुस्तक 'बाहुबली: 63 इनसाइट्स इनटू जैनिज्म' का विमोचन किया. इसके बाद उन्होंने आधुनिक समय में भगवद गीता के महत्व पर एक इंटरैक्टिव चर्चा की. कहा कि सभी धर्मों के इतिहास और उसके अनुपालन के बारे में अपनी बातों को रखा. महाभारत, जैन धर्म जैसे मुद्दों पर विस्तार से अपनी राय रखी और कार्यक्रम में मौजूद लोगों के सवाल के जवाब दिये.

आज के कार्यक्रम

रविवार को लिटरेरी मीट के तीसरे दिन की शुरुआत श्रीलाल शुक्ल की पुस्तक राग दरबारी के प्रकाशन के 55 वर्ष के जश्न से होगी. सत्र के बाद बेस्टसेलिंग लेखक सत्य व्यास के साथ बातचीत होगी. रांची के लेखक पंकज मित्र और रश्मि शर्मा उनके कहानी संग्रह अच्छा आदमी पर चर्चा करेंगे. हिंदी क्लासिक्स के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार विषय पर जेरी पिंटो, अदिति महेश्वरी गोयल और ममता कालिया चर्चा करेंगे.

झारखंड के कई साहित्यकारों ने रखे विचार

प्रलेख नवलेखन सम्मान से सम्मानित झारखंड की युवा लेखिका पार्वती तिर्की ने झारखंड के प्रमुख साहित्यकारों में से एक और बिरसा मुंडा पुरस्कार विजेता महादेव टोप्पो के साथ मंच साझा किया. इस सत्र में आदिवासी और साहित्य पर चर्चा हुई. वहीं पुरस्कार विजेता लेखक जेरी पिंटो ने पुराने जमाने के उपन्यासों के आकर्षण के बारे में बात की. झारखंड के दो युवा फिल्म निर्माताओं निरंजन कुमार कुजूर और सेरल मुर्मू ने कहानियों में रूढ़ियों को तोड़ने पर चर्चा की. लेखक और पक्षी विशेषज्ञ बिक्रम ग्रेवाल ने भारत की पहली 'बर्डवूमन' – जमाल आरा के उल्लेखनीय जीवन और झारखंड के जंगलों की कुछ रोमांचक कहानियों के बारे में वन्यजीव इतिहासकार, पर्यावरणविद् और कहानीकार रज़ा काज़मी से बात की. इंजीनियर से लेखक बने प्रशांत पंडिता ने भी अपने विचार रखे.

लिटरेरी मीट ने आकर्षित किया : मालविका

टाटा स्टील झारखंड लिटरेरी मीट की निदेशक मालविका बनर्जी ने कहा कि 'टाटा स्टील झारखंड लिटरेरी मीट ने हमेशा न केवल झारखंड और क्षेत्र से बल्कि पूरे भारत से प्रमुख लेखकों, वक्ताओं और कलाकारों को आकर्षित किया है. प्रतिभागियों की लगातार उच्च गुणवत्ता और स्थानीय सांस्कृतिक लोकाचार के साथ अंतर्निहित संबंध के कारण यह आयोजन और भी मजबूत हो गया है. उन्होंने उम्मीद जताई कि इस साल का संस्करण एक बार फिर से अनछुए विचारों और अजेय आवाजों का जश्न मनाएगा.

कॅरियर-काउंसिलिंग

एमएड कोर्स कर युवा बना सकते हैं अपना कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर रजनीश प्रसाद

अगर आप एमएड कोर्स की पढ़ाई करना चाहते है, तो सबसे पहले यह जानना जरूरी है कि एमएड क्या है. मास्टर ऑफ एजुकेशन देश और विदेश की कई यूनिवर्सिटी द्वारा कराई जाने वाली 2 साल की मास्टर डिग्री है. इस कोर्स में काउंसलर एजुकेशन, स्कूल काउंसलिंग, न्यूरोसाइंस इंटरडिसिप्लिनरी, अकादमिक एनरिचमेंट, हायर एजुकेशन के साथ स्टूडेंट अफेयर्स, एडल्ट एजुकेशन, रिलीजियस एजुकेशन, स्पेशल एजुकेशन आदि क्षेत्र को शामिल किया गया है. इसके जरिए छात्रों को टीचिंग की बारीकियां, छात्र-शिक्षक संबंध के बारे में पढ़ाया जाता है.

क्यों करें कोर्स

- **नौकरी के बाजार में बढ़ा हुआ मूल्य :** हाई स्कूल स्तर पर शिक्षण के लिए आमतौर पर एक मास्टर की बुनियादी आवश्यकता होती है, इसलिए शिक्षण नौकरी के बाजार में बहुत अधिक भार होता है. एमएड कोर्स होने से उम्मीदवारों को मिडिल स्कूल स्तर के शिक्षण से आगे बढ़ने की अनुमति मिलती है और उन्हें 11 और 12 जैसी वरिष्ठ कक्षाओं को पढ़ाने की अनुमति मिलती है.
- **अपने शिक्षण कौशल का निर्माण करें :** एमएड डिग्री मुख्य रूप से टीचिंग मेथड्स, शिक्षा के दर्शन और टीचिंग टेक्नोलॉजी पर जोर देने के साथ शिक्षक बनने के तरीकों पर केंद्रित है, जो निश्चित रूप से किसी को अपने शिक्षण कौशल को बेहतर बनाने में मदद करता है.
- **कॅरियर की गतिशीलता :** एडवांस डिग्री वाले शिक्षकों को स्कूल प्रशासनिक पदों पर काम करने के लिए विभिन्न नौकरी के अवसर मिलते हैं और विशिष्ट बैचलर्स प्रशिक्षण के आधार पर अन्य शिक्षकों के लिए सलाहकार बन सकते हैं.
- **कमाई की क्षमता में वृद्धि :** डिग्री के बढ़े हुए स्तर के साथ वेतनमान भी बढ़ता है, इसलिए एमएड डिग्री हासिल करने से शिक्षण क्षेत्र में उच्च वेतन वाली नौकरी प्राप्त करना आसान हो जाता है. भारत में एमएड शिक्षक प्रति वर्ष सैलरी 5.10 रुपये है, जो विदेश में कई देशों के मुकाबले अधिक है.

एमएड कोर्स में स्पेशलाइजेशन

- एजुकेशनल टेक्नोलॉजी
- एजुकेशनल मैनेजमेंट
- वीमेंन स्टडी
- लैंग्वेज एजुकेशन
- टीचर एजुकेशन
- गाइडेंस एंड काउंसलिंग
- स्पेशल एजुकेशन
- लर्निंग एनवायरनमेंट
- योग एजुकेशन
- रूरल एजुकेशन

जानिए किन-किन विषयों से कर सकते हैं एमएड

- कला संकाय
- हिन्दी भाषा शिक्षण
- संस्कृत भाषा शिक्षण
- अंग्रेजी भाषा शिक्षण
- अर्थशास्त्र शिक्षण
- इतिहास शिक्षण
- सामाजिक अध्ययन शिक्षण
- भूगोल शिक्षण
- नागरिक शास्त्र शिक्षण
- विज्ञान संकाय
- जीव विज्ञान शिक्षण
- सामान्य विज्ञान शिक्षण
- रसायन विज्ञान शिक्षण
- भौतिक विज्ञान शिक्षण
- गणित शिक्षण
- वाणिज्य संकाय
- वितीय लेखांकन शिक्षण
- व्यवसाय संगठन शिक्षण

एमएड के बाद कॅरियर के अवसर

- एमएड के लिए टॉप भारतीय कॉलेज
- दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय
- बैंगलोर विश्वविद्यालय
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़
- चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
- जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
- राजस्थान विश्वविद्यालय कोटा
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
- कोल्हान विश्वविद्यालय, जमशेदपुर
- मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई.

एमएड के लिए योग्यता

1. ग्रेजुएशन पूरी करें
बीएड और एमएड करने के लिए आपको पहले अपनी ग्रेजुएशन पूरी करनी होती है ताकि आप बीएड और एमएड के लिए अप्लाई कर सकें. ग्रेजुएशन में कम से कम 50 प्रतिशत मार्क्स होना अनिवार्य है ताकि आप बीएड और एमएड की पढ़ाई के लिए एडमिशन ले सकें.

2. बीएड करें
जब आपकी ग्रेजुएशन पूरी हो जाती है, तब आप बीएड के लिए अप्लाई कर सकते हैं. इसके लिए प्रवेश परीक्षा देनी होती है. प्रवेश परीक्षा पास करने के बाद में आप बीएड की पढ़ाई कर सकते है. बीएड में कम से कम 55% मार्क्स होना अनिवार्य है ताकि आप एमएड के लिए अप्लाई कर सके.

3. एमएड करें
जब आप की बीड पूरी हो जाती है, तो आगे की पढ़ाई के लिए आप एमएड कर सकते हैं. इसके लिए आपकी बीएड पूरी होनी चाहिए वो भी 55% मार्क्स के साथ पास होना अनिवार्य है.

एमएड के बाद कॅरियर के अवसर

- ऑनलाइन ट्यूटर
- वाइस प्रिंसिपल
- गणित शिक्षक
- प्रधानाचार्य
- प्रशासनिक सहायक
- शैक्षिक मीडिया और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ
- बाल देखभाल निदेशक
- शैक्षिक नीति डेवलपर
- अनुदेशी अभिकल्पक
- वरिष्ठ व्यवसाय विश्लेषक

एमएड में कॅरियर

यदि अपके पास एमएड की डिग्री है, तो आप कहीं भी जॉब प्राप्त कर सकते हैं. एमएड करने के बाद आप प्रोफेसर साफ्ट स्किल्स टेनर, लेक्चर, हेड मास्टर, यूनियन असिस्टेंट, काउंसलर आदि में कॅरियर बना सकते है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)